ऑनलाइन कारोबार ने पकड़ी रफ्तार पलायन को मजबूर छोटे व्यापारी-10

भारी हंगामे के कारण नहीं चले संसद के दोनों सदन - 7

कुलगाम में इस साल की सबसे लंबी मुठभेड़ 7वें दिन भी गोलाबारी जारी - 11

मैंने भारत के खिलाफ बल्लेबाजी नहीं करने के बारे में कभी नहीं सोचा था : क्रिस वोक्स- 12

आज का मौसम

33.0⁰ अधिकतम तापमान

27.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.38

सूर्यास्त 06.57

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्दशी 02:12 उपरांत पूर्णिमा विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 8 अगस्त 2025, वर्ष 6, अंक 259, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

मोदी और नड्डा चुनेंगे उपराष्ट्रपति उम्मीदवार

नई दिल्ली। राजग ने उपराष्ट्रपति चुनाव में गठबंधन का उम्मीदवार चुनने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को अधिकृत किया। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने यह जानकारी दी।

अंदर देखें ... यूरेका

टैरिफ पर नहीं करेंगे कोई समझौता : मोदी

शुल्क वृद्धि पर ट्रंप को दिया परोक्ष संदेश, कहा- किसानों के हितों के लिए भारी कीमत चुकाने को तैयार

- प्रधानमंत्री ने हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन की जन्मशती पर आयोजित वैश्विक सम्मेलन को किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को परोक्ष रूप से संदेश देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत अपने किसानों, मछुआरों और डेयरी क्षेत्र से जुड़े लोगों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर आवश्यक हुआ, तो वह व्यक्तिगत रूप से इसकी भारी कीमत चुकाने के लिए तैयार हैं। ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क (टैरिफ) बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने के एक दिन बाद प्रधानमंत्री का यह बयान आया है, जबकि दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा कर रहे हैं।

यह व्यापार समझौता भारत के कृषि और डेयरी बाजार तक अधिक पहुंच की अमेरिका की मांग के बीच हो रहा है। मोदी ने कहा, हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कृषि वैज्ञानिक एवं हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन की जन्मशती के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय वैश्विक सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने कच्चे तेल को लेकर रूस पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए भारत पर दबाव बनाने के मकसद से भारतीय वस्तुओं पर व्यापार शुल्क बढ़ा दिया है। अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल जैसे उत्पादों पर शुल्क कम करने के साथ डेयरी उत्पादों तक पहुंच बढ़ाने की मांग कर रहा है। भारत इन मांगों का विरोध कर रहा है, क्योंकि इनका सीधा असर किसानों पर पड़ेगा।

मोदी ने कहा कि सरकार ने हमेशा किसानों की ताकत को राष्ट्रीय प्रगति की नींव माना है। कृषि व संबद्ध क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पीएम-किसान, पीएम फसल बीमा योजना, पीएम कृषि सिंचाई योजना, पीएम किसान संपदा योजना, 10,000 किसान उत्पादक संगठनों का निर्माण, पीएम 'धन धान्य योजना' जैसी कई योजनाओं पर प्रकाश डाला।

स्वामीनाथन के सम्मान में डाक टिकट जारी

मोदी ने महान वैज्ञानिक स्वामीनाथन के सम्मान में एक विशेष सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया। वर्तमान में (अमेरिका के साथ) व्यापारिक तनावों से इतर मोदी ने भारतीय कृषि के भविष्य के लिए अपने दृष्टिकोण को रेखांकित किया, जिसमें पोषण सुरक्षा, फसल विविधीकरण और जलवायु-अनुकूल फसल किस्मों एवं प्रौद्योगिकी एकीकरण पर जोर दिया गया। उन्होंने कृषि प्रणालियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग के एकीकरण पर जोर देते हुए सूखा को सह सकने वाला, ताप-प्रतिरोधी और बाढ़-अनुकूल फसलें विकसित करने का आह्वान किया।

अनुसंधान बढ़ाने का किया आह्वान

मोदी ने फसल चक्र कैसे बदला जाए, किस मिट्टी के लिए क्या उपयुक्त है, उस पर अनुसंधान बढ़ाने का आह्वान किया तथा किफायती मृदा परीक्षण उपकरण एवं प्रभावी पोषक तत्व प्रबंधन तकनीकों को विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सौर ऊर्जा चालित सूक्ष्म सिंचाई की दिशा में प्रयासों को तेज करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया और कहा कि ड्रिप प्रणालियों और प्रिसिजन (सटीक) सिंचाई को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनाया जाना चाहिए।

भारत सहित दुनिया में टैरिफ लागू ... पेज-10 पर

सीआरपीएफ जवानों से भरा वाहन खाई में गिरा, 3 की गई जान

जम्मू। जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले में गुरुवार को एक वाहन के सड़क से फिसल कर खाई में गिरने से सीआरपीएफ के तीन जवानों की मौत हो गयी और 15 अन्य घायल हो गए।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने जवानों की मौत पर दुख जताया और अधिकारियों को घायल जवानों को उत्कृष्ट उपचार मुहैया कराने और हरसंभव सहायता देने का निर्देश दिया। यह हादसा कडवा इलाके में सुबह करीब साढ़े 10 बजे हुआ जब जवान बसंतगढ़ से एक अभियान से एक बंकर वाहन में सवार होकर लौट रहे थे। वाहन सीआरपीएफ की 187 बटालियन का था। वाहन में 23 जवान सवार थे। दो जवानों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 16 अन्य घायल हो गए। उन्हें एक अस्पताल ले जाया गया, जहां एक और जवान की मौत हो गयी।

कानून की धज्जियां उड़ाने वालों की तरह काम नहीं कर सकता ईडी: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम सवाल 5000 मामलों के बाद 10 से भी कम दोषसिद्धि क्यों ?

- कहा- ईडी की छवि चिंतनीय उसका आचरण कानून के दायरे में होना चाहिए

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ईडी पर सख्त टिप्पणियां करते हुए कहा कि वह कानून की धज्जियां उड़ाने वालों की तरह काम नहीं कर सकता। उसका आचरण कानून के दायरे में होना चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्ल भुयान और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कांग्रेस सांसद कार्ति पी. चिदंबरम और अन्य द्वारा दायर कई पुनर्विचार याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान ये टिप्पणियां कीं।

पीठ ने बहुत कम दोषसिद्धि के लिए ईडी की भी आलोचना की और संसद में एक मंत्री द्वारा दिए गए बयानों हवाला देते हुए पूछा कि पांच हजार मामलों के बाद 10 से भी कम दोषसिद्धि। क्यों? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह ईडी की छवि को लेकर चिंतित है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों और उसका उल्लंघन करने वालों के बीच अंतर है। इस पर ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) मामलों में दोषसिद्धि की कम दर का एक कारण यह है कि अमीर व ताकतवर लोग वकीलों की एक शक्तिशाली समूह से कानूनी मदद लेते हैं। वे ढेर सारी याचिकाएं दायर करते हैं। राजू आगे कहा कि ये आरोपी मुकदमे को चलने ही नहीं देते और उसमें देरी करते हैं। उन्होंने याचिकाओं को खारिज करने की मांग की। क्योंकि ये वास्तव में पुनर्विचार याचिकाओं के रूप में गोपनीय अन्य चीज हैं। उन्होंने कहा कि यदि पुनर्विचार याचिका स्वीकार कर ली जाती है तो यह विजय मदनलाल के फैसले को फिर से लिखने के समान होगा, जिसकी अनुमति नहीं दी जा सकती।

उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ताओं द्वारा 2022 के फैसले की समीक्षा की मांग करने का कोई आधार नहीं बनाया गया है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 31 जुलाई को कहा था कि वह सबसे पहले जुलाई 2022 के फैसले की समीक्षा की मांग करने वाली इन याचिकाओं की विचारणीयता के मसले पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनेगा।

कांग्रेस ने सामूहिक हत्याएं कराईं, सपा ने पापों पर पर्दा डाला

- हिंसा के बाद पहली बार संभल पहुंचे मुख्यमंत्री योगी विपक्ष पर बरसे

कार्यालय संवाददाता,बहजोई/संभल

अमृत विचार : हिंसा के बाद गुरुवार को पहली बार संभल पहुंचे सीएम योगी ने सपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। कहा कि आजादी के बाद से संभल में कांग्रेस ने सामूहिक हत्याएं कराईं और सपा उसके पाप पर पर्दा डालकर अपराधियों को बचाती रही।

उन्होंने संभल के धार्मिक महत्व को भी रेखांकित करते हुए कहा यदि काशी और अयोध्या में हो सकता है तो संभल में भगवान कल्कि व हरिहर के पावन धाम का पुनरुद्धार क्यों नहीं हो सकता। संभल जनपद के बहजोई में कलेक्ट्रेट सहित 659 करोड़ की 222 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विरासत को विस्मृत करके कोई भी समाज आगे नहीं बढ़ सकता।

संभल के बहजोई में पदाधिकारियों द्वारा भेंट की गदा को उठाते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

संभल की इसी सच्चाई को बताने के लिए हम आपके बीच आए हैं। कांग्रेस सामूहिक हत्या करवाती थी और सपा उनके चेले के रूप में पाप पर पर्दा डालकर हत्यारों को बचाती थी। सच्चाई सामने आ जाती तो उनको वोट बैंक खिसकने का डर था। हम लोग वोट के लिए नहीं, विरासत का संरक्षण करने के लिए आए हैं।

योगी ने हरिहर मंदिर और कल्कि अवतार का जिक्र करते हुए कहा कि हरि और हर यानी विष्णु और शिव दोनों के जहां पर एक सामूहिक रूप से दर्शन हो सकते हों उसी संभल में भगवान विष्णु का कल्कि अवतार होगा यह हमारे पावन ग्रंथों ने माना है।

छात्र यूके में ले सकेंगे उच्च शिक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी कैबिनेट ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी-चिवनिंग छात्रवृत्ति योजना को दी मंजूरी

अमृत विचार: योगी मंत्रिमंडल ने गुरुवार को उच्च शिक्षा को नई दिशा देने वाला एक अहम फैसला लिया है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में लोकभवन में हुई कैबिनेट बैठक में भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी-चिवनिंग उप्र राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना को मंजूरी दी गई है। यह योजना राज्य के मेधावी छात्रों को यूनाइटेड किंगडम (यूके) में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगी।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि सरकार की इस पहल के तहत, हर साल प्रदेश के पांच प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को यूके के किसी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से एक वर्ष की मास्टर डिग्री के लिए छात्रवृत्ति दी जाएगी। यह छात्रवृत्ति उप्र सरकार तथा यूके के फॉरेन कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस के संयुक्त सहयोग से चलाई जाएगी। प्रत्येक छात्र के लिए 19,800 डॉलर (लगभग 23 लाख रु.) का खर्च वहन करेगी।

मासिक भत्ता व विमान किराया भी

उच्च शिक्षा मंत्री के मुताबिक, छात्रवृत्ति में छात्रों को शैक्षणिक शिक्षण शुल्क, परीक्षा एवं शोध शुल्क, रहने के लिए पर्याप्त मासिक भत्ता तथा इकोनॉमी क्लास में एक बार आने-जाने का विमान किराया भी शामिल रहेगा। चयन प्रक्रिया राज्य सरकार और एफसीडीओ के बीच हुए समझौते के अनुसार निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होगी। योजना शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से लागू होगी और यह तीन वर्षों (2025-26, 2026-27, 2027-28) तक प्रभावी रहेगी। आगे इसके नवीनीकरण पर निर्णय लिया जाएगा।

रेलवे भर्ती में धांधली पूर्व चेयरमैन समेत पांच पर एफआईआर दर्ज

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे में वर्ष 2018-19 में हुई भर्ती में धांधली के आरोप में भर्ती बोर्ड के पूर्व चेयरमैन प्रवीण कुमार राय, आरआरबी के तत्कालीन तकनीशियन विनय कुमार श्रीवास्तव, कार्यालय सहायक वरुण राज मिश्रा, सूरज कुमार श्रीवास्तव और एक अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

सीबीआई लखनऊ की टीम ने गुरुवार को पूर्व चेयरमैन समेत कई कर्मचारियों के कार्यालय व आवास पर छापा मारकर भर्ती से जुड़ी 280 फाइलें जब्त की हैं। फिलहाल अभी तक किसी के हिरासत या गिरफ्तार किए जाने की पुष्टि नहीं है। भर्ती धांधली के मामले में पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर के महाप्रबंधक (सतर्कता) जेए वंड्रिन ने सीबीआई लखनऊ कार्यालय में शिकायत की थी।

खींचतान इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश के खिलाफ शीर्ष कोर्ट की टिप्पणी को बताया न्यायिक गरिमा के प्रतिकूल

हाईकोर्ट के जजों को सुप्रीम आदेश पर आपत्ति

विधि संवाददाता,प्रयागराज

- सुप्रीम कोर्ट को हाईकोर्ट पर प्रशासनिक नियंत्रण का अधिकार नहीं : न्यायाधीश अरिंदम सिन्हा

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश अरिंदम सिन्हा ने 4 अगस्त, 2025 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित एक आदेश पर गंभीर आपत्ति जताते हुए पूर्ण पीठ की बैठक बुलाने का आग्रह किया है। उन्होंने इस आदेश में एक अन्य न्यायाधीश के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणियों व प्रशासनिक निर्देशों को स्तब्धकारी व न्यायिक गरिमा के प्रतिकूल बताया।

मैसर्स शिखर केमिकल्स बनाम उत्तर प्रदेश राज्य मामला एक दीवानी विवाद से जुड़ा है। जिसमें माल विक्रेता द्वारा कथित विश्वासघात के आरोप में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 405 के तहत आपराधिक कार्रवाई की गई थी। हाईकोर्ट ने इसे दीवानी प्रकृति का मामला मानते हुए सम्मन रद्द कर दिया था। जिसे बाद में याची ने संविधान के अनुच्छेद 136 के तहत सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश को निरस्त करते हुए नए सिरे से सुनवाई के लिए मामला वापस भेजा और आदेश में हाईकोर्ट के संबंधित न्यायाधीश के विरुद्ध तीखी टिप्पणियां कीं। न्यायमूर्ति सिन्हा ने अपने पत्र में कहा है कि उक्त आदेश बिना किसी नोटिस के पारित किया गया और इससे न्यायपालिका की स्वायत्तता तथा मर्यादा को ठेस पहुंचती है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि आपराधिक प्रक्रिया को दीवानी प्रक्रिया पर प्राथमिकता दी जाती है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि हाईकोर्ट के न्यायाधीश की आलोचना सार्वजनिक रूप से की जाए, जबकि उन्हें अपनी बात रखने का अवसर ही न मिला हो। उन्होंने ली कुन ही बनाम उप्र राज्य और सैयद असकरी हादी ऑगस्टाइन इमाम बनाम दिल्ली प्रशासन जैसे फैसलों का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गई आलोचना को अनुचित, आधारहीन गरिमा के प्रतिकूल बताया। पत्र के अंत में हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ से यह प्रस्ताव पारित करने का अनुरोध किया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पैराग्राफ 24 से 26 में दिए गए प्रशासनिक निर्देशों का अनुपालन नहीं किया जाएगा।

सजा पर रोक संबंधी मामले पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक आदेश पर नाराजगी जताई है, जिसमें वह निश्चित अवधि की सजा पर रोक लगाने की याचिका को खारिज करते समय स्थापित कानूनी सिद्धांतों को लागू करने में विफल रहा था। इससे पहले न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने चार अगस्त को एक अभूतपूर्व आदेश में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश को आपराधिक मामले न सौंपने का निर्देश दिया था। इसी पीठ ने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय का एक और आदेश है जिससे हम निराश हैं। न्यायमूर्ति पारदीवाला ने छह अगस्त के आदेश में कहा कि सबसे पहले विषय-वस्तु पर गौर करना बहुत जरूरी होता है। उसके बाद कोर्ट को संबंधित मुद्दे पर गौर करना चाहिए। न्यायालय ने कहा कि उच्च न्यायालय का आदेश कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण है तथा स्थापित न्यायशास्त्र के प्रति उपेक्षा दर्शाता है।

JPM GROUP OF INSTITUTIONS

Affiliated to Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly (MJPRU Code: 128)
Affiliated to SCERT, Lucknow (SCERT Code: 080004). Approved by NCTE, New Delhi
Affiliated to BTE, Lucknow (BTE Code: 2354) and Approved by PCI New Delhi (PCI Code: 5493)

JPM PG COLLEGE | JPM COLLEGE OF PHARMACY | JPM COLLEGE OF TEACHER'S TRAINING

Free Registration* - Upto 100% Scholarships

D.El.Ed. ₹20,000 Scholarship for All
B.El.Ed.
Upto ₹10,000 Scholarship for All
D.Pharma
B.Sc. (Bio. Tech) NEW COURSE
B.Sc. (Environmental Sc.) NEW COURSE
M.Sc. (Agriculture Hons)

ADMISSION OPEN
SESSION 2025-26

- B.Sc.(PCM/ZBC)
- B.Sc.(H.Sc.)
- BBA
- B.Com.
- M.Sc.(Chemistry/Zoology)
- M.Sc.(Human Dev.)
- BCA
- BA
- M.Sc. (H.Sc.)
- M.Sc. (Food & Nutrition)
- M.Com.
- MA
- M.Sc. (Ag) Agronomy / Animal Husbandry & Dairying / Agricultural Chemistry.
- B.Sc. (Agriculture Hons)

#T&C Apply.

100% Placement Assistance
For Eligible Candidate

Enquire Now
8899484668, 9149232322, 8057037500
www.jpmc.ac.in

Campus: Bhairpura Khajuria, Nainital Road, Bareilly (UP) 243202
City Office: City Heart Enclave, Opp. Model Town Gate, Stadium Road, Bareilly 243005 (UP)

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 8 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

केंद्र सरकार की विदेश नीति फेल : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि केन्द्र सरकार की विदेश नीति पूरी तरह से फेल है। जिस तरह से लगातार पाबंदिया लग रही हैं, उससे अर्थव्यवस्था संकट में है। देश संकट में हैं। भारत चौतरफा घिर गया है। सरकार को देश, किसानों और कारोबारियों के हितों के बारे में सोचना चाहिए। सपा प्रमुख बुधवार को संसद परिसर में मीडिया से बात कर रहे थे।

ट्रंप का भारत पर टैरिफ लगाना विश्वासघाती

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप का भारत पर टैरिफ लगाना विश्वासघाती व देश को कमजोर करने वाला है। उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट के जरिये कहा कि ब्रिक्स देश ब्राजील की तरह भारत पर 50 प्रतिशत का भारी भरकम टैरिफ (शुल्क) लगाकर अमेरिका ने भारत को आघात पहुंचाने का प्रयास किया है।

बाढ़ प्रभावित किसानों को तत्काल मुआवजा मिले

अमृत विचार, लखनऊ : राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने गुरुवार को जल संसाधन एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के प्रमुख सचिव अनिल गर्ग से भेंट की। उन्होंने प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे राहत कार्यों में तेजी लाने और किसानों को उनकी नष्ट हुई फसलों का उचित मुआवजा तत्काल देने की बात की।

अब गांवों में नामांतरण और संशोधन प्रक्रिया होगी आसान

यूपी कैबिनेट के फैसले : दस्तावेजों को अपडेट करने की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए उप्र. ग्रामीण आबादी अभिलेख विधेयक-2025 को मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्वामित्व योजना के तहत तैयार की गई घरौनियों में नामांतरण, संशोधन और अपडेट की प्रक्रिया को आसान बनाएगा विधेयक

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में गुरुवार को 19 प्रस्ताव रखे गए, इसमें से 18 पर मुहर लगाई गई। बैठक में कैबिनेट और राज्यमंत्री के साथ नव नियुक्त मुख्य सचिव एसपी गोयल भी शामिल हुए।

प्रमुख प्रस्तावों को हरी झंडी दिखाने के साथ उप्र. में बाढ़ के ताजा हालातों पर भी खास चर्चा की गई। प्रमुख प्रस्तावों को पारित करने के ही तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नामांतरण और संशोधन की प्रक्रिया को आसान बनाया गया है। ऐसे में कैबिनेट ने ग्रामीण आबादी के दस्तावेजों को अपडेट करने की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए उप्र. ग्रामीण आबादी अभिलेख विधेयक-2025 को मंजूरी दी है। यह विधेयक स्वामित्व योजना के तहत तैयार की गई घरौनियों (मालिकाना दस्तावेज) में नामांतरण, संशोधन और अपडेट की प्रक्रिया को आसान बनाएगा।

अब इससे वरासत, विक्रय, उपहार, वसीयत, नीलामी, अदालत के आदेश या पारिवारिक समझौते के आधार पर नाम बदलवाना आसान होगा। राजस्व निरीक्षक और तहसीलदार, नायब तहसीलदार को साफ-सुथरे मामलों में घरौनी अपडेट करने का अधिकार मिलेगा। लिपिकीय त्रुटि या मोबाइल नंबर-पते में सुधार के लिए भी अब आवेदन किया जा सकेगा। गौरतलब हो कि अब तक राज्य में 1.06 करोड़ से अधिक घरौनियां तैयार हो चुकी हैं, जिनमें से 1.01 करोड़ से अधिक का वितरण हो चुका है।

प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री योगी, साथ में दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक। अमृत विचार

तीन नए निजी विश्वविद्यालय खोलने को मंजूरी

अमृत विचार : राज्य में तीन नए निजी विश्वविद्यालय खोलने को मंजूरी दी गई। इसके तहत मुजफ्फरनगर में वेदान्ता विश्वविद्यालय, बाराबंकी में बोधिसत्व विश्वविद्यालय और मथुरा में केडी विश्वविद्यालय स्थापित किए जाएंगे। इस बाबत उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने जानकारी दी कि कैबिनेट बैठक में तीन नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना को भी सैद्धांतिक सहमति मिली है।

एडेड विद्यालय जनप्रतिनिधियों से ले सकेंगे मदद

अमृत विचार : उप्र. माध्यमिक एडेड विद्यालय अब जनप्रतिनिधियों से सीधी मदद ले सकेंगे। इस प्रस्ताव को मंत्रिमंडल ने हरी झंडी दिखायी है। दरअसल, अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों के जीर्णोद्धार, मरम्मत, पुनर्निर्माण, निर्माण व अवस्थापना सुविधाओं के लिए अब जनप्रतिनिधि, पूर्व छात्रों व सीएसआर फंड की भी मदद ली जा सकेगी। इस योजना के तहत होने वाले खर्च की 25 फीसदी राशि इनसे सहयोग में ली जा सकेगी।

महिला वाहिनियों के लिए खरीदे जाएंगे 82 वाहन

अमृत विचार : प्रदेश सरकार बदायूं, लखनऊ और गोरखपुर में महिला वाहिनियों का गठन करने जा रही है। इससे पहले मंत्रिमंडल ने बदायूं स्थित पीएसी की वीरांगना अवंतीबाई महिला वाहिनी के लिए 82 वाहनों को खरीदने के प्रस्ताव को हरी झंडी दिखायी है।

होर्डिंग व प्रचार को मिलेगा अब 15 वर्ष तक का ठेका

अमृत विचार : राज्य सरकार ने शहरों में आकाश चिह्न और विज्ञापन लगाने का लाइसेंस देने की व्यवस्था को बदला है। इसके लिए अब 15 वर्षों तक का ठेका दिया जाएगा। यह ठेका अभ तक केवल दो वर्ष के लिए मिलता था। व्यवस्था बदलने के लिए सरकार ने उप्र नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 305 में संशोधित कर दिया है। इससे संबंधित प्रस्ताव को कैनिबेट ने मंजूरी दे दी है।

केजीएमयू कार्यपरिषद में ओबीसी व एससी के होंगे सदस्य

अमृत विचार : कैबिनेट के एक निर्णय के अनुसार, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद में पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति अथवा जनजाति वर्ग का एक-एक प्रतिनिधि रखा जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के अधिनियम 2002 में संशोधन करते हुए धारा-24(1)(ए) शामिल की जाएगी। बदलाव संबंधी विधेयक को राज्य विधान मंडल के आगामी सत्र में रखने संबंधी प्रस्ताव को बुधवार को मंत्रिमंडल में मंजूरी दे दी गई है। केजीएमयू की कार्य परिषद में पिछड़े वर्ग और अनुसूचित जाति, जनजाति का प्रतिनिधि रखने की लंबे समय से मांग की जा रही है।

विधानसभा में पेश होगी सीएजी रिपोर्ट

अमृत विचार : 11 अगस्त से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण (ग्रेनो) में भूमि अर्जन एवं परिसंपत्तियों के आवंटन की भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा। इससे पहले राज्यपाल की अनुमति भी ली जानी है। साथ ही छठे राज्य वित्त आयोग (पंचायती राज और स्थानीय निकाय) की अंतरिम रिपोर्ट व राज्य सरकार की कार्यवाही ज्ञापन को भी सदन में पेश किया जाना है, मंत्रिमंडल ने प्रस्ताव परित किया है।

औद्योगिक भूखंडों की दर क्षेत्रवार तय लेदर फुटवियर नीति को भी मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : कैबिनेट ने प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से दो महत्वपूर्ण नीतियों को मंजूरी दी है। एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन मंत्री राकेश सचान ने बताया कि दोनों नीतियों से न केवल औद्योगिक आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी, बल्कि लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे। उप्र. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम औद्योगिक आस्थान प्रबंधन नीति के अंतर्गत अब औद्योगिक भूखंडों, शेडों का आवंटन लीज, रेंट के आधार पर ई-ऑक्शन से किया जाएगा।

भूखंडों की दर क्षेत्रवार तय की गई है, जिसमें पश्चिमांचल में 3000 रुपये, मध्यांचल में 2500 रुपये और पूर्वांचल, बुंदेलखंड में 2000 रुपये प्रति वर्गमीटर आरक्षित मूल्य रखा गया है। इसके साथ ही हर वर्ष 5 प्रतिशत की दर से मूल्य वृद्धि होगी। दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश फुटवियर, लेदर और नॉन-लेदर क्षेत्र विकास नीति-2025 को भी स्वीकृति दी गई है। इस नीति के जरिए निर्यात में बढ़ोतरी, तकनीकी उन्नयन, और रोजगार सृजन के लिए विशेष प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। कुशल श्रमिकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित होंगे। इस नीति से घरेलू और विदेशी निवेश को आकर्षित करने में मदद मिलेगी।

इसी क्रम में राज्य के 62 जिलों में असफल हो चुके 1750 सरकारी नलकूपों का पुनर्निर्माण किया जाएगा, जिससे लगभग 2.4 लाख लघु और सीमांत किसानों को लाभ मिलेगा।

12 करोड़ रुपये से होगा 60 लाख झंडों का वितरण

अमृत विचार : स्वतंत्रता दिवस 2025 के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में हर घर तिरंगा कार्यक्रम को भव्य रूप से आयोजित करने के लिए गुरुवार को मंत्रिपरिषद द्वारा नगर निकायों को राज्य वित्त आयोग की धनराशि से झंडों की व्यवस्था किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। यह कार्यक्रम 2 अगस्त से 15 अगस्त तक पूरे प्रदेश में संचालित किया जाएगा। इस विशेष अभियान के अंतर्गत शहरी गरीब क्षेत्रों में 60 लाख झंडों का नि:शुल्क वितरण किया जाएगा। इसके लिए 12 करोड़ रुपये की राशि राज्य वित्त आयोग की धनराशि से नगर निकायों को उपलब्ध कराई जा रही है। यह झंडे नगर विकास विभाग के अंतर्गत राज्य शहरी आजीविका मिशन से जुड़े स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जाएंगे, जिससे लगभग 29,000 महिलाओं को रोजगार मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा।

अभिषेक प्रकाश के करीबी निकांत जैन के पांच ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : यूपी इन्वेस्ट के पूर्व सीईओ व निलंबित आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश के करीबी निकांत जैन के पांच ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने गुरुवार को छापा मारा है। पांच ठिकानों में दो लखनऊ, मेरठ के घर व कार्यालय और एक नोएडा के ठिकानों पर टीम ने कार्रवाई की है। वहीं होटल रेग्रेंट के मालिक राजेंद्र बग्गा के घर पहुंची टीम ने छापा मारा। राजेंद्र बग्गा गोल्डन ब्लॉसम रिसॉर्ट के पार्टनर है। ईडी की टीम ने कई अहम दस्तावेज बरामद किये हैं।

औद्योगिक इकाई लगाने के लिए रिश्वत मामले में निलंबित चल रहे आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश के करीबी निकांत जैन के खिलाफ ईडी ने बड़ी कार्रवाई की। ईडी ने निकांत के परिचित व करीबी होटल मालिक राजेंद्र बग्गा के ठिकानों पर भी छापा मारा है। ईडी के चार-पांच अधिकारी व केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान गुरुवार को अचानक लखनऊ के निरालानगर स्थित होटल रेग्रेंट पहुंचे। यहां से कई दस्तावेज व पार्टी की बुकिंग के दस्तावेज कब्जे में लिए। ईडी के अनुसार निकांत और राजेंद्र बग्गा के साथ काफी बड़े लेनदेन हुए हैं। जिसके दस्तावेज भी ईडी को मिले। वहीं तीन टीम मेरठ और एक टीम नोएडा में छापा मारा। मेरठ के रेलवे रौड पर निकांत जैन का घर और पास में ही कार्यालय है।

छापेमारी के दौरान ईडी ने कई अहम दस्तावेज कब्जे में लिये हैं। ईडी यह पता कर रही है कि राजेंद्र के साथ किन मामलों में ये बड़े लेनदेन हुए हैं। राजेंद्र बग्गा अयोध्या हाईवे स्थित गोल्डन ब्लॉसम रिसार्ट में हिस्सेदार भी हैं। इस मामले में 20 मार्च को गोमती नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

जेल में है आरोपी, पांच खातों में करोड़ों के लेनदेन

निकांत जैन को रिश्वत मामले में 20 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। 65 दिन बाद जमानत मिली थी, लेकिन उसके खिलाफ एक और मामला दर्ज हो गया। जिसके कारण वह अभी जेल में हैं। प्रवर्तन निदेशालय की टीम गुरुवार सुबह केंद्रीय सुरक्षा बल के साथ विराम खंड स्थित निकांत जैन के घर और कार्यालय गयी। जहां काफी देर तक जांच की। इसके बाद वह तीन अन्य स्थानों पर भी गई। ईडी सूत्रों के मुताबिक निकांत के घर कई ऐसे दस्तावेज मिले हैं, जिसमें कई नई जानकारियां हैं। इससे पहले ईडी ने जब छापा मारा था तो ये दस्तावेज हाथ नहीं लगे थे। कुछ महीनों से इस प्रकरण में ईडी कोई कार्रवाई नहीं कर रही थी। ईडी के सूत्रों के मुताबिक दो दिन के अंदर निकांत जैन और उनके परिवारीजनों के पांच और खातों के बारे में जानकारी मिली थी। इन खातों में ही करोड़ों रुपये के लेनदेन किये गये थे। इसकी पुष्टि होने के बाद ईडी ने गुरुवार को कार्रवाई की।

- लखनऊ, मेरठ और नोएडा में ईडी ने की कार्रवाई

लखनऊ के गोमती नगर में विशाल खंड स्थित आवास पर छापेमारी के दौरान सुरक्षा में तैनात जवान।

आठवीं कक्षा के छात्र की पिटाई, थूक चाटने पर किया मजबूर

गोरखपुर,एजेंसी : गोरखपुर के चिलुआताल इलाके में आठवीं कक्षा के एक छात्र को उसके सहपाठियों ने कथित तौर पर लोहे की रॉड से पीटा और थूक चाटने पर मजबूर किया। पुलिस अधिकारियों ने यहां बताया कि 26 जुलाई को हुई इस घटना का वीडियो बुधवार शाम सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। पुलिस के अनुसार, पीड़ित और आरोपियों के बीच किसी बात को लेकर बहस हुई थी।

अपनी शिकायत में पीड़ित की मां ने दावा किया कि स्कूल के समय के बाद उसके 14 वर्षीय बेटे को खुटवा में एक सुनसान जगह पर ले जाया गया, जहां उस पर लोहे की रॉड से हमला किया गया और उसे अपमानित किया गया। शिकायत में महिला ने आरोप लगाया गया किआरोपियों ने छात्र को थूक कर चाटने पर मजबूर किया और किसी को बताने पर सार्वजनिक रूप से गोली मारने की धमकी दी। इस घटना से मेरा बेटा डर गया है और उसने तब से खुद को घर के अंदर बंद कर लिया है। आरोप है कि अभियुक्तों ने मारपीट का वीडियो रिकॉर्ड किया और उसे ऑनलाइन अपलोड कर दिया।

मंदिरों का सरकारी पोर्टल से होगा सजीव प्रसारण

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रसिद्ध मंदिरों को सरकारी पोर्टल से सजीव प्रसारण का बड़ा तोहफा देने जा रहे हैं। घर बैठे जिस भी मंदिर का चाहें, उसकी पूजा-परंपरा और आरती में हिस्सा ले सकते हैं। अयोध्या, काशी, मथुरा समेत हर जिले में धार्मिक स्थलों-तीर्थों और पीठों का कायाकल्प करने के बाद इस कदम से अर्थव्यवस्था को जहां नई ऊंचाई मिलेगी, वहीं लोगों को रोजगार भी मिलेगा। पोर्टल के लिए राज्यपाल ने एक करोड़ की अनुमन्य धनराशि में से 45.14 लाख की मंजूरी दी है। इसे विकसित करने का जिम्मा यूपी इलेक्ट्रानिक्स कार्पोरेशन लि. को दिया गया है।

गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ पिछले आठ साल से मुख्यमंत्री की कमान संभालने के बाद राज्य के आस्था और धार्मिक पर्यटन केंद्रों को खास महत्व देते आ रहे हैं। अयोध्या, काशी और मथुरा का कायाकल्प तो हुआ ही, पूरे प्रदेश में शहर से लेकर गांव-गांव तक के प्रसिद्ध मंदिरों-तीर्थों और सिद्ध पीठों पर अरबों रुपये खर्च करके चमकाया गया है। अब योगी सरकार सभी मंदिरों को एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित करने जा रही है। इसका नाम ऑनलाइन एकीकृत मंदिर सूचना प्रणाली (आईटीआईएमएस) पोर्टल रखा गया है। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर धर्मार्थ कार्य विभाग ने इसका डोमेन नाम (www.upitims.in) बीते 21 अप्रैल को ही सुरक्षित कर लिया था। सरकार के प्रस्ताव पर इस पोर्टल के लिए एक करोड़ रुपये की अनुमन्य धनराशि में से 45 लाख 14 हजार 574 रुपये की स्वीकृति राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने दे दी है। मंदिरों का संख्या हजारों में होने से पोर्टल की क्षमता आईजीआरएस से भी अधिक मजबूत की जा रही है।

- राज्यपाल ने दी एक करोड़ की अनुमन्य धनराशि में से 45.14 लाख की मंजूरी
- एक ही पोर्टल पर अयोध्या, काशी और मथुरा समेत प्रदेश के सभी मंदिर होंगे लाइव

न्यूज ब्रीफ

बिजली कर्मी आज से शुरू करेंगे अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : सार्वजनिक क्षेत्र में ऊर्जा क्षेत्र को बचाए रखने के लिए बिजली कर्मी 8 अगस्त से तिरंगा लेकर एक सप्ताह तक 'अंग्रेजो भारत छोड़ो' आंदोलन की तर्ज पर कॉरपोरेट सेक्टर सार्वजनिक क्षेत्र में पावर सेक्टर छोड़ो अभियान' चलाएंगे। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उप्र के आह्वान पर प्रदेश के सभी ऊर्जा निगमों के बिजली अभियंता व अवर अभियंता समेत अन्य कर्मचारी व संविदा कर्मी अभियान में शामिल होंगे।

ध्वजारोहण में शामिल होंगे यूपी के 33 ग्राम प्रधान

अमृत विचार, लखनऊ : 15 अगस्त को नई दिल्ली में लाल किले पर आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रदेश के 33 ग्राम प्रधानों को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। ये 33 ग्राम प्रधान उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से चुने गए हैं, जिन्होंने अपने पंचायत क्षेत्रों में योगी सरकार द्वारा संचालित योजनाओं जैसे, ग्रामीण विकास, स्वच्छता, महिला सशक्तीकरण, डिजिटल पंचायत सचिवालय, और सामुदायिक भागीदारी जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य किया है।

दो माह में ढहाए गए 130 अवैध मदरसा व मस्जिदें

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पिछले 60 दिनों में नेपाल सीमा से सटे जिलों में 130 अवैध मदरसा, मस्जिद और ईदगाहों के खिलाफ ताबड़तोड़ बुलडोजर की कार्रवाई हुई। अभियान के दौरान पीलीभीत, श्रावस्ती, बलरामपुर, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सिद्धार्थनगर और महराजगंज में अवैध निर्माण पर जमकर बुलडोजर गरजा।

शोध कार्यों को समाज तक पहुंचाएं विशेषज्ञ

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने निर्देश देते हुए कहा कि विशेषज्ञ उत्कृष्ट शोध कार्यों को समाज तक पहुंचाएं। राज्यपाल गुरुवार को राजभवन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद व विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रही थीं।

फर्जी मुकदमों में फंसा वसूली करने वाला वकील व सहयोगी गिरफ्तार

भाजपा नेता समेत कई हाई-प्रोफाइल लोगों को ब्लैकमेल करने का आरोप

कानपुर, एजेंसी

जिले में एक वकील और उसकी सहयोगी को जबरन वसूली गिरोह संचालित करने और एक भाजपा नेता समेत कई हाई-प्रोफाइल लोगों को ब्लैकमेल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) दीपेंद्र नाथ चौधरी ने गुरुवार को बताया कि वकील अखिलेश दुबे और उसकी सहयोगी लवी मिश्रा को बुधवार रात कानपुर पुलिस ने जबरन वसूली रैकेट का भंडाफोड़ करने और भू-माफियाओं से निपटने के लिए एक महीने तक चले ऑपरेशन महाकाल के तहत गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों पर धन ऐंठने के

लिए भाजपा नेता रवि सतीजा समेत कई लोगों को बलात्कार के झूठे मामले दर्ज कराकर फंसाने का आरोप है।

उन्होंने बताया कि भाजपा नेता रवि सतीजा ने सोमवार को दर्ज कराई गई प्राथमिकी में अधिवक्ता दुबे पर पिछले साल बर्रा थाने में उनके खिलाफ बलात्कार के फर्जी मामले की रिपोर्ट दर्ज कराने और मामला वापस लेने के लिए 50 लाख रुपये मांगने का आरोप लगाया है। चौधरी ने बताया कि प्राथमिकी एक नाबालिग लड़की ने दर्ज कराई थी, मगर वह बयान दर्ज कराने के लिए जांच दल के सामने कभी नहीं आई। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप पुलिस ने मामले में अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर दी थी। उन्होंने बताया कि पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मामले की पड़ताल की, तो बलात्कार के आरोप झूठे पाये गये।

चौधरी ने बताया कि पुलिस ने दुबे को किदवई नगर स्थित उसके आवास से उसकी सहयोगी लवी मिश्रा के साथ पूछताछ के लिए हिरासत में लिया और छह घंटे की पूछताछ के दौरान अपने बचाव में कोई सुबूत पेश नहीं कर पाने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने जबरन वसूली रैकेट में कथित रूप से शामिल निशा कुमारी, गीता कुमारी, विमल यादव, अभिषेक बाजपेयी, शैलेंद्र यादव उर्फ टोनू यादव और कई अन्य लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। चौधरी ने संवाददाताओं को बताया कि सीतापुर से भाजपा सांसद अशोक कुमार रावत ने पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर फर्जी आपराधिक मामलों के जरिए पैसे वसूलने के लिए कानूनी प्रावधानों का दुरुपयोग करने वाले व्यक्तियों के बढ़ते नेटवर्क के बारे में बताया था। सांसद के पत्र का संज्ञान लेते हुए गत तीन मार्च को एसआईटी का गठन किया गया था।

आगरा में गुरुवार को मिस टीन अर्थ 2025 की फाइनलिस्ट ताजमहल की सैर के दौरान तस्वीर खिंचवाती हुईं। इन सुंदरियों ने 2 घंटे तक ताज का दीदार किया और अलग-अलग अंदाज में फोटो-वीडियो भी शूट कराए। अधिकतर सुंदरियों ने टूरिस्ट गाइड से ताजमहल घूमने के दौरान ताजमहल के बनने के पीछे की कहानी भी जानी। • एजेंसी

मिस टीन अर्थ 2025 की प्रतिभागी सुंदरियां ताजमहल की खूबसूरती से हुईं मंत्रमुग्ध

आगरा, एजेंसी

मिस टीन अर्थ 2025 प्रतियोगिता के अंतिम दौर में जगह बनाने वाली प्रतिभागी गुरुवार को उस समय मंत्रमुग्ध हो गईं जब उन्होंने प्रतिष्ठित ताजमहल का दीदार किया।

उन्होंने ताजमहल की भव्यता की प्रशंसा की और इस अनुभव को अविस्मरणीय बताया। 11 देशों स्पेन, मेक्सिको, फिलीपींस, भारत, नेपाल, नीदरलैंड, वियतनाम, कनाडा, कंबोडिया, क्यूबा और श्रीलंका के प्रतिभागियों ने लगभग दो घंटे इस अद्भुत वास्तुशिल्पीय इमारत को निहारा। इस समूह में सोफिया लोरेंटे (स्पेन), जोहाना गोंजालेज (मेक्सिको), मेरिडिथ बोबाडिला (फिलीपींस), खुशी यादव (भारत), प्रिंसेस मल्ला (नेपाल), ज़ांथे विट (नीदरलैंड), लिन्ह (वियतनाम), मिशा (कनाडा), लीखेना (कंबोडिया), लीह रेयास (क्यूबा), और माविथी पुंसरानी (श्रीलंका) शामिल थीं। मिस टीन अर्थ इंडिया के अंतिम दौर में पहुंची खुशी यादव ने कहा कि ताजमहल मेरी उम्मीद से भी ज़्यादा खूबसूरत है। इसे देखने से मुझे बहुत खुशी मिली है और यह एक ऐसा अनुभव है जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगी। मिस टीन अर्थ टीम के जनसंपर्क अधिकारी सर्वेश कश्यप ने बताया कि प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले नौ अगस्त को जयपुर में होगा।

कहा कि ये प्रतियोगी अपने-अपने देशों की राष्ट्रीय विजेता हैं और पूरी टीम ने आज अपने सांस्कृतिक दौरे के तहत ताजमहल का दीदार किया। प्रतियोगियों को जटिल नक्काशी और स्मारक के सफ़ेद संगमरमर के वैभव को निहारते, तस्वीरें खींचते और उस ऐतिहासिक सुंदरता में डूबते हुए देखा जो दुनिया भर के लाखों लोगों को आज भी विस्मित करती है।

बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश के खिलाफ एक और याचिका दाखिल

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट में वृंदावन स्थित ऐतिहासिक श्री बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लाए गए "बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025" की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए एक अन्य याचिका दाखिल की गई है।

यह याचिका पीठासीन देवता श्री बांके बिहारी की ओर से शेबैत ज्ञानेंद्र गोस्वामी और रसिक राज गोस्वामी तथा हरिदासी संप्रदाय के सखी संप्रदाय के सदस्यों द्वारा दाखिल की गई है। याचियों का कहना है कि यह अध्यादेश मंदिर की परंपरागत सेवा-पूजा प्रणाली और वंशानुगत

प्रबंधन प्रणाली में हस्तक्षेप करता है। याचिका में तर्क दिया गया है कि मंदिर एक निजी धार्मिक संस्थान है, जिसकी स्थापना 16वीं शताब्दी में स्वामी जगन्नाथ ने की थी। ट्रस्ट के नाम पर मंदिर की संपत्ति को राज्य एजेंटों को सौंपने की मंशा धर्मनिरपेक्षता की संवैधानिक भावना के विरुद्ध है।

मंदिर के प्रशासन और प्रबंधन में सरकार के हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है, बल्कि वर्तमान शेबैत/गोस्वामी वंशज अपनी- अपनी बारी के अनुसार प्रबंधन और प्रशासन संभाल लेंगे। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ के समक्ष गुरुवार को हुई।

याचिका पर सुनवाई के दौरान अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि इसी मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में भी एक याचिका लंबित है, जिस पर शुक्रवार को सुनवाई प्रस्तावित है। वर्तमान मामले में याचियों ने अध्यादेश को असंवैधानिक घोषित करने और सरकार को मंदिर के प्रशासन में हस्तक्षेप से रोकने की मांग की है। मौजूदा याचिका की अगली सुनवाई आगामी 20 अगस्त को सुनिश्चित की गई है।

राघवेंद्र हत्याकांड के दो शूटर हरदोई बार्डर पर मुठभेड़ में ढेर

सीतापुर, अमृत विचार : पत्रकार राघवेंद्र वाजपेई की हत्या में वांछित शूटर एसटीएफ के हत्थे चढ़े और हरदोई बॉर्डर पर मुठभेड़ में मारे गए। पिसावां इलाके में हुई संयुक्त कार्रवाई में बदमाशों के कब्जे से कार्बाइन, पिस्टल, असलहे और भारी संख्या में कारतूसें बरामद हुईं। पांच माह से वांछित चल रहे दोनों शूटरों पर एक-एक लाख का इनाम घोषित था।

बीती 8 मार्च को महोली कोतवाली क्षेत्र में हेमपुर नेरी ओवरब्रिज पर राघवेंद्र वाजपेई की पांच गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने वारदात में शामिल आध्यात्मिक गुरु शिवानंद उर्फ विकास राठौर, इमलिया सुल्तानपुर के निर्मल सिंह और असलम गाजी को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

बहनों के साथ एक सहयात्री को भी मुफ्त यात्रा की सुविधा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर परिवहन निगम समेत सभी सिटी बसों में रक्षाबंधन पर बहनों-माताओं के साथ एक सहयात्री को भी तीन दिन मुफ्त यात्रा की सुविधा रहेगी। यह आदेश परिवहन विभाग और नगर विकास विभाग की ओर से जारी कर दिए गए हैं।

परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के आदेश पर रक्षाबंधन पर्व पर यूपीएसआरटीसी द्वारा संचालित समस्त श्रेणी की बसों में माताओं, बहनों एवं बेटियों को एक सहयात्री के साथ मुफ्त यात्रा की सुविधा मुहैया कराई जाएगी। यह सुविधा 8 अगस्त को सुबह छह बजे से 10 अगस्त की रात्रि 12 बजे तक उपलब्ध रहेगी। यह सुविधा प्रदेश के विभिन्न शहरों में संचालित सिटी बसों पर भी लागू होगी।

स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश

वाराणसी, एजेंसी

• **रामचरितमानस पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का है आरोप**

वाराणसी की एक अदालत ने गोस्वामी तुलसीदास और हिंदू महाकाव्य रामचरितमानस के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में गुरुवार को प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया।

सांसद-विधायक अदालत के न्यायाधीश नीरज कुमार ने अधिवक्ता अशोक कुमार की याचिका पर यह आदेश दिया।

अदालत ने पुलिस को तत्कालीन दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 156(3) के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ता के अनुसार, स्वामी प्रसाद मौर्य ने 22 जनवरी, 2023 को एक समाचार चैनल को दिए

साक्षात्कार में रामचरितमानस के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करते हुए कहा था कि न तो मैं और न ही करोड़ों अन्य लोग इसे पढ़ते हैं। यह सब बकवास है। याचिकाकर्ता के अनुसार मौर्य ने कहा था कि तुलसीदास ने आत्म संतुष्टि के लिए रामचरितमानस लिखी थी। शिकायत के अनुसार मौर्य ने कहा था कि सरकार या तो रामचरितमानस के कथित आपत्तिजनक अंशों को हटा दे या पूरी पुस्तक पर प्रतिबंध लगा दे।

अधिवक्ता अशोक कुमार ने कहा कि उन्होंने शुरुआत में मौर्य के खिलाफ एक याचिका दायर की थी, जिसे अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने खारिज कर दिया था। कुमार ने कहा कि इसके बाद उन्होंने एक और याचिका दायर की, जिस पर सुनवाई के बाद अदालत ने कैंट पुलिस को उचित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज करने और आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

उत्तराखंड में जिपं अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का चुनाव 14 को

देहरादून, अमृत विचार : उत्तराखंड में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जिला पंचायत (जिपं) अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव संपन्न हो जाएंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने जिला पंचायत के दोनों पदों के चुनाव की अधिसूचना गुरुवार को जारी कर दी है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार ने जारी अधिसूचना में बताया कि राज्य के सभी 12 जिलों (हरिद्वार को छोड़कर) में जिला पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के लिए चुनाव कार्यक्रम निर्धारित कर दिया गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के लिए 11 अगस्त को सुबह 11:00 से दोपहर 3:00 बजे तक नामांकन होगा। 11 अगस्त को ही दोपहर 3:30 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच होगी। 12 अगस्त को सुबह 10:00 से दोपहर 2:00 बजे तक नाम वापसी होंगे। 14 अगस्त को सुबह 10:00 से दोपहर 3:00 बजे तक अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष दोनों पदों के लिए मतदान होगा। मतदान समाप्ति के तत्काल बाद मतगणना होगी और परिणाम घोषित किए जाएंगे।

5 प्रस्तावों को यूनिक आईडी स्वीकृत

लखनऊ, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स नीति के तहत लॉजिस्टिक्स परियोजना के पांच निवेश प्रस्तावों को यूनिक आईडी स्वीकृत की गई है। इनमें प्रमुख रूप से शामिल कंपनियों में लखनऊ के सरोजनीनगर स्थित प्राइम शिफ्ट लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड, गाजियाबाद के मोदीनगर में इंटास फार्मास्यूटिकल्स व एसपी लॉजिस्टिक्स, रामपुर के बिलासपुर में दिल्ली इंटरनेशनल कार्गो टर्मिनल व गौतमबुद्धनगर के ग्रेटर नोएडा में फेयर एक्सपोर्ट्स शामिल हैं। इन कंपनियों की ओर से संयुक्त रूप से लगभग 400 करोड़ का पूंजी निवेश प्रस्तावित है। ये परियोजनाएं कुल 523.86 एकड़ भूमि पर विकसित की जाएंगी।

उच्च शिक्षा अधिकारी कार्यालय होंगे स्थापित

लखनऊ, अमृत विचार: राज्य सरकार ने प्रदेश के 10 मंडलों अलीगढ़, आजमगढ़, प्रयागराज, चित्रकूट, देवीपाटन, अयोध्या, बस्ती, विंध्याचल, मुरादाबाद और सहारनपुर में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी कार्यालयों की स्थापना को स्वीकृति दे दी है।

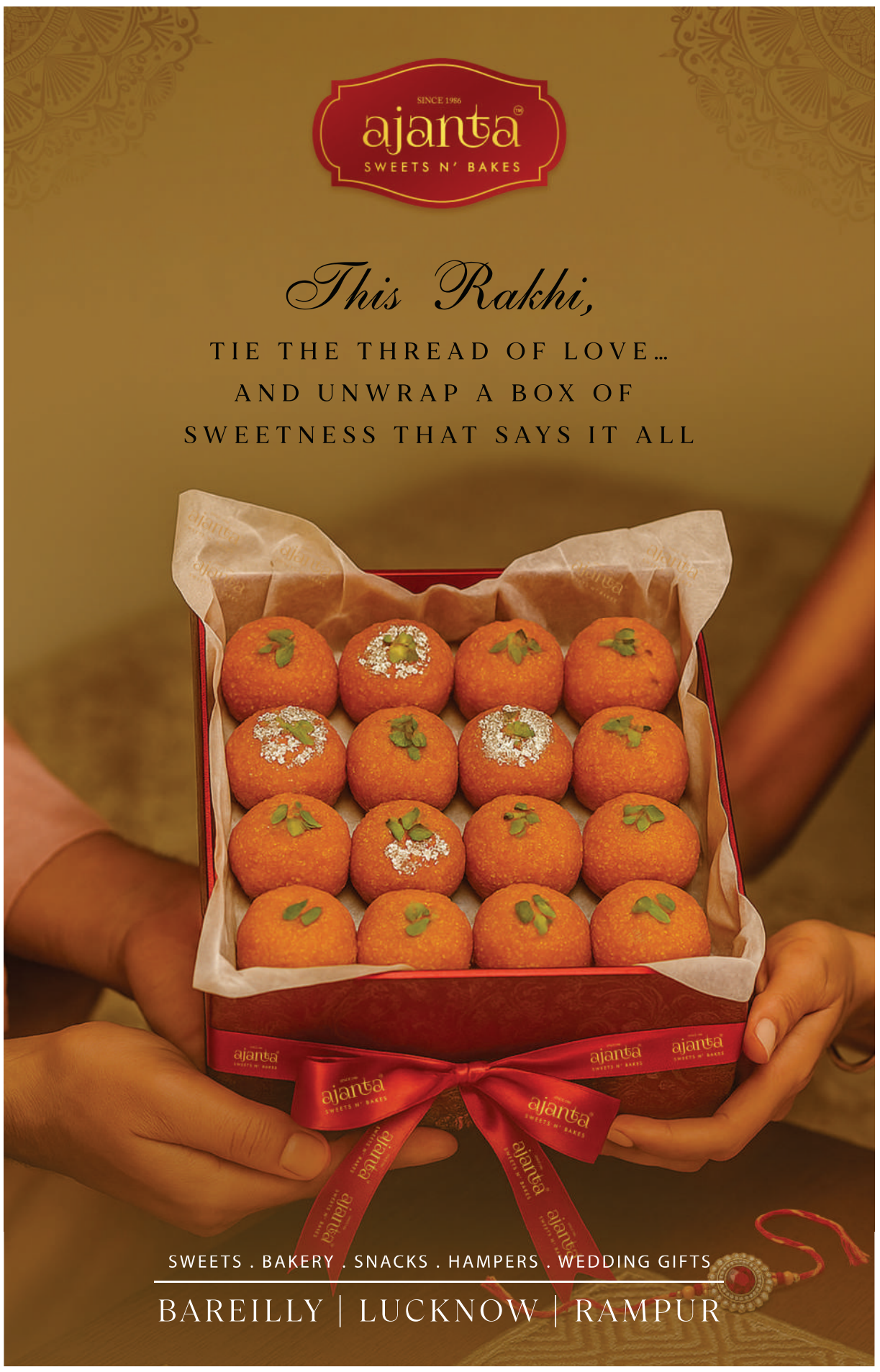

उत्तरकाशी में युद्धस्तर पर बचाव अभियान जारी

संवाददाता, उत्तरकाशी/देहरादून

अमृत विचार: उत्तरकाशी के धराली-हर्षिल क्षेत्र में आई प्राकृतिक आपदा के बाद गुरुवार को मौसम ने पूरा साथ दिया। राहत और बचाव कार्य भी युद्धस्तर पर चलते रहे। सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन ने बताया कि हर्षिल से 367 यात्रियों को हेली सेवाओं द्वारा विभिन्न स्थानों पर पहुंचाया गया।

16 लापता लोगों की तलाश है। ऑपरेशन में दो चिनूक, दो एमआई-17, यूकाडा के 8 हेलीकॉप्टर, सेना के एएलएच व चीता हेलीकॉप्टर लगाए गए हैं। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में बिजली और संचार व्यवस्था को बहाल किया जा रहा है। क्षेत्रों में सेना, वायुसेना, आईटीबीपी,

रेस्क्यू ऑपरेशन चलाते सेना के जवान।

• **हर्षिल से 367 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया**

एनडीआरएफ, पुलिस-प्रशासन, एसडीआरएफ और अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी नेतृत्व में गुरुवार को रेस्क्यू ऑपरेशन चलता रहा। प्रभावित क्षेत्रों में फंसे लोगों तक राहत सामग्री, पेयजल, दवाइयां एवं खाद्यान्न हेलीकॉप्टर के माध्यम से पहुंचाए जा रहे हैं। सीएम ने कहा कि, सरकार की प्राथमिकता है कि प्रत्येक नागरिक की जान की सुरक्षा, त्वरित चिकित्सकीय सहायता और आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित हो। एसडीआरएफ की टीमें निरंतर जोखिम उठाकर पहाड़ी और कठिन क्षेत्रों में भी पहुंच बना रही हैं, जिससे हर जरूरतमंद व्यक्ति तक राहत समय पर पहुंच सके। सरकार आपदा की इस घड़ी में प्रत्येक प्रभावित नागरिक के साथ खड़ी है और राहत, बचाव एवं पुनर्वास को प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक कदम तेजी से उठा रही है।

उत्तरकाशी में सीएम ने रेस्क्यू करके लाए गए लोगों से मुलाकात कर उनका हाल चाल जाना और ढांढस बंधाया। दो दिन में धराली में ही कैंप कर रहे सीएम ने राहत और बचाव कार्यों की मॉनिटरिंग करने के साथ ही दिशा निर्देश दिए। उत्तरकाशी अस्पताल में भर्ती आपदा प्रभावितों से मिलने पहुंचे।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 8 अगस्त 2025

बरेली देहात

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI

कैंसर लाइलाज नहीं है
A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING

24 घण्टे आई.सी.यू./ इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
Contact Us:-
9311198889
9045599027
Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

बरसात का पानी रोकने को कहने पर की मारपीट

पथराव कर तोड़ा दरवाजा, पुलिस ने किया पथराव से इंकार

संवाददाता, फरीदपुर

मकान पर पथराव करते युवक। ● अमृत विचार

- पुलिस ने शांति भंग में रिपोर्ट दर्ज कर की कार्रवाई
- पीड़ित का आरोप, थाने से दी जमानत, एसएसपी से मिलेंगे

अमृत विचार : पड़ोसी की छत का बरसात का पानी अपनी छत पर आने से रोकने के लिए चार बेटों के साथ मारपीट और पथराव करने का मामला सामने आया है। इस मारपीट में परिवार के आठ लोगों को गुम चोटें आई हैं। मामले की शांति भंग में रिपोर्ट दर्ज हुई तो थाने से जमानत पर छूटने पर आरोपियों ने दोबारा घर पर आकर गाली गलौज औरजान से मारने की धमकी दी है।

मेहतरपुर तेजा सिंह गांव निवासी मुन्ने के घर पर पड़ोसी फिरोज की छत का पानी आता था। इसे रोकने के लिए कहने पर फिरोज ने अपने चार बेटों के साथ मिलकर मुन्ने से मारपीट और जान से मारने कीधमकी दी। गांव वालों के समझाने पर मुन्ने ने पुलिस में शिकायत नहीं की। अगले हीदिन सभी ने एक रायहोकर गालियां देने लगे और विरोध करने पर लाठी और धारदार हथियार निकाल कर मुन्ने में घर में घुस गये। वहां दिन दबंगों ने रणनीति बनाते हुए अपने बेटों को बुलाकर एकराय होकर अगले दिन गंदी - गंदी गालियां देते हुए पथराव किया और लाठी डंडों के साथ घर में घुसकर मुन्ने उसके पुत्र इमरान व बेटी सैलून, नगमा, नगीना, सबीना, सायना, सायदा और पत्नी समीन को बुरी तरह पीटकर घायल कर घर का दरवाजा भी तोड़ दिया। गांव में मारपीट और पथराव की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों का सीएचसी भेजकर इलाज कराया। मुन्ने की तहरीर पर पुलिस ने फिरोज और जिशान, अजीम,सईम,फईम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरु कर दी है। पीड़ित परिवार ने बताया कि पुलिस ने शांति भंग की कार्यवाही करते हुए जमानत दे दी आरोपियों ने गांव पहुंच कर फिर से से घर के दरवाजे पर आकर गालियां दी और धमकी की कि अब वह कुछ भी करे उनके खिलाफ मुकदमा तो दर्ज हो ही चुका है। प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम ने बताया कि आपस में झगड़ा मारपीट हुई है जिसका मुकदमा पजीकृत है पुलिस करवाई कर रही है पथराव की बात झूठी है।

पेड़ पर लटकता हुआ मिला मजदूर का शव

रिठौरा,अमृत विचार : हाफिजगंज के गांव कुंवरपुर बंजरिया में गुरुवार को सुबह खेत पर गये विनोद कश्यप (40) का शव पेड़ पर गमछे से लटकता हुआ मिला जिसके चलते परिवार में कोहराम मच गया। घर वालों के अनुसार ने गांव के ही लोगों पर मारकर लटकाने का आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार विनोद कश्यप खेती-बाड़ी के साथ-साथ मजदूरी का भी काम करके परिवार चलाता था। परिवार में पत्नी सुनीता,तीन बेटे दो बेटियों के अलावा पिता लोचन कश्यप ,मां लौंगश्री के साथ रहता था। गांव का ही एक व्यक्ति खेत के पौधे तोड़ देता था। एक दिन रंगेहाथ पकड़ेजाने पर उसकी पिटाई कर दी। गांव में पंचायत के बाद मामला सुलझा दिया गया। लेकिन आरोपी रंजिश मानने लगे। इसी सेउसकी हत्या कर शव लटका दिया गया।

किशोरी से की छेड़खानी वीडियो किया वायरल

संवाददाता, भोजीपुरा

- पिता के पास पहुंच गई क्लिप पुलिस ने दो को किया गिरफ्तार

अमृतविचार : दुकान मालिक के पुत्र ने अपने दो दोस्तो के साथ मिलकर दुकानदार की बेटी के साथ घर में ले जाकर छेड़खानी की। घटना की पीड़ित किशोरी के पिता की तहरीर पर पुलिस ने तीनों किशोरों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है।

भोजीपुरा थाना क्षेत्र के क़स्बा निवासी एक व्यक्ति किराए पर दुकान लेकर कपड़ों व नकाब की दुकान चलाता है। 3 अगस्त को वह कहीं बाहर गया था। दुकान पर उसकी 14 वर्षीय बेटी कपड़ा बेच रही थी। तभी दुकान मालिक का बेटा और उसका दोस्त किशोरी को घर में ले गए। घर में ले जाकर उसके साथ छेड़खानी करने लगे। तभी इन किशोरों का तीसरा दोस्त भी आ गया। उसने छेड़खानी करते हुए अपने मोबाइल फोन से वीडियो बना ली।

इसके बाद उसने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। यह वीडियो किशोरी के पिता के मोबाइल पर पहुंच गई। तब किशोरी के पिता ने किशोरी से घटना के संबंध में जानकारी ली। बुधवार को किशोरी के पिता ने भोजीपुरा प्रभारी निरीक्षक को तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर आधार पर तीनों किशोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है। वीडियो वायरल करने वाला आरोपी फरार है। प्रभारी निरीक्षक भोजीपुरा प्रवीन सोलंकी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है,तीसरे की तलाश की जा रही है।

एसडीएम बनीं इशिता किशोर ने संभाला पदभार

इशिता किशोर।

मीरगंज, अमृत विचार: भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी इशिता किशोर को मीरगंज का नया उपजिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। वे पहले बरेली में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के पद पर कार्यरत थीं। गुरुवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर उन्होंने पदभार ग्रहण किया। मीरगंज में उपजिलाधिकारी पद की जिम्मेदारी मिलने पर क्षेत्र में प्रशासनिक सख्ती और पारदर्शिता की उम्मीद जताई जा रही है। इससे पूर्व एसडीएम मीरगंज तृप्ति गुप्ता को अब बहेड़ी में उप जिलाधिकारी (न्यायिक) के पद की जिम्मेदारी सौपी गई। उन्होंने भी बहेड़ी पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। एसडीएम बनने पर क्षेत्रीय नेताओं, आदि ने उन्हें बुके देकर बधाई दी।

जमीन पर कब्जे को लेकर दंपती पर हमला, रिपोर्ट

संवाददाता, नवाबगंज

- पुलिस ने तहरीर के आधार पर डाक्टर दंपती पर दर्ज की रिपोर्ट

अमृत विचार : हाईवे स्थित एक भूखंड पर कब्जे को लेकर एक चिकित्सक दम्पति ने अपने साथियों के साथ मिलकर भूखंड के दूसरे साझेदार दंपती पर हमला कर घायल कर दिया । आहत पक्ष की ओर से आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

हाईवे पर ग्राम हरदुआ के रकबे में नगर निवासी नवल किशोर के पुत्र रामप्रकाश व डा. दिनेश गंगवार अपने समर्थकों अर्चना गंगवार की भूमि है । दोनो पक्षों के बीच बटवारे को लेकर विवाद चल रहा है । कुछ दिन पूर्व ही दोनों पक्षों के बीच हुए विवाद पर पुलिस ने शान्ति भंग की कार्यवाही करते हुए भूमि के विधिक बंटवारे तक यथा स्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए थे । आरोप है विधिक बंटवारा होने से पूर्व ही डा. दिनेश गंगवार, दुष्यंत तथा चौकीदार के साथ मिलकर विवादित स्थल पर जबरन निर्माण करने लगे जिसकी सूचना पर पत्नी बबिता गुप्ता के साथ पहुंचे रामप्रकाश गुप्ता ने जब इसका विरोध किया तो चिकित्सक व उसके समर्थकों ने इन पर हमला कर दिया और ईंट मारकर घायल कर दिया तथा राहगीरों के आते देख जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए ।

मारपीट से घायल दंपती थाने पहुंचे।

रामप्रकाश की तहरीर पर पुलिस ने डा. दिनेश गंगवार , अर्चना गंगवार, दुष्यन्त, चौकीदार व तीन - चार अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की हैं ।

देवाह नदी का पानी बढ़ने से ग्रामीण चिंतित

क्योलडिया ,अमृत विचार भदपुरा ब्लॉक की सीमा पर बह रही देवाह नदी में नानक सागर बांध से 21 हजार क्यूसिक पानी छोड़े जाने के बाद ग्रामीण भयभीत हैं।

नदी में बढ़ते जलस्तर के कारण इसके तट पर बसे गांव बाहर जागीर, अब्दला, बडेपुरा, अमीर नगर, गुलडायाई , जरपा मोहनपुर ,नौगमा भगवंतपुर, आदि ग्रामों के ग्रामीणों को बाढ़ का खतरा बढने लगा है। इसको लेकर गांव के लोगों की चिंता बढ़ती जा रही है और गांव वाले भयभीत हैं। प्रशासन द्वारा नदी के तट पर बसे ग्रामीणों को अलर्ट जारी कर दिया गया है देवाह नदी के बढ़ते जल स्तर के कारण गांव वाले भयभीत हैं। उन्होंने राहत की मांग की है।

ई-पॉस मशीनों में गड़बड़ी,ज्ञापन

संवाददाता, आंवला

तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते कोटेदार। ● अमृत विचार

अमृत विचार : रामनगर ब्लॉक के कोटेदारों ने विजनटेक कंपनी के कर्मियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए आंवला तहसील कार्यालय में तहसीलदार बृजेश कुमार वर्मा को ज्ञापन सौंपा। सस्ता गल्ला विक्रेता परिषद की ओर से दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि ई-पॉस मशीनों में तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं और कंपनी के इंजीनियर मशीन ठीक करने के बदले रिश्वत मांगते हैं। कंपनी प्रबंधक ने आरोपों को निराधार बताया है।

कोटेदारों का आरोप है कि मशीन में जरूरी पेपर रोल भी कंपनी द्वारा नहीं दिया जा रहा, जिससे राशन वितरण में परेशानी हो रही है। शिकायत करने पर कंपनी अधिकारी अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं और जबरन मशीनें बरेली या आंवला लेकर आने का दबाव बनाते हैं।

ज्ञापन में राजेश कुमार, महेन्द्र पाल, शिवम चौहान, मिथलेश कुमारी, रूपवती, तारावती, भागीरथ, राकेश कुमार, नरेशपाल, नीलम यादव, अनूप कुमार सिंह, रामपाल, विवेक प्रताप सिंह, राजेन्द्र पाल, वीना कुमारी, शांती देवी आदि कोटेदारों ने कंपनी कर्मचारियों की जांच व कार्रवाई की मांग की है।

कंपनी के जिला प्रबंधक अरुण सक्सेना ने बताया कि एक कोटेदार ने केबल बदलने को फोन किया था। उनसे ब्लॉक पर तैनात कर्मी से केबल बदलवा लेने को कह दिया था। परंतु वह केबल दुकान पर पहुंचाने की जिद कर रहे थे। इस बात से नाराज होकर उन्होंने अन्य कोटेदारों को एकत्रित कर निराधार आरोप लगाए हैं।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा ने की बैठक

मीरगंज, अमृत विचार: गुरुवार को ब्लॉक सभागार में हर घर तिरंगा के तहत भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के बीच हुई मीटिंग हुई। हर घर तिरंगा अभियान को लेकर मंडल की रूपरेखा तैयार की गई।

इस दौरान मुख्य वक्ता एवं जिला उपाध्यक्ष अजय सक्सेना, ब्लॉक प्रमुख गोपाल कृष्ण गंगवार, मंडल अध्यक्ष अजयवीर सिंह, तेजपाल फौजी, अल्फू बाबू गुप्ता, ओमपाल गंगवार, गीता गुप्ता,गीता गुप्ता, क्रांति सिंह, प्रिंसी चौहान, सत्यवीर गंगवार, विकास शर्मा, अमरनाथ गुप्ता, अभिषेक उर्फ जग्गू कुर्मी, हरीश लोधी, आनंदमोहन , यशवंत चौधरी व सभी शक्ति केन्द्र संयोजक बूथ अध्यक्षगण आदि उपस्थित रहे।

पंजाब में हुई कहासुनी, गांव आकर महिला को पीटा

संवाददाता, हाफ़िज़गंज

- पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों पर दर्ज की रिपोर्ट

अमृत विचार : ग्राम हरहरपुर मटकली निवासी दो युवकों में पंजाब में रुपयों के लेनदेन को लेकर हुई कहासुनी के बाद घर आने पर एक युवक ने परिजन के साथ मिलकर दूसरे युवक के घर पर धावा बोल दिया। विरोध करने पर महिला को घर से खींचकर जमकर पीट दिया जिससे महिला चोटिल हो गई। मामले की रिपोर्ट दर्ज हो गई है।

हरहरपुर मटकली निवासी शफ़ीक़ अहमद की पत्नी इरम ने बताया कि देवर सलीम और विपक्षी उवैस पंजाब में रहकर मजदूरी करते हैं। पंजाब में सलीम ने उवैस से अपने रूपये मांगे जिसपर दोनों में कहासुनी हो गयी थी। मामला वहीं शांत हो गया लेकिन उवैस ने मन में यह रखे रही और गांव आने पर मंगलवार को उवैस के साथ उसके पिता ज़हीर, निशा, फूलन उसके घर के सामने हंगामा करने लगे। इरम ने घर के सामने हंगामा करने का विरोध किया तो उन लोगों ने इरम को हाथ पकड कर घर के बाहर खींच लिया और डंडों से पीटकर उसे गंभीर घायल कर दिया। मामले से आहत और चोटिल पीड़िता की तहरीर पर कोतवाल पवन सिंह ने मुक़दमा दर्ज करवाकर आरोपियों की गिरफ्तारी को पुलिस टीम भेजी।

Lifelines OF BAREILLY
MEDICAL
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

FOCUS नेत्रालय
RAJENDRA NAGAR, BAREILLY 731-098-7005

DR. KANUPRIYA AGARWAL
Fellow- Shroff Eye Hospital, New Delhi
Ex. Safdarjung Hospital, New Delhi

"ARTIFICIAL INTELLIGENCE" ASSISTED EYE SURGERIES

ALL MAJOR INSURANCE ACCEPTED
AYUSHMAN / ECHS / CGHS / TPA EMPANELLED

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जाँच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80773443353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध

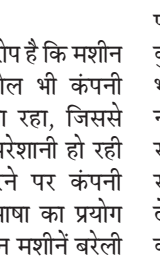

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

प्रतियोगिता में इरम, सुहानी बनीं विजेता

नवाबगंज,अमृत विचार गंगाशील महाविद्यालय, फैजुल्लापुर में स्वतंत्रता दिवस और रक्षाबंधन के लिए तिरंगा राखी मेकिंग, तिरंगा मेकिंग और तिरंगा रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं 1 जिसमें छात्र- छात्राओं ने मनोयोग और उत्साह से प्रतिभाग लिया । छात्रों ने तिरंगा राखी को फूल, मोती, रंगीन धागों, कढ़ाई इत्यादि से सुसज्जित किया । साथ ही तिरंगा रंगोली द्वारा छात्रों ने स्वतंत्रता दिवस का स्वागत किया 1

राखी प्रतियोगिता में इरम, तिरंगा मेकिंग में इल्मा एवं रंगोली में सुहानी, सलोनी, गुलनाज़ और श्रद्धा विजयी रहे । महाविद्यालय की प्रबंध निदेशिका डा. शशिबाला राठी, निदेशक डॉ. दुरेश चन्द एवं प्राचार्या डॉ. सीमा चतुर्वेदी ने रंगोली की सराहना की। प्रबध निदेशिका ने छात्राओं को उज्जवल भविष्य कीकामना की और निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का आयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य चितवन रानी एवं चित्रकला विभाग की सहायक आचार्य सुश्री प्रीतिका गुप्ता द्वारा किया गया 1 कार्यक्रम में डॉ. शिल्पा जैन, मिथिलेश कुमारी, शाबीन एवं राजकुमार का विशेष सहयोग रहा ।

सिटी डायरी

एमएसडीसी के गठन की जानकारी शिक्षकों - अभिभावकों को दी

क्योलड़िया, अमृत विचार : उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्योलडिया में दो दिवसीय स्कूल प्रबंधन एवं विकास समिति का प्रशिक्षण हुआ । जिसका शुभारंभ प्रधान अध्यापिका डॉ नीतू सक्सेना एवं मास्टर ट्रेनर डा. राजेश कुमार सक्सेना एवं ममता कुलपद ने किया। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा एसएमडीसी के गठन एवं उसकी कार्यकारिणी के विषय में अध्यापकों एवं अभिभावकों को जानकारी दी। प्रशिक्षण में राजकीय हाई स्कूल क्योलडिया, राजकीय हाई स्कूल मोहम्मदपुर, राजकीय हाई स्कूल ज्योति जागीर एवं दीनदयाल उपाध्याय इण्टर कॉलेज के अभिभावकों ने भाग लिया।

सीएमओ ने भोजीपुरा में किया जन औषधि केंद्र का उद्घाटन

भोजीपुरा, अमृत विचार : सीएचसी पर मुख्य चिकित्साधिकारी डा .विश्राम सिंह ने प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र का फीता काटकर उदघाटन किया । अब जनता को सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध हो सकेगी। सीएमओ ने सीएचसी के भ्रमण में उन्हें सब कुछ सही मिला। इस दौरान उन्होंने टीबी के मरीजों को पोषण पोटली बांटी। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा .सतीश कुमार चौधरी , डा .अंकिता सिंह ,डा . अरुण यादव , डा . विकास चौधरी, मुकेश कुमार , जितेंद्र यादव , जुनैद आदि रहे।

मीरगंज डिग्री कालेज में हर घर तिरंगा में छात्राओं ने बनाई रंगोली

मीरगंज, अमृत विचार राजेंद्र प्रसाद डिग्री कॉलेज में हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर एस के सिंह के मार्गदर्शन में किया गया जिसमें छात्रों ने रंगोली और दीवार चित्रकला बनाकर तिरंगे को प्रदर्शित किया। कालेज की छात्राओं ने रंगोली और दीवार में चित्रकारी करके अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्राचार्य प्रोफेसर एस के सिंह, डॉ . ममता रंजन, डॉ . एस के तिवारी, डॉ . बी के प्रधान और वीरेंद्र शर्मा उपस्थित थे।

रामनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में शिविर में 11 लोगों ने किया रक्तदान

मऊचंदपुर, अमृत विचार : रामनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें अस्पताल कर्मियों सहित 11 लोगों ने रक्तदान किया। चिकित्सा अधिकारी डॉ . सुनील कुमार ने कहा कि रक्तदान से किसी की जान बचाई जा सकती है। ब्लड बैंक बरेली की टीम ने सभी रक्तदाताओं को जागरूक किया कि ज्यादा से ज्यादा लोग रक्तदान करें, जिससे जरूरतमंद लोगों की जान बचाई जा सके।

पानी ने शवदाह गृह स्थल को चपेट में लिया

शेरगढ़ ,अमृत विचार: क्षेत्र में बारिश के चलते किच्छा नदी में बड़ा जलस्तर अब कम होने लगा है। इस बीच नदी में जलस्तर कम होने से ग्रामीणों और किसानों ने राहत की सांस ली है। नदी का पानी नगरिया कलां गांव के खलियान तक पहुंच गया है। जिसने नवनिर्मित शवदाह गृह स्थल को भी अपनी चपेट में ले लिया है। गुरूवार को गांव स्थित खलियान तक पहुंच गया। नदी का जलस्तर घटता देख ग्रामीणों और किसानों ने राहत की सांस ली है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम कृष्णा देवी था जिसे बदलकर अब मैंने कृष्णा अग्रवाल रख लिया है। आधार कार्ड में भी मेरा नाम कृष्णा अग्रवाल ही दर्ज है। भविष्य में मुझे कृष्णा अग्रवाल के नाम से ही जाना व पहचाना जाये। **कृष्णा अग्रवाल पत्नी अशोक अग्रवाल निवासी 6, फ्रैण्डस कालोनी, हुण्डालखेल, शाहाजहांपुर (उ.प्र.)**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

सिटी ब्रीफ

थाने में पीस कमेटी की हुई बैठक

शेरगढ़, अमृत विचार : थाना प्रांगण में रक्षाबंधन, चेहल्लुम, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आदि त्यौहारों को लेकर संभ्रांत नागरिकों के साथ प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार ने बैठक की। उन्होंने ताजियेदारों को जागरूक करते हुए कहा कि 12 फिट से ज्यादा ऊंचाई का ताजिया न हो। सभी सांप्रदायिक सौहार्द के साथ त्योहार मनाएं इस मौके पर एसएसआई आदित्य गौरव श्रीवास्तव, एसआई राहुल सिंह पुंडीर, रामनरेश सिंह, अख्तर अली, ओगेंद्र सिंह, प्रधान इसराइल मंसूरी, रमेश चंद्र शर्मा, तौकीर अहमद, महंत गणेश नाथ, सुंदर लाल राजपूत, शमशुल खां, जफर हसन खां, नरेश कुमार आदि समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

एमएलसी ने भंडारे में ग्रहण किया प्रसाद

शेरगढ़, अमृत विचार : मोहल्ला कांवर स्थित शिव मंदिर पर गुरुवार को डाक कांवड़ियों की ओर से भंडारा आयोजित किया गया जिसमें कस्बा समेत आस-पास के गांवों के लोगों ने भंडारा में प्रसाद लेकर जीवन को धन्य बनाया। कार्यक्रम में एमएलसी बहोरन लाल मौर्य भी पहुंचे। इस अवसर पर जिला महामंत्री मेघनाथ कठेरिया बुद्धसेन मौर्य, प्रमोद अग्रवाल, दिनेश शर्मा, नवनीत मौर्य, राजीव वाजपेई, नंदराम राजपूत, वीरपाल सिंह, अमित गंगवार एडवोकेट, पूरनलाल मौर्य, चंद्रपाल गंगवार, धर्मेंद्र मौर्य आदि रहे।

पीएसी जवान ने साइकिल चोर पकड़ा

कैंट, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के नकटिया स्थित 8वीं वाहिनी पीएसी कैम्प के सरकारी आवास में रहने वाले हेड कांस्टेबल शेखर चन्द ने बताया, कि वह बुधवार को बरेली दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ की सुरक्षा ड्यूटी से लौट रहा था। उसके सरकारी आवास के पास एक व्यक्ति उसकी साइकिल चुरा कर ले जा रहा था। अपनी साइकिल पहचान कर हेड कांस्टेबल ने उसका पीछा किया और पीएसी कैम्प में ड्यूटी पर तैनात अपने साथी आरक्षी विकल्प कुमार आदि की मदद से उसे गेट न0 4 के पास पकड़ लिया। आरोपी ने पूछताछ में अपना नाम सरताज पुत्र नत्थू खां निवासी ठिरिया निजावत खां थाना कैंट बताया। हेड कंस्टेबल ने आरोपी को साइकिल समेत कैंट पुलिस के हवाले कर तहरीर दी। गुरुवार को उसे जेल भेज दिया।

बिना आपराधिक इतिहास 'गुंडा' बनाने की संस्तुति खारिज

कोर्ट ने क्योलड़िया, नवाबगंज, फरीदपुर, फतेहगंज पूर्वी थानों में नामजद नौ आरोपियों के विरुद्ध जारी गुंडा एक्ट का नोटिस वापस लेकर कार्रवाई समाप्त की

राकेश शर्मा, बरेली

अमृत विचार : अपर जिला मजिस्ट्रेट प्रशासन की कोर्ट ने क्योलड़िया, नवाबगंज, फरीदपुर, फतेहगंज पूर्वी थानों की आख्या और उच्चाधिकारियों की उस संस्तुति को खारिज कर दिया, जिसमें एक और दो मुकदमों में नामजद आरोपियों पर गुंडा एक्ट लगाने की संस्तुति की गई। कोर्ट ने एक से दो साल तक चली सुनवाई में अभियोजन अधिकारी और विपक्षी अधिवक्ताओं की बहस सुनी। पत्रावली के साक्ष्यों का अवलोकन किया। कोर्ट ने नौ प्रकरणों में सुनवाई कर माना कि आरोपियों का आपराधिक इतिहास नहीं है। पुलिस की आख्या में आरोपियों को गुंडा बनाने का पर्याप्त आधार नहीं है। कोर्ट ने नौ मामलों में उप्र गुंडा नियंत्रण की धारा-3 (1) के अन्तर्गत जारी नोटिस वापस लेने के साथ वाद की कार्रवाई समाप्त कर दी।

हालांकि, अपर जिला मजिस्ट्रेट प्रशासन, अपर जिला मजिस्ट्रेट नगर, अपर जिला मजिस्ट्रेट वित्त एवं राजस्व और जिला मजिस्ट्रेट की कोर्ट में गुंडा एक्ट से संबंधित दो सौ से ज्यादा प्रकरणों में सुनवाई विचाराधीन है।

केस 1 आरोपी साबिर पुत्र सत्तार अहमद निवासी ग्राम ठिरिया बन्नोजान थाना क्योलड़िया के विरुद्ध उप्र गुंडा नियंत्रण की धारा-3 (1) के अन्तर्गत जारी नोटिस को वापस लेते हुए कोर्ट ने वाद की कार्रवाई समाप्त कर दी। थाना क्योलड़िया में मुकदमा बताया गया। आरोपी ने जवाब में चुनावी रंजिश में झूठा मुकदमा दर्ज कराने की बात कही थी।

केस 2 आरोपी पवन यादव पुत्र रामपाल यादव निवासी मो बक्सरिया थाना फरीदपुर के विरुद्ध उप्र गुंडा नियंत्रण की धारा-3 (1) के अन्तर्गत जारी नोटिस को वापस लेते हुए कोर्ट ने वाद की कार्रवाई समाप्त कर दी। आरोपी के विरुद्ध थाना फरीदपुर में दो मुकदमे दर्ज होना बताया। नोटिस के जवाब में आरोपी ने न्यायालय को बताया कि वह मजदूरी करता है। उसके पिता रामपाल स्टेशन रोड फरीदपुर में अचल प्रताप सिंह की मार्केट में किराये पर दुकान लेकर चाउमीन व बर्गर व मोमोस आदि बेचते हैं। नगर पालिका का कर्मचारी फ्री में चाउमीन, बर्गर खाता था, दो सौ रुपये रोज वसूल करता था। विरोध पर मुकदमा लिखा दिया।

केस 3 याकूब पुत्र सादी खां निवासी ग्राम नाद अलगनी थाना फरीदपुर के विरुद्ध उप्र गुंडा नियंत्रण की धारा-3 (1) के अन्तर्गत जारी नोटिस को वापस लेते हुए कोर्ट ने वाद की कार्रवाई समाप्त कर दी। पुलिस आख्या में उसके विरुद्ध थाना फरीदपुर में पशु क्रूरता अधिनियम में मुकदमा बताया गया। कोर्ट ने माना कि आपराधिक इतिहास नहीं है।

केस 4 गौरव पुत्र सत्यपाल निवासी मोहल्ला गिहार बस्ती थाना फतेहगंज पूर्वी के विरुद्ध उप्र गुंडा नियंत्रण की धारा-3 (1) के अन्तर्गत जारी नोटिस को वापस लेते हुए कोर्ट ने वाद की कार्रवाई समाप्त कर दी। आख्या में उसके विरुद्ध थाना फतेहगंज पूर्वी में दो आबकारी अधिनियम में मुकदमा बताते हुए साम्प्रदायिक सौहार्द को भारी खतरा बताया गया।

- **दो मुकदमा होने पर गुंडा एक्ट लगाने की उच्चाधिकारियों की संस्तुति को खारिज कर दिया**
- **कोर्ट ने माना कि पुलिस की आख्या में भी व्यक्तियोंको गुंडा बनाने का पर्याप्त आधार नहीं**

केस 5 मुन्ना पुत्र निजामुद्दीन निवासी भौआ बाजार, थाना क्योलड़िया के विरुद्ध उप्र गुंडा नियंत्रण की धारा-3 (1) के अन्तर्गत जारी नोटिस को वापस लेते हुए कोर्ट ने वाद की कार्रवाई समाप्त कर दी। पुलिस आख्या में उसके विरुद्ध थाना क्योलड़िया में गोवध अधिनियम का केस दर्ज होना बताया गया है। कोर्ट ने माना कि आरोपी का आपराधिक इतिहास नहीं है। दर्ज मुकदमे की प्रकृति भी अभ्यस्त अपराधी की नहीं है।

केस 6 ताहिर पुत्र मो. यासीन निवासी टाह प्यारी नवादा थाना नवाबगंज के विरुद्ध उप्र गुंडा नियंत्रण की धारा-3 (1) के अन्तर्गत जारी नोटिस को वापस लेते हुए कोर्ट ने वाद की कार्रवाई समाप्त कर दी। आरोपी के विरुद्ध थाना नवाबगंज में जानलेवा हमला, गोवध अधिनियम व पशु क्रूरता अधिनियम में मुकदमा दर्ज है।

केस 7 ताहिर पुत्र मोहम्मद गफ्फार अहमद निवासी मो. अधकटा रब्बानी बेगम थाना नवाबगंज के विरुद्ध उप्र गुंडा नियंत्रण की धारा-3 (1) के अन्तर्गत जारी नोटिस कोर्ट ने वापस लेते हुए वाद की कार्रवाई समाप्त कर दी। आरोपी के खिलाफ एक ही मुकदमा दर्ज है।

केस 8 फातुना पुत्र दौलत निवासी ग्राम मेवा सर्फापुर थाना फरीदपुर के विरुद्ध उप्र गुण्डा नियंत्रण की धारा-3 (1) के अन्तर्गत जारी नोटिस वापस लेते हुए कोर्ट ने वाद की कार्रवाई समाप्त कर दी। दो मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के आपराधिक कृत्यों से क्षेत्र के आम व्यक्ति एवं साम्प्रदायिक सौहार्द को भारी खतरा बताया था।

केस 9 अपर जिला मजिस्ट्रेट वित्त एवं राजस्व की कोर्ट ने जय सिंह (उम्र करीब 26 वर्ष) पुत्र नौबत राम निवासी ग्राम मटियार थाना अलीगंज के विरुद्ध जारी गुंडा एक्ट का नोटिस वापस ले लिया। आदेश में लिखा कि किसी व्यक्ति के विरुद्ध एक या दो आपराधिक मामले दर्ज हो जाने से उसे आदतन अपराधी घोषित नहीं किया जा सकता है। गुंडा एक्ट की कार्रवाई किया जाना न्यायोचित प्रतीत नहीं है।

साहू-राठौर समाज पर अभद्र टिप्पणी, विरोध में प्रदर्शन

सेठ दामोदर स्वरूप पार्क में विरोध-प्रदर्शन करते साहू-राठौरसमाज के पदाधिकारी।

बरेली, अमृत विचार: साहू-राठौर समाज पर समाजवादी पार्टी के सलेमपुर सीट से सांसद रमाशंकर राजभर द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी से साहू राठौर समाज में नाराजगी है। गुरुवार को सांसद के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश साहू राठौर मोदी एकता मंच के पदाधिकारियों ने सेठ दामोदर स्वरूप पार्क में विरोध-प्रदर्शन किया।

आक्रोशित लोग पैदल मार्च निकालते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और एडीएम न्यायिक देश दीपक सिंह को अध्यक्ष अनुशासन समिति लोकसभा नई दिल्ली को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में साहू राठौर समाज के लोगों ने मांग करते हुए कहा कि समिति सांसद की सदस्यता बर्खास्त करे। मुकदमा पंजीकृत कर ठोस कार्रवाई की जाए। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को भी ऐसे नेता को तत्काल पार्टी से बाहर करना चाहिए। ज्ञापन देने वालों में विजय कुमार साहू, शिवमंगल सिंह राठौड़, सूरज राठौड़, चंद्रपाल राठौर, कैलाश साहू, भीमसेन राठौर, कृष्णपाल साहू, धीरज साहू, ओमकार राठौर, विश्राम सिंह आदि शामिल रहे।

जर्जर सड़क से ग्रामीण हो रहे परेशान एक-दूसरे पर टाल रहे विभाग

संवाददाता, बिथरी चैनपुर

अमृत विचार: जनता के लिए बनाई गई सड़क अब उखड़ चुकी है। गहरे गड्ढे हो गये हैं जो बरसात में आवागमन में दिक्कत पैदा कर रहे हैं। सड़क खराब हुई तो अब इसे कौन विभाग बनाएगा इसको लेकर असमजंस है। इससे जनता प्रभावित हो रही है।

बिथरीचैनपुर में सरकड़ा से नवादा ब्रह्मनान तक होते हुए लगभग 10 गांवों को जोड़ने वाली पांच किमी की यह मुख्य सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिनमें बरसात का पानी भर गया है। इससे राहगीरों को आवाजाही में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि कई बार आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत करने के बाबजूद भी किसी अधिकारी ने ध्यान नही दिया। इससे लगभग दस हजार की आबादी को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इसी सड़क से होकर गुजरते हैं ग्रामीण।

यह सड़क किसके क्षेत्र में है, इसकी जानकारी अवर अभियंता से की जाएगी। संभवत: यह सड़क निर्माण खंड भवन की हो सकती है। फिर भी एक बार सड़क का मौका मुआयना कराया जाएगा।
-भगत सिंह, एक्सईएन प्रांतीय खंड

नवादा ब्रह्मनान के जोगेंद्र पटेल ने बताया कि यह सड़क कई साल पहले बनाई गई थी और बनने के दो साल बाद ही जर्जर होना शुरु हो गई। अब यह पूरी तरह जर्जर स्थिति में है। इसकी शिकायत कई बार आईजीआरएस पोर्टल, पीडब्ल्यूडी विभाग और ब्लॉक के अधिकारियों से लिखित रूप मे की जा चुकी है। आरोप है कि सभी अधिकारी सड़क अपने अपने विभाग की न होने की बात कहकर पल्ला झाड़ ले रहे हैं। अब उन्होंने लोनिवि राज्यमंत्री के कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। बिथरी बीडीओ से कई बार संपर्क करना चाह लेकिन उनका फ़ोन नही उठा।

एक दर्जन गांव, 10 हजार की आबादी

इस रोड से सरकड़ा, लहिया, रसूला गुलाम अब्बास, खजुरिया श्रीराम, नवादा ब्रह्मनान, ज्योति जागीर, भड़रिया, मुड़िया, परेवा कुइयां आदि गांवों का रास्ता है।सभी गांवों की आवादी करीब 10 हजार की है।

ऐसी कोई शिकायत संज्ञान में नही है।इतनी लंबी सड़क ग्राम निधि से बनना मुश्किल है।फिर भी,अगर कोई शिकायत की गई है तो इसको दिखवाएंगे।
-आशीष पाल, बीडीओ, बिथरी

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव में आज होंगे कार्यक्रम

- **स्मृति स्थलों, अमृत सरावरों पर होगा पौधरोपण**
- **छात्र-छात्राओं की ओर से निकाली जाएगी प्रभात फेरी**

बरेली, अमृत विचार: काकोरी ट्रेन एक्शन के 100 वीं वर्षगांठ के समापन समारोह के तहत शुक्रवार को सभी शहीद स्मारकों, स्मृति स्थलों, अमृत सरोवरों, अमृत वाटिकाओं पर कार्यक्रमों का आयोजन कर पौधरोपण किया जाएगा। इस कार्यक्रम को एक पेड़ मां के नाम अभियान से जोड़ा जाएगा।

शैक्षणिक संस्थानों में बेसिक, माध्यमिक, उच्च, प्राविधिक, कृषि शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग के छात्र-छात्राओं की ओर से आजादी के नायकों के चित्रों, देशभक्ति के नारे लिखी पट्टिकाओं को हाथ में लेकर प्रभातफेरी निकाली जाएंगी। नगर मजिस्ट्रेट/प्रभारी अधिकारी (समारोह) अलंकार अग्निहोत्री ने बताया कि प्रभात फेरी की दूरी लगभग 0.5 किमी से 1.0 किमी की होगी। काकोरी ट्रेन एक्शन की घटना एवं काकोरी के नायकों पर आधारित भाषण निबंध लेखन, सुलेख लेखन, वाद-विवाद आदि विषयों पर प्रतियोगिताएं माध्यमिक विद्यालयों में कराई जाएंगी। विजेताओं को समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्थल में शाहजहांपुर, बरेली आदि जनपदों में जिला प्रशासन, स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों के परिजनों को आमंत्रित कर सम्मानित किया जायेगा। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/प्रभारी अधिकारी (स्थानीय निकाय), समस्त उपजिलाधिकारी, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग, जिला विद्यालय निरीक्षक, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी व समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को कार्यक्रम आयोजन को लेकर निर्देश दिए गए हैं।

जनाधार समाप्त होता देख भाजपा छोड़ सपा में शामिल हो रहे लोग

सपा की मासिक बैठक को सम्बोधित करते जिलाध्यक्ष। ● अमृत विचार

- **सपा की मासिक बैठक में बोले जिलाध्यक्ष शिवचरण कश्यप**

बरेली, अमृत विचार : सपा जिलाध्यक्ष शिवचरण कश्यप ने कहा कि अब भाजपा का जनाधार खत्म हो चुका है। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में पूरी सरकारी मशीनरी भीड़ जुटाने में लगी रही। भाजपा का जनाधार खत्म होते देख लोग सपा में शामिल हो रहे हैं। वह गुरुवार को पार्टी कार्यालय पर आयोजित मासिक बैठक में बोल रहे थे।

पूर्व विधायक विजयपाल सिंह ने कहा कि जनता महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त है। बैठक में बूथ और सेक्टर स्तर पर संगठन को मजबूत करने, जन समस्याओं को उठाने और भाजपा सरकार की विफलताओं को उजागर करने पर चर्चा की गई। इस दौरान पूर्व प्रधान अदलखिया रामनाथ पटेल साथियों के भाजपा छोड़ सपा में शामिल हुए। संचालन जिला कोषाध्यक्ष अशोक यादव ने किया। जिला उपाध्यक्ष राजकुमार पाल, संजीव यादव, मो. मुस्ताक अहमद, शिव प्रताप यादव, सुरेंद्र सोनकर, नदीम अली, जिला सचिव ब्रजेश श्रीवास्तव, द्रोण कश्यप, तनवीर इस्लाम, डॉ जीराज यादव, मुकेश मिश्रा, सुरेश गंगवार, हाजी शब्बीर अहमद, भद्रासेन गंगवार, असलम खान, स्मिता यादव, भारती चौहान, सीमा श्रीवास्तव, पल्लवी सक्सेना, काशीराम भारती, अतुल आदि मौजूद रहे।

दो सौ से अधिक जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र लंबित

बरेली, अमृत विचार : नगर निगम में सर्वर की गति धीमी होने की वजह से जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने का कार्य प्रभावित हो रहा है। करीब 200से अधिक प्रमाण पत्र लंबित हैं।

सीआरएस पोर्टल पर जन्म-मृत्यु प्रमाण जारी कराने के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया अटक जाने से लोगों को निगम का चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। जन्म प्रमाण पत्र सरकारी योजना में लगाना होता है। मृत्यु प्रमाण पत्र न बनने से उत्तराधिकार से जुड़े कार्य बाधित हो रहे हैं। नगर निगम के कर्मियों का कहना है कि सर्वर से जुड़ी समस्या राज्य स्तर से है और इसे ठीक करने का प्रयास किया जा रहा है। लंबित प्रमाण पत्रों को प्राथमिकता के आधार पर जारी किया जाएगा। जन्म प्रमाण पत्र बनवाने पहुंचे सिकलापुर निवासी अंजनी ने बताया कि दस दिन पहले आवेदन किया था, लेकिन सर्वर न चलने से प्रमाण पत्र के लिए चक्कर लगा रहे हैं। जन्म प्रमाण बनाने आए बाकरगंज निवासी आजम ने बताया कि 20 दिन से अधिक का समय हो गया। कई बार आए तो यह जवाब मिलता है कि सर्वर नहीं चल रहा है।

सिटी डायरी

सीएचसी में टीकाकरण कार्यक्रम को लेकर किया जागरूक

बरेली, अमृत विचार : शासन से आई टीम ने गुरुवार को बरेली कॉलेज बरेली स्थित एनसीसी कार्यालय का भ्रमण किया। इस दौरान टीम ने 16 वर्ष के बालक-बालिकाओं को टीडी वैक्सीन के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरीदपुर में ग्राम नवादा बिलसंडी, धरमपुर और बकानिया स्थित विद्यालयों में चले रहे टीडी वैक्सीनेशन कार्यक्रम का निरीक्षण किया। परिवार कल्याण महानिदेशालय से आए प्रदीप त्यागी, डब्ल्यूजेसीएफ के प्रोग्राम ऑफिसर फैजान अली और जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. प्रशांत रंजन ने कार्य की सराहना की।

सफाई कर्मचारी शोषण मुक्त यात्रा प्रेम नगर पहुंची, किया स्वागत

बरेली, अमृत विचार : राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी महासंघ सफाई कर्मचारी शोषण मुक्त यात्रा गुरुवार को वाल्मीकि आश्रम प्रेमनगर पहुंची। इस दौरान उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर संघ के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष बबलू चौधरी टाइगर वाल्मीकि का स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि संविदा सफाई कर्मचारी को स्थाई किया जाए और ठेका प्रथा बंद की जाए कर्मचरियों की पुरानी पेंशन को बहाल किया जाए। इसी संबंध में 10 सितंबर को 10 बजे विधानसभा के सामने झाड़ू आंदोलन किया जाएगा। इसको लेकर पूरे प्रदेश का दौरा किया जा रहा है।

उप निदेशक ने किया वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण

बरेली, अमृत विचार : महिला कल्याण मुख्यालय लखनऊ की उप निदेशक नीता अहिरवार ने गुरुवार को वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। चंचल गंगवार केंद्र प्रबंधक, रेखा कुमारी चौकी प्रभारी, रिंकी सैनी जिला मिशन को-ऑर्डिनेट सहित समस्त स्टाफ मौजूद मिला। केंद्र पर 12 पीड़िताएं आवासित मिलीं।

कर्मचारियों को बांधी राखी

बरेली, अमृत विचार : दीप्ति स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने प्रेमनगर स्थित कार्यालय में कर्मचारियों को राखी बांधकर बंधन स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया। समूह की 15 महिलाओं ने 25 पुरुषों को राखी बांधकर रक्षाबंधन मनाया। गुड़िया यादव, सीमा, निखिल, वैशाली सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

उर्स-ए-रजवी की तैयारी में जुटा निगम

- **अस्थायी शौचालयों का किया जाएगा इंतजाम**
- **क्षेत्र की सड़कें और नालियां कराई जाएंगी दुरुस्त**

बरेली, अमृत विचार : उर्स-ए-रजवी नजदीक आते ही नगर निगम ने तैयारियों को लेकर कमर कस ली है। लाखों जायरीन के आगमन को देखते हुए नगर निगम की ओर से सफाई, जल निकासी, स्ट्रीट लाइट, अस्थायी शौचालय और कूड़ा प्रबंधन जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।

उर्स-ए-रजवी 18, 19 व 20 अगस्त को मनाया जाएगा। इसके मद्देनजर नगर निगम के निर्माण विभाग ने तैयारी तेज कर दी हैं। दरगाह क्षेत्र और आस-पास की गलियों में भीड़ उमड़ती है। ऐसे में सफाई व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। गलियों में नियमित रूप से फॉगिंग और सैनिटाइजेशन कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, बारिश की संभावना को देखते हुए जलभराव वाले इलाकों की विशेष निगरानी की जा रही है। नालों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि कहीं भी पानी जमा न हो। स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत व नई लाइटें लगाने का कार्य भी तेज गति से चल रहा है, ताकि जायरीन को रात में आवागमन में परेशानी न हो। निगम की ओर से जगह-जगह अस्थाई शौचालय और डस्टबिन लगाए जा रहे हैं। कूड़ा उठान की निगरानी के लिए भी अलग टीम बनाई गई है, जो दिन में कई बार सफाई व्यवस्था की जांच करेगी। नगर निगम के चीफ इंजीनियर मनीष अवस्थी ने बताया कि उर्स से पहले सारी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली जाएंगी, ताकि जायरीन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसको लेकर सड़क, नाली को ठीक किया जा रहा है।

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
निःशुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
सरदार वल्लभ भाई पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी
भोजीपुरा, बरेली BTE CODE - 2143
B.El.Ed. (इंटरमीडिएट के पश्चात 4 वर्षीय बी.टी.सी.) College Code 148
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फार्मेसी
BTE CODE-2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानाकार बहेड़ी, बरेली
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

रूहेलखण्ड कमिश्नरी का प्रथम विधि विद्यालय
SHRIJI INSTITUTE OF LEGAL
Vocational Education & Research
(SILVER LAW COLLEGE)
Estd. 2003
(Approved by BCI & Affiliated to MJPRU)
ADMISSION OPEN 2025-26
DIRECT ADMISSION
LL. B. 3 Yrs. Course After Graduation
B.A. LL.B. 5 Yrs. Course After 12th
College Code : 119
General 45%, OBC 42%, SC/ST 40%
(in Intermediate & Graduation)
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :
9837485855, 9411472001
7983811321, 7906220708, 9068232656
Email.: ravibhatnagar.slcbly@gmail.com
Add : Vill. Barkhapur, PO. Mudia Ahamad Nagar,12th Km. Pilibhit Road, Bareilly

न्यूज ब्रीफ

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह का समापन आज

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार सुबह 10 बजे काकोरी शहीद स्मारक जाकर काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह का समापन करेंगे। उधर, मुख्य सचिव एसपी गोयल ने सभी एसीएस, प्रमुख सचिव, सचिव, मंडलायुक्त और जिलाधिकारियों को काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के समापन पर शहीद स्मारकों, स्मृति स्थलों, अमृत सरोवरों, वाटिकाओं पर वृहद रूप से राष्ट्रभक्ति के ओतप्रोत कार्यक्रमों के आयोजन का निर्देश दिया है।

आरिल और गरई नदी में डूबकर दो की मौत

शाहजहांपुर,अमृत विचार : जिले में अलग-अलग स्थानों पर दो लोग नदी में डूब गए। कलान थाना क्षेत्र के गांव सहबेगपुर निवासी 35 वर्षीय प्रमोद कुमार गुरुवार की दोपहर 12 बजे गांव के बाहर आरिल नदी पर शौच करने के लिए गया। उसका पैर फिसल जाने से नदी में डूब गया। ग्रामीणों ने शोर मचाया कि युवक नदी में डूब गया है। गोताखोरों ने एक घंटे बाद प्रमोद का शव नदी से बाहर निकाल लिया। इधर कांट थाना क्षेत्र के गांव महमदपुर अजमाबाद निवासी रामाधार(50) का खेत गरई नदी के किनारे है। गुरुवार की दोपहर उनके खेत पर छुट्टा पशु घुस गए थे। वह पशुओं को भगाने के लिए गए तो नदी में डूब गए। गोताखोरों ने दो घंटे बाद शव निकाला।

शोध कार्यों को समाज तक पहुंचाएं विशेषज्ञ

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने निर्देश देते हुए कहा कि विशेषज्ञ उत्कृष्ट शोध कार्यों को समाज तक पहुंचाएं। राज्यपाल गुरुवार को राजभवन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद व विवि के अधिकारियों को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि विषय विशेषज्ञों का चयन करते समय यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वे अनुभवी हों ।

मारपीट के मामले में मां-बेटे पर रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : मारपीट के मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर मां-बेटे पर रिपोर्ट दर्ज कर ली। कोतवाली क्षेत्र की एक महिला ने बताया ग्राम अलीगंज निवासी पवन ने उसकी बेटी को बात करने के लिए मोबाइल दिया था। जिसकी जानकारी होने पर 1 अगस्त को सुबह वह बेटे के साथ आरोपी के घर शिकायत करने गई। आरोप है कि युवक और उसके परिजनों ने मारपीट की।

वोट चोरी पर राहुल ने डेटा किया सार्वजनिक, ईसी बोला-सबूत दें

कांग्रेस नेता का आरोप, कर्नाटक के महादेवपुरा विस में 5 तरह की हुई हेराफेरी

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़ों का हवाला देते हुए गुरुवार को आरोप लगाया कि कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में पांच तरह की हेराफेरी के जरिए एक लाख से अधिक वोट चुराए गए। इसके साथ ही कहा कि वोट चोरी हमारे लोकतंत्र पर एक एटम बम की तरह है। गांधी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हमारे आंतरिक सर्वेक्षणों के अनुसार हमें कर्नाटक में (2024 के लोकसभा चुनाव में) 16 सीट जीतने की उम्मीद थी। हालांकि, हमने नौ सीट जीतीं।

राहुल के इन आरोपों पर कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से उन मतदाताओं के नाम साझा करने को कहा, जिनके बारे में उन्होंने दावा किया है कि उन्हें राज्य की मतदाता सूची में गलत तरीके से शामिल किया गया है या बाहर रखा गया है। राहुल गांधी से इस संबंध में एक हस्ताक्षरित घोषणा पत्र भी मांगा है, ताकि चुनाव प्राधिकारी इस मामले में आवश्यक कार्यवाही शुरू कर सकें। निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने कहा कि गांधी को या तो चुनाव संचालन नियमों के तहत एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करना चाहिए और उन लोगों की सूची प्रस्तुत करनी चाहिए, जिनके बारे में उनका दावा है कि उन्हें मतदाता सूची में गलत तरीके से शामिल किया गया है या हटा दिया गया है या फिर उन्हें भारत के लोगों को गुमराह करना बंद करना चाहिए और चुनाव प्राधिकरण के खिलाफ निराधार आरोप लगाना बंद करना चाहिए। भाजपा ने गांधी के आरोप को एक सुनियोजित धोखाधड़ी बताया। आरोप लगाया कि कांग्रेस देश के लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ साजिश के तहत संवैधानिक संस्थाओं पर व्यवस्थित हमला कर रही है।

1,00,250 मतों की चोरी का आरोप

गांधी ने कहा, लोस चुनाव में बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1,00,250 मतों की चोरी की गई जबकि यह सीट भाजपा ने 32,707 मतों के अंतर से जीती। उन्होंने कहा, यहां 11,965 डुप्लीकेट वोटर बनाए गए, 40,009 फर्जी पतों का इस्तेमाल हुआ 10,452 वोटरों को एक ही पते पर पंजीकृत किया गया, 4,132 वोटर फर्जी फोटो के साथ सूची में जोड़े गए। 33,692 नए वोटर फॉर्म-6 का गलत इस्तेमाल कर जोड़े गए। उन्होंने उदाहरण दिया कि आदित्य श्रीवास्तव नामक एक मतदाता का चार स्थानों पर वोट है।

यूपी के मतदाता मामले में राहुल गांधी के तथ्य सही नहीं-सीईओ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राहुल के दावों को मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया गलत
- मतदाता आदित्य श्रीवास्तव व विशाल सिंह पर दी सफाई

अमृत विचार: मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि प्रदेश की मतदाता सूची मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के तथ्य सही नहीं हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रदेश के मतदाता आदित्य श्रीवास्तव व विशाल सिंह पर सफाई देते राहुल के दावों को गलत बताया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने आधिकारिक सोशल मीडिया 'एक्स' के जरिये आरोपों का जवाब दिया। पोस्ट में कहा गया है कि राहुल गांधी नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य का भी जिक्र किया। तथ्य रखा कि दो मतदाता आदित्य श्रीवास्तव पुत्र एसपी श्रीवास्तव (इपिक नंबर एफपीपी6437040) व विशाल सिंह पुत्र महीपाल सिंह इपिक नंबर (आईएनबी2722288) के नाम उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची के साथ अन्य प्रदेश की विधानसभाओं की मतदाता सूची में भी अंकित है। आदित्य श्रीवास्तव का नाम मुंबई, बैंगलोर और लखनऊ की दो विधानसभा की मतदाता सूची में अंकित होने का दावा किया गया है।

इसी तरह विशाल सिंह का नाम बैंगलोर के साथ वाराणसी की दो विधानसभा की मतदाता सूची में होने की बात कही गई है। इसकी पुष्टि के लिए दोनों का नाम निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर सर्च किया गया तो सामने आया कि दोनों का नाम बैंगलोर अर्बन की विधानसभा महादेवपुरा की मतदाता सूची में अंकित है। दोनों का नाम लखनऊ पूर्व और वाराणसी कैंट विधानसभा की मतदाता सूची में अंकित नहीं है।

शव ने किया 165 किमी का सफर

शाहजहांपुर,अमृत विचार: शहीद एक्सप्रेस के शौचालय की गैलरी में एक अज्ञात शव मिलने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। जीआरपी व आरपीएफ ने स्लीपर कोच से उतारा। रेलवे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। लखनऊ से शाहजहांपुर तक 165 किमी का सफर करते आए शव की जेब से पटना से तमिलनाडु का पुराना टिकट मिला है।

गुरुवार सुबह शहीद एक्सप्रेस आ रही थी। स्लीपर कोच के एस-2 में शौचालय की गैलरी में एक व्यक्ति लेटा था। यात्रियों ने उसे उठाने का प्रयास किया। नहीं उठने पर टीटीई को सूचना दी। उनकी सूचना पर कंट्रोल ने जीआरपी, आरपीएफ और रेलवे के डॉक्टर को सूचना दी। ट्रेन को प्लेटफार्म तीन पर लिया गया। जीआरपी व आरपीएफ ने कोच से निकाला। डॉक्टर ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। मृतक की उम्र 50 साल है और काला रंग का पैजामा और टी शर्ट पहने था। जेब से एक अगस्त का पटना से तमिलनाडु का टिकट मिला, कोई आईडी नहीं निकली।

न्यायमूर्ति वर्मा का आचरण विश्वास से परे : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- कैश कांड मामले में शीर्ष अदालत ने न्यायमूर्ति वर्मा की याचिका की खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने आंतरिक जांच समिति की उस रिपोर्ट को अमान्य करार देने का अनुरोध करने वाली इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा की याचिका गुरुवार को खारिज कर दी, जिसमें उन्हें नकदी बरामदगी मामले में कदाचार का दोषी ठहराया गया है।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा का आचरण विश्वास से परे है और उनकी याचिका पर सुनवाई नहीं की जानी चाहिए। यह न्यायाधीश वर्मा के लिए एक बड़ा झटका है जो दिल्ली स्थित अपने आधिकारिक आवास के भंडार गृह में आग लगने के बाद बड़ी मात्रा में अधजली नकदी बरामद होने के बाद विवादों के केंद्र में हैं। न्यायमूर्ति वर्मा ने 8 मई की उस सिफारिश को रद्द करने का भी अनुरोध किया था जिसमें भारत के तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना ने संसद से उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध किया था।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की समिति ने 10 दिन तक जांच की, 55 गवाहों से पूछताछ की और न्यायमूर्ति वर्मा के आधिकारिक आवास पर उस स्थान का दौरा किया, जहां 14 मार्च को रात करीब 11:35 बजे आग लगी थी। मामले की जांच कर रही समिति की रिपोर्ट में कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा का कदाचार साबित होता है और यह इतना गंभीर है कि उन्हें पद से हटाया जाना चाहिए।

बाढ़ से बिगड़े हालात, गांव बने टापू

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

नाव से लाया जा रही बचाव सामग्री। ● अमृत विचार

- शारदा में जलस्तर बढ़ने से घरों में घुसा बाढ़ का पानी

अमृत विचार: शारदा नदी ने एक बार फिर तराई की ज़मीन को निगलने की तैयारी कर ली है। पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश के कारण शारदा नदी उफान पर है, और नदी में एक लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने से बिजुआ क्षेत्र के बझेड़ा गांव की हालत बेहद नाजुक हो गई है।

कभी सरकार की 5 करोड़ की बाढ़ सुरक्षा परियोजना से संवरने की उम्मीद लगाए बैठे बझेड़ा गांव के लोग अब एक बार फिर उजड़ने की कगार पर खड़े हैं। गांव के घरों में पानी घुस चुका है, गलियां डूब चुकी हैं, और लोग न नाव है, न राशन, बस मदद की आस लगाए बैठे हैं। बाढ़ नियंत्रण विभाग बांस, बल्ली, झाड़ और ईंट भरी बोरियों से नदी के प्रहार को रोकने की कोशिश कर रहा है। लेखपाल अमन सत्यार्थी ने बताया कि बंधे के किनारे घरों में पानी भर गया है। लंच, नाव और राशन किट के लिए कहा गया है, आदेश आने पर वितरण किया जाएगा। बझेड़ा गांव के लोगों का प्रशासन से भरोसा उठ चुका है। उनका कहना है कि अधिकारी केवल आश्वासन देते हैं, जबकि गांव में न नाव है, न खाना, न राहत। शारदा नदी की कटान के डर से ग्रामीण अपने घर छोड़कर कहीं नहीं जा पा रहे हैं। खेत-खलिहान वीरान हैं, लोग त्योहार की जगह अस्तित्व बचाने की लड़ाई में लगे हैं।लगातार हो रही बारिश और छोड़े गए पानी के चलते शारदा नदी उफान पर है। शारदा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बढ़ते जलस्तर से गोला तहसील क्षेत्र के दर्जनों गांवों में बाढ़ का पानी भर गया है। सड़कों और फसलों के ऊपर कई फीट पानी दूर-दूर तक दिखाई दे रहा है। जिससे बिजुआ ब्लॉक क्षेत्र की एक बड़ी आबादी बाढ़ से प्रभावित है। जलस्तर लगाकर बढ़ रहा है, जिससे बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। सैकड़ों हेक्टेयर फसलें जलमग्न हैं, गन्ना, मक्का, धान और दलहन की फसलें प्रभावित हुई हैं। सड़कों पर आवागमन बाधित है, ग्रामीण जान जोखिम में डालकर जैसे -तैसे सड़क पार कर रहे हैं। पानी की तेजधार के चलते ग्रामीणों को नाव की आवश्यकता है, लेकिन अभी तक प्रशासन की ओर से नाव उपलब्ध नहीं कराई गई है।

वाहन बेचकर चोरी करने वाले गैंग का खुलासा

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

- आरोपी फर्जी कागजों के आधार पर नोटरी कर कार बेचते थे

अमृत विचार: थाना गजरौला पुलिस व एसओजी ने फेसबुक मार्केट प्लेस पर झांसा देकर वाहन बेचकर उनका पीछा करते हुए दूसरी चाबी से वाहन चोरी करने वाले अन्तर्जनपदीय चोर गैंग का खुलासा किया है। पुलिस ने पांच शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर कब्जे से चोरी की स्विफ्ट कार दस्तावेज सहित डुप्लीकेट चाबी व घटना में प्रयुक्त होने वाली कार को बरामद किया है।

गुरुवार को एसपी अमित कुमार आनंद ने इस गैंग का खुलासा किया है। एसपी के मुताबिक 31 जुलाई को गजरौला के मोहल्ला सरस्वती विहार कॉलोनी निवासी गौरव सिद्धू पुत्र रनवीर सिंह ने फेसबुक के जरिए विश्वेंद्र सिंह पुत्र जोगेंद्र सिंह से नोएडा में एक स्विफ्ट गाड़ी खरीदी थी। इसकी कीमत चार लाख 80 हजार रुपये थी। अगले ही दिन 1 अगस्त को विश्वेंद्र सिंह ने अपने साथियों के साथ मिलकर दूसरी चाबी से गाड़ी चुरा ली थी। मामले में गौरव सिद्धू की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर घटना का खुलासा कर खाद गुर्जर रोड से कस्बा की ओर जाने वाले रास्ते से पांच आरोपियों शुभम प्रताप सिंह पुत्र चंद्र सिंह निवासी गांव औरंगाबाद हाथरस, छोटू चौधरी पुत्र हीरालाल निवासी गांव गदाई हाथरस, अजीत पुत्र जगदेव निवासी गांव शेरपुर, विवेक सिंह पुत्र विनोद चौधरी निवासी मथुरा, अजीत उर्फ लकी निवासी हाथरस को चोरी की कर शिफ्ट के साथ गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त की जाने वाली ब्रेजा कार, मोबाइल फोन, गाड़ी के दस्तावेज, चाबी सहित अन्य सामान बरामद किया है।

रामपुर में लूट की सूचना पर दौड़ी पुलिस

हसनपुर, अमृत विचार : लूट की झूठी सूचना पर पुलिस ने दौड़ लगा दी। मामला जुए में रुपये हारने का निकला। गुरुवार की देर रात कोतवाली क्षेत्र के गांव सिरसा गुर्जर निवासी आसिफ पुत्र नन्हे ने कोतवाली पुलिस को फोन कर सूचना दी कि उसके साथ 4 लाख 30 हजार रुपये की लूट हो गई है। लूट के बाद बदमाशों ने उसके साथ मारपीट भी की है। इतनी मोटी रकम की लूट होने की खबर मिलने से पुलिस में अफरा तफरी मच गई। कोतवाल दिनेश कुमार शर्मा पुलिस बल के साथ पहुंच गये। पूछताछ करने पर पुलिस को आसिफ पर शक हो गया। कोतवाली लाकर आसिफ से सख्ती से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह जुए में रकम हार गया है। रुपये हारने की बात छुपाने के लिए लूट की कहानी गढ़ दी।

गो-अवशेष की दुर्गंध से भड़के कांवड़िए, ट्रक में लगाई आग

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर/कलान

धूं-धूकर जलता ट्रक। ● अमृत विचार

कलान क्षेत्र में फर्रुखाबाद की ओर से आए ट्रक को कांवड़ियों ने रोका और आग लगा दी। चालक वाहन छोड़कर भाग गया। घटना में शामिल लोगों की पहचान कर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। फिलहाल क्षेत्र में स्थिति पूरी तरह सामान्य है। - **राजेश द्विवेदी,** एसपी

अमृत विचार: सावन मास की शिव तेरस पर गुरुवार तड़के कलान क्षेत्र में उस वक्त हड़कंप मच गया जब जलाभिषेक के लिए पटना देवकली मंदिर जा रहे कांवड़ियों को एक ट्रक से मांस की दुर्गंध आई। बदायूं-फर्रुखाबाद मार्ग पर ट्रक को रोकने पर चालक ने गति और तेज कर दी।

कांवड़ियों ने पीछा कर ट्रक को रोका, चालक को केबिन से उतारकर पीट दिया और ट्रक में आग लगा दी। देखते ही देखते ट्रक धूं-धूंकर जल उठा और स्टेट हाईवे पर जाम लग गया। सूचना पर दमकल कर्मियों ने पहुंचकर आग बुझाई, लेकिन तब तक ट्रक पूरी तरह जल चुका था। पुलिस ने मौके पर पहुंच कांवड़ियों को शांत कराया। जांच के दौरान ट्रक में जानवरों की हड्डियां मिलीं। दुर्गंध से ही कांवड़िए भड़क गए थे। जानकारी पर एसपी राजेश द्विवेदी पहुंचे।

पत्नी को प्रमी के साथ पकड़ा, मांग भरवाकर उसे सौंपा

शाहजहांपुर ,अमृत विचार: निगोही के एक मोहल्ले में ऑटो चालक ने 40 वर्षीया पत्नी को उसके 22 वर्षीय प्रेमी के साथ रंगेहाथों पकड़ लिया। लेकिन, पति ने न तो गुस्सा किया और न ही बखेड़ा बल्कि संयम दिखाते हुए प्रेमी से पत्नी की मांग भरवा थाने में समझौता नामा सौंप पत्नी को प्रेमी के साथ विदा कर दिया।

निगोही क्षेत्र के एक गांव निवासी ऑटो चालक रोज की तरह ऑटो लेकर घर से निकला। महिला का प्रेमी उसके घर पहुंच गया। मोहल्ले वालों ने सूचना पति को दे दी। वह तत्काल घर पहुंचा, जहां उसने पत्नी और युवक को साथ देख लिया लेकिन पति ने हो हल्ला नहीं मचाया बल्कि शांति से काम लिया।

स्वतंत्रता दिवस पर 10 हजार सुरक्षाकर्मी रहेंगे तैनात

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 10,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस आयुक्त एसबीके सिंह ने विशेष पुलिस आयुक्त और पुलिस उपायुक्तों को क्षेत्र में कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस पर जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्र को संबोधित करेंगे, तो लाल किले पर कई सुरक्षा घेरे होंगे।

न्यायालय ने एसपी से धमकी की शिकायत करने वाले चश्मदीद से मिलने को कहा

नयी दिल्ली, एजेंसी

- कोर्ट ने पूछा-शिकायत के बाद भी चश्मदीद गवाह से मुलाकात क्यों नहीं की गई

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को लखनऊ के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को 2021 के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में एक प्रत्यक्षदर्शी से मिलने को कहा ताकि पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय कुमार मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा के खिलाफ गवाही देने के लिए कथित तौर पर धमकी दिए जाने की उसकी शिकायत की पुष्टि की जा सके।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने उत्तर प्रदेश पुलिस से सवाल किया कि चश्मदीद गवाह से मुलाकात क्यों नहीं की गई, जबकि 20 जून को उसने शिकायत दर्ज कराई थी। पीठ ने पूछा पुलिस अधिकारियों को उससे मिलने से किसने रोका? यूपी की अतिरिक्त महाधिवक्ता गरिमा प्रसाद ने कहा कि गवाह अनिच्छुक था और उसे बुलाए जाने के बावजूद वह अपनी शिकायत की पुष्टि करने या अपना बयान दर्ज कराने के लिए पुलिस के पास नहीं पहुंचा। पीठ ने कहा कि पुलिस की ओर से यह संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं हो सकता।

प्रा. वि. मिलक (कलारा) वि.क्षे. भोजीपुरा, बरेली

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय बेसिक शिक्षा अधिकारी बरेली के पत्रांक नम्बर एस.एस.ए. निर्माण 2377-86/2024-25 दिनांक 27.08.2024 के अनुक्रम में एवं कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी भोजीपुरा के पत्रांक संख्या कायाकल्प/259/2025-26 दिनांक 25.07.2025 के सरकारी प्रा.वि. मिलक (कलारा) के प्रांगण में जर्जर भवन की नीलामी दिनांक 11.08.2025 को समय 10 बजे विद्यालय प्रांगण में की जायेगी। आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी न होने से पूर्व बोलीकर्ता 10,000 रू. व अपना आधार कार्ड जमा करना होगा। बोली का रजिस्ट्रेशन बोली के दिनांक को विद्यालय की शर्तो के आधार पर होगा।

सावित्री (अध्यक्ष) — दितेन्द्र कुमार (सचिव) मो. 9927681368

किसान सहकारी चीनी मिल्स लि०, सम्पूर्णानगर, लखीमपुर-खीरी (उ०प्र०)

अल्प-कालीन ई-निविदा सूचना

केवल अनुभवी ठेकेदारों से इस मिल समिति में निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा निर्धारित तिथि को सायंकाल 6:55 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

क्रम० सं०	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ई-निविदा की अन्तिम तिथि
1	नये चीनी गोदाम से गन्ना कार्यालय तक 185x3 मीटर लम्बी बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य।	रू० 48000/-	रू० 590/-	28.08.2025
2	गोदाम संख्या 04 से 80 टन कॉटे तक आर.सी.सी. सड़क का निर्माण कार्य (95x8) मी0	रू० 53000/-	रू० 590/-	28.08.2025
3	गोदाम संख्या 01 से 80 टन कॉटे तक आर.सी.सी. सड़क का निर्माण कार्य (120x7 मी0	रू० 62000/-	रू० 590/-	28.08.2025
4	लाइम हॉपर चूना भी फाउण्डेशन का निर्माण कार्य।	रू० 4700/-	रू० 118/-	17.08.2025
5	मिल गेट से ए.डी. ब्लॉक तक इंटर लॉकिंग टाइल द्वारा सड़क का निर्माण कार्य।	रू० 20000/-	रू० 590/-	28.08.2025
6	कैंटीन की मरम्मत एवं रंगाई-पुताई का कार्य।	रू० 12000/-	रू० 590/-	28.08.2025

उपरोक्त कार्य हेतु विस्तृत विवरण http://etender.up.nic.in वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। समस्त निविदा प्रक्रिया ई-निविदा के माध्यम से पूर्ण की जायेंगी आवश्यकतानुसार निगोशिएसन भी किया जा सकता है।

अधोहस्ताक्षरी को किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सर्वसुरक्षित होगा।

प्रधान प्रबन्धक

क्षेत्रीय कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसाइटीज तथा चिट्स

193-ए, सिविल लाइन्स, बरेली मण्डल, बरेली।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि गुरूद्वारा साहिब चार साहिबजादे गंगसरा पुवायां शाहजहाँपुर उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष की हैसियत से पंजीकरण हेतु सोसा. रजि. 1860 के अन्तर्गत ऑनलाइन पंजीकरण शुल्क व प्रपत्र प्रस्तुत किये गये हैं। उक्त संस्था के स्मृति पत्र व नियमावली में निम्नलिखत पदाधिकारी व सदस्य दर्शाये गये हैं :-

क्र.सं.	नाम/पिता/पति का नाम	पद
1.	श्री गुरदीप सिंह पुत्र श्री छोटा सिंह	अध्यक्ष
2.	श्री हर चरण सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह	उपाध्यक्ष
3.	श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री गुरूमुख सिंह	सचिव
4.	श्री दलवीर सिंह पुत्र श्री करम सिंह	सह सचिव
5.	श्री पपिन्दीर सिंह पुत्र श्री कश्मीर सिंह	कोषाध्यक्ष
6.	श्री गुरनाम सिंह पुत्र श्री दर्शन सिंह	सदस्य
7.	श्री बलदेव सिंह पुत्र श्री दर्शन सिंह	सदस्य
8.	श्री सुखविन्दर सिंह पुत्र श्री करनैल सिंह	कोषाध्यक्ष
9.	श्री संदीप सिंह पुत्र श्री बलवंत सिंह	सदस्य
10.	श्री जसवीर सिंह पुत्र श्री मनोहर सिंह	सदस्य

उपरोक्त संस्था के पंजीकरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर इस कार्यालय को दस्तावेजी साक्ष्यों एवं फोटो युक्त नोटरी शपथ पत्र सहित आपत्ति पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है। उपरोक्त सार्वजनिक सूचना/नोटिस सोसा. रजि. अधि. 1860 की धारा 3(1) के ''परन्तुक'' के अन्तर्गत जारी की जा रही है।

सहायक रजिस्ट्रार, बरेली।

कार्यालय प्राचार्य एवं अधीक्षक

एस0आर0एम0 राज0 आयु0 कालेज एवं चिकित्सालय बरेली।

संख्या- 4725/क्रय/2025-26, दिनांक-02.08.2025

ई-निविदा सूचना

संस्था हेतु वर्ष 2025-26 में शास्त्रोक्त निर्मित (आयुर्वेद) औषधियों के क्रय करने के लिए पात्र निविदादाताओं से ई-निविदा (E-Tender) आमन्त्रित की जाती है। निविदा वेबासाइड http/e tender.up.nic.in अपलोड कर दी गयी है, जिसका विवरण निम्नवत्।

अनुमानित धनराशि	2200000.00, (रू0 बाइस लाख मात्र)
ऑनलाइन निविदा प्रकाशन की तिथि	11.08.2025
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की तिथि व समय	11.08.2025, पूर्वान्ह 10.00 बजे
ऑनलाइन निविदा भरने की प्रारम्भिक तिथि व समय	11.08.2025, पूर्वान्ह 10.00 बजे
ऑनलाइन निविदा भरने की अन्तिम तिथि व समय	02.09.2025, सांय 5.00 बजे
ऑनलाइन तकनीकी निविदा खोलने की तिथि व समय	03.09.2025, पूर्वान्ह 11.00 बजे
निविदा प्रपत्र शुल्क (जो वापस नहीं होगा)	रू0-3300+594 (GST 18%)=3894.00 (रू0-तीन हजार, आठ सौ, चौरानवे मात्र)
निविदा हेतु धरोहर राशि (Earnest Money)	रू0-44000.00 (रू0-चवालीस हजार मात्र)
जमानत राशि (Security Deposit)	अनुबन्ध की कुल धनराशि का 10%

निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारी वेबसाइड http/e tender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

UP-236632 दिनांक 06.08.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(प्रो0 प्रीति शर्मा) प्राचार्य एवं अधीक्षक एस0आर0एम0 राज0 आयु0 कालेज एवं चिकित्सालय बरेली।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बीसलपुर पीलीभीत

पत्रांक : 154/न.पा.परि.बी./2025-26 दिनांक : 02.08.2025

ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद बीसलपुर द्वारा राज्य वित्त/पालिका निधि के अन्तर्गत निर्माण कार्य की लागत के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य विवरण निम्नवत है :-

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित (लाख रू. में)	बिड सिक्योरिटी 2 प्रतिशत पूर्णांक में	निविदा मूल्य + 18 प्रतिशत जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	नगर पालिका परिषद बीसलपुर के अन्तर्गत कान्हा गौशाला (रामलीला रोड वन विभाग कार्यालय के पास) में मिट्टी भराव का कार्य।	3991808.00	67700.00	4750.00	4 माह

1. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 7.08.2025 को प्रातः 11:00 बजे से।
2. ई-निविदा के माध्यम से निविदा अपलोड के लिए अन्तिम तिथि/समय 28.08.25 को अपरान्ह 5:00 बजे तक।
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 29.8.2025 को प्रातः 10 बजे से।
4. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो यह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
5. निविदा प्रपत्र शुल्क और 2 प्रतिशत धरोहर धनराशि (जी.एस.टी. सहित) पालिका के आई.सी.आई.सी.आई. में खाता सं. 321005500073 IFSC-ICIC0003210 में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. द्वारा हस्तान्तरित कर पावती की मूल प्रति प्रति स्कैन करके ई-निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगी।
6. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइड http://etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को अपलोड करें।
7. टेण्डर स्वीकृति होने के उपरान्त शेष 8 प्रतिशत धरोहर धनराशि नगर पालिका परिषद बीसलपुर के उपरोक्त खाते में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. के द्वारा अथवा नियमानुसार एफ.डी.आर./एन.एस.सी. द्वारा जमा कर मूल प्रति जमा कर निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त तीन दिवस के अन्दर नगर पालिका परिषद बीसलपुर के कार्यालय में हार्डकापी के साथ जमा करनी होगी।

अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद बीसलपुर (पीलीभीत)

अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद बीसलपुर (पीलीभीत)

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली।

परिवाद सं. 99/2024

नोटिस बनाम नाइन प्लानेट बिल्डवैल एल.एल.पी. 96 नैनीताल रोड, निकट पीपल का पेड़ नगरिया परीक्षित एयरफोर्स स्टेशन, बरेली।

आपको सूचित किया जाता है कि आपके विरूद्ध श्रीमती कंचन शर्मा पत्नी श्री अरूण कुमार शर्मा, निवासी-30, कृष्णा पार्क दैनिक जागरण के पीछे, सिविल लाइन्स, बरेली ने दिनांक 30.04.2025 को एक शिकायत पत्र उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के अन्तर्गत इस आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया है। अतः आपको आदेश दिया जाता है कि आप इस सम्बन्ध में अपना उत्तर स्वयं उपस्थित होकर या अपने अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा इस आयोग के समक्ष दिनांक 08.09.2025 को प्रातः 10:30 बजे तक प्रस्तुत करें तथा अपने कथन के समर्थन में जो अभिलेख दाखिल करना चाहे, दाखिल कर दें। यदि आप नोटिस मिलने पर अपना उत्तर उपरोक्त अवधि के अन्दर प्रस्तुत नहीं करेंगे तो आपके विरूद्ध एक तरफा आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक 06.08.2025 को जारी किया गया।

आज्ञा से-अध्यक्ष, जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली।

नेशनल ब्रीफ

आसाराम की अस्थाई जमानत 21 अगस्त तक

अहमदाबाद। गुजरात उच्च न्यायालय ने सजायाफ्ता कथावाचक आसाराम की अस्थायी जमानत बृहस्पतिवार को 21 अगस्त तक बढ़ा दी। उसे गांधीनगर की एक अदालत ने 2013 के बलात्कार मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायमूर्ति इलेश वोरा और न्यायमूर्ति पी.एम. रावल की पीठ ने चिकित्सा आधार पर आसाराम की अस्थायी जमानत 21 अगस्त तक बढ़ा दी। पीठ ने कहा कि आसाराम एक निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती है और उसकी स्वास्थ्य स्थिति गंभीर है। अदालत ने आसाराम को तीसरी बार अस्थायी जमानत देते हुए उच्चतम न्यायालय द्वारा 30 जुलाई को पारित आदेश का उल्लेख किया, जिसमें उसे मुख्य रूप से सेहत के आधार पर अस्थायी जमानत की मियाद बढ़ाने के लिए उच्च न्यायालय का रुख करने की छूट दी गई थी।

राहुल की मतदाता अधिकार यात्रा 17 को

पटना। बिहार के सासाराम जिले से 17 अगस्त को शुरू होने वाली राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा को सफल बनाने के लिये आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में तैयारियों को लेकर गहन बैठक हुई ।बैठक की अध्यक्षता बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारु और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने की। बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं और मोर्चा संगठनों के अध्यक्षों के साथ यात्रा की रणनीति पर गहन चर्चा हुई ।इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कार्यकर्ताओं से यात्रा को ऐतिहासिक और यादगार बनाने का आह्वान करते हुये कहा कि इंडिया गठबंधन के नेताओं को भी इसमें आमंत्रित किया जायेगा।

एअर इंडिया के आठ विमानों में मिलीं खामी

नई दिल्ली। इस साल जून में अहमदाबाद विमान हादसे के बाद विशेष जाँच के दौरान एयर इंडिया के आठ बोइंड-787 विमानों में हल्की खामियां मिली थीं जिन्हें दूर कर लिया गया है। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने गुरुवार को लोकसभा में एक तारांकित प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि 12 जून को अहमदाबाद में एयर इंडिया की उड़ान एआई-171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उसके सभी तैंतीस 787-ड्रीमलाइनर विमानों की जांच के आदेश दिये थे। इनमें से 31 विमानों की जाँच पूरी कर ली गयी है जबकि दो विमानों की नियमित समायावधि पर होने वाली जाँच जारी है। उन्होंने बताया कि 31 विमानो की जाँच के दौरान आठ विमानों में छोटी खामियां मिली थीं जिन्हें दूर कर दिया गया है।

सहमति संबंधों के लिए 18 की वैधानिक उम्र ही उचित, कम करना होगा खतरनाक

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में रखा पक्ष, कहा- किशोर स्वायत्तता के नाम पर इस आयु में कोई भी परिवर्तन बाल संरक्षण कानून को करेगा प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय में केंद्र ने सहमति से यौन संबंध बनाने की वैधानिक आयु 18 वर्ष निर्धारित किए जाने का बचाव करते हुए कहा कि यह निर्णय समझ-बूझकर, सुविचारित और सुसंगत नीतिगत विकल्प है, जिसका उद्देश्य नाबालिगों को यौन शोषण से बचाना है।

केंद्र ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी के माध्यम से लिखित दलीलों में तर्क दिया कि सहमति की उम्र को कम करना या किशोरावस्था के प्रेम की आड़ में अपवाद पेश करना न केवल कानूनी रूप से अनुचित होगा, बल्कि खतरनाक भी होगा। सरकार ने कहा कि वह उन दुराचारियों के लिए भी सुरक्षा तंत्र उपलब्ध कराएगी जो बच्चों की भावनात्मक निर्भरता या चुप्पी का फायदा उठाते हैं।

केंद्र ने आगे कहा कि सहमति की मौजूदा वैधानिक आयु को सख्ती से और समान रूप से लागू किया जाना चाहिए। उसने कहा, इस मानक से कोई भी विचलन, यहां तक कि सुधार या किशोर स्वायत्तता के नाम पर भी, बाल संरक्षण कानून में दशकों की प्रगति को पीछे धकेलने के समान होगा और पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम, 2012 और बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) जैसे कानूनों के निवारक चरित्र को कमजोर करेगा। इसके अलावा, केंद्र ने तर्क दिया कि मामला-दर-मामला आधार पर विवेकाधिकार न्यायिक ही रहना चाहिए तथा इसे कानून में सामान्य अपवाद या कमजोर मानक के रूप में नहीं पढ़ा जाना चाहिए।

केंद्र ने कहा, कानून में अगर कम उम्र के किशोरों के बीच सहमति से संबंध की अनुमति शामिल की जाती है या सहमति की उम्र घटाई जाती है, तो इससे बाल संरक्षण कानून की मूल भावना यानी बच्चों को स्वाभाविक रूप से संवेदनशील मानने की कानूनी धारणा कमजोर हो जाएगी। इस तरह के कमजोर कानून से यह खतरा पैदा होता है कि तस्करी और अन्य प्रकार के बाल शोषण को 'सहमति' के नाम पर छिपाया जा सकेगा, जिससे बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ेगा।" केंद्र सरकार ने कहा है कि सहमति की उम्र घटाने से (बच्चों की) तस्करी और बाल शोषण के अन्य रूपों के लिए रास्ते खुल सकते हैं, जिन्हें 'सहमति' के नाम पर जायज ठहराया जा सकता है।

इलाहबाद हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम नाराजगी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक आदेश पर नाराजगी जताई है, जिसमें वह निश्चित अवधि की सजा पर रोक लगाने की याचिका को खारिज करते समय स्थापित कानूनी सिद्धांतों को लागू करने में विफल रहा था। इससे कुछ दिन पहले उच्चतम न्यायालय ने एक दीवानी मामले में आपराधिक कार्यवाही की अनुमति देने के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के प्रति नाराजगी जताई थी। न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा, इलाहाबाद उच्च न्यायालय का एक और आदेश है जिससे हम निराश हैं। न्यायमूर्ति पारदीवाला ने छह अगस्त के आदेश में कहा, सबसे पहले विषय-वस्तु पर गौर करना बहुत जरूरी होता है। उसके बाद अदालत को संबंधित मुद्दे पर गौर करना चाहिए। अंत में, अदालत को वादी की दलील पर गौर करना चाहिए।

मां शब्द की परिभाषा को उदार बनाएं ताकि सौतेली माताएं भी ले सकें योजनाओं का लाभ

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को 'मां' शब्द की उदार व्याख्या की वकालत की ताकि पारिवारिक पेंशन समेत सामाजिक कल्याण योजनाओं के तहत लाभ प्रदान करने में सौतेली माताओं को भी शामिल किया जा सके। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने केंद्र और भारतीय वायुसेना से कहा कि नियमों में मां की परिभाषा को उदार बनाया जाना चाहिए ताकि सौतेली मां को भी इसमें शामिल किया जा सके। पीठ ने कहा, हमें मां शब्द को उदार बनाने की जरूरत है। इसमें सौतेली मां शब्द भी शामिल होना चाहिए, खासकर जब पारिवारिक पेंशन समेत सामाजिक कल्याण योजनाओं के तहत लाभ देने की बात हो। सौतेली मां वास्तव में मां ही होती है। सुप्रीम कोर्ट एक महिला की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसने अपने सौतेले बेटे की जैविक मां की मृत्यु के बाद उसका पालन-पोषण किया था और वह पारिवारिक पेंशन की मांग कर रही थी। न्यायमूर्ति कांत ने केंद्र के वकील से पूछा कि यदि एक महीने के बच्चे की मां का निधन हो जाता है और पिता दूसरी शादी कर लेता है तो क्या सौतेली मां को वास्तविक मां नहीं माना जाएगा। कानून में आप उसे सौतेली मां कह सकते हैं, लेकिन वह वास्तव में वास्तविक मां है, क्योंकि पहले दिन से ही उसने अपना जीवन बच्चे के लिए समर्पित कर दिया।

टैरिफ : कांग्रेस ने विदेश नीति पर उठाया सवाल, भाजपा बोली- भारत झुकेगा नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति के 50% टैरिफ की घोषणा के बाद पक्ष-विपक्ष में शुरू हुआ वाकयुद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर कुल 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाए जाने को लेकर बृहस्पतिवार को मोदी सरकार की निदेश नीति पर सवाल खड़े किए और कहा कि उसे स्थिति से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। वहीं, भाजपा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाला भारत किसी के सामने झुकने वाला नहीं है तथा भारत के किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं होगा।

पिछले सप्ताह घोषित 25 प्रतिशत शुल्क के अतिरिक्त राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार को भारत पर रूसी तेल की खरीद को लेकर 25 प्रतिशत शुल्क और लगा दिया, जिससे भारत पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है और यह अमेरिका द्वारा किसी भी देश पर लगाए गए सबसे अधिक शुल्कों में से एक है। यह अतिरिक्त शुल्क 21 दिन बाद यानी 27 अगस्त से प्रभावी होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत अपने किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा और इसके लिए कोई भी कीमत चुकाने को तैयार है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, कोई भी देश जो गुटनिरपेक्षता की विचारधारा में अंतर्निहित हमारे समय की कसौटी पर कसी गई सामरिक स्वायत्तता की नीति के लिए भारत को मनमाने ढंग से दंडित करता है, वह भारत के मजबूत ढांचे को नहीं समझता। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया, सातवें बेड़े की धमकियों से लेकर परमाणु परीक्षणों के प्रतिबंधों तक, हमने अमेरिका के साथ अपने संबंधों को आत्मसम्मान और गरिमा के साथ निभाया है। खरगे के अनुसार ट्रंप ने 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की बात ऐसे समय कही है जब भारत की कूटनीति बहुत बुरी तरह लड़खड़ा रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, नरेन्द्र मोदी जी, जब ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने युद्धविराम में मध्यस्थता की है, तब आप चुप रहे। उन्होंने कम से कम 30 बार ऐसा दावा किया है। उन्होंने कहा, आप अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करने में विफल रहे। आपके पास छह महीने से ज्यादा का समय था। अब ट्रंप हमें धमका रहे हैं और मजबूर कर रहे हैं, लेकिन आप चुप हैं। खरगे ने कहा कि भारत का अमेरिका को निर्यात लगभग 7.51 लाख करोड़ रुपये (2024) है और 50 प्रतिशत का एकमुश्त शुल्क 3.75 लाख करोड़ रुपये का आर्थिक बोझ डालेगा।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, राहुल जी देशद्रोह कर रहे हैं। जब पूरे देश को एकजुट होना चाहिए तो वह सांठगांठ वाले पूंजीवाद का आरोप लगाते हैं जबकि वह स्वयं ऐसा करते हैं। भारत के प्रधानमंत्री मजबूत हैं। भाजपा नेता दिनेश शर्मा ने कहा, भारत सभी देशों का सम्मान करता है और सबसे अच्छे संबंध चाहता है। कोई देश धमकी के आधार पर भारत को झुका नहीं सकता। यह स्वाभिमानी भारत है।

राहुल का चुनाव फर्जीवाड़े का आरोप एक सुनियोजित धोखा : भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने गुरुवार को निर्वाचन आयोग के खिलाफ चुनाव धोखाधड़ी के राहुल गांधी के आरोप को सुनियोजित धोखाधड़ी करार दिया और आरोप लगाया कि कांग्रेस भारत के लोकतंत्र तथा संविधान के खिलाफ बड़ी साजिश के तहत संवैधानिक संस्थाओं पर व्यवस्थित हमला कर रही है। सत्तारूढ़ पार्टी ने कहा कि गांधी

भाजपा की चुनावी जीत को धोखाधड़ी बताकर देश के लोगों के निर्णय का अपमान कर रहे हैं। मतदाता इस तरह के गैर-जिम्मेदार और बेशर्मी भरे चरित्र एवं आचरण के लिए कांग्रेस को लगातार खारिज करते रहेंगे। गांधी ने हताशा और गुस्से में निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाए हैं, क्योंकि लोग कांग्रेस को अपना जनादेश नहीं दे रहे हैं। पार्टी ने चुनाव परिणामों पर दोहरे मापदंड अपनाने को लेकर कांग्रेस नेता की आलोचना की और उनसे कहा कि उन्हें यह बात समझनी चाहिए कि उनके परिवार की जीत लोकतंत्र की परिभाषा नहीं है। कांग्रेस नेता की टिप्पणी की निंदा करते हुए भाजपा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गैर-जिम्मेदाराना और बेशर्मी से भरी टिप्पणी की है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि गांधी ने निर्वाचन आयोग को धोखेबाज कहा है और बेशर्मी की सारी हदें पार कर दी हैं। संसद भवन परिसर में प्रसाद ने कहा, नरेन्द्र मोदी चुनाव जीत रहे हैं और आप (राहुल गांधी) उसे भी धोखाधड़ी कह रहे हैं। आप देश की जनता का अपमान कर रहे हैं, जिसने मोदी जी के काम, ईमानदारी और उनके नेतृत्व में देश की प्रगति के लिए उन्हें वोट दिया था।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अधिसूचना जारी

नामांकन प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के लिए नौ सितंबर को होने वाले चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है और इसके साथ ही नामांकन प्रक्रिया की शुरुआत हो गई। अधिसूचना के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है और दस्तावेजों की जांच 22 अगस्त को की जाएगी। नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 25 अगस्त है।

जगदीप धनखड़ के स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक इस्तीफा देने के बाद 21 जुलाई को यह पद रिक्त हो गया था। धनखड़ का कार्यकाल अगस्त 2027 में समाप्त होना था। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, मध्यावधि चुनाव की स्थिति में पद पर चुने जाने वाले व्यक्ति को पूरे पांच साल का कार्यकाल मिलता है। उपराष्ट्रपति पद के लिए ऐसे व्यक्ति को ही निर्वाचित किया जा सकता है, जो भारत का नागरिक हो, जो 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो और राज्यसभा के सदस्य के रूप में निर्वाचित होने की योग्यता रखता हो।

कार्ति चिदंबरम को एक करोड़ रुपये लौटाने का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने विदेश यात्रा की पूर्व शर्त के तौर पर लोकसभा सदस्य कार्ति पी चिदंबरम द्वारा 2022 में जमा कराए गए एक करोड़ रुपये जारी किए जाने का आदेश दिया है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत, उज्जल भुइयां और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने चिदंबरम के 2023 के आवेदन को स्वीकार करते हुए कहा कि विदेश यात्रा के बाद वह भारत लौट आए और उन्होंने पासपोर्ट जांच अधिकारी के पास जमा करा दिया। अदालत ने आदेश दिया, याची द्वारा जमा कराई एक करोड़ की राशि और उस पर अर्जित ब्याज को एक सप्ताह में जारी कर दें। कार्ति एयरसेल-मैक्सिस व आईएनएक्स मीडिया सहित कई मामलों में आरोपी हैं। उन्हें दोनों मामलों में जमानत मिल गई थी।

जीएसटी धोखाधड़ी: ईडी का तीन राज्यों में छापा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 750 करोड़ रुपये के फर्जी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चालान बनाने के मामले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में फिर छापे मारे।

- **झारखंड, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में 12 स्थानों पर ली गई तलाशी**

धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत तीनों राज्यों में 12 परिसरों पर छापेमारी की गई। यह मामला झारखंड में मुखौटा कंपनियों और अवैध वित्तीय लेनदेन के माध्यम से 750 करोड़ रुपये के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) बनाने से जुड़ा है। सूत्रों के अनुसार, इस मामले की जांच की शुरुआत इसके मुख्य साजिशकर्ता शिव कुमार देवड़ा की गिरफ्तारी से हुई। उसे मई 2025 में गिरफ्तार किया गया था और पिछले महीने उसके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया। वर्तमान में ईडी की ओर से की जा रही कार्रवाई विश्वसनीय साक्ष्यों के आधार पर हो रही है, जो कई व्यक्तियों और कंपनियों की अपराध से अर्जित आय के धनशोधन में संलिप्तता को दर्शाती है। इस मामले को लेकर ईडी ने मई में पहली बार कार्रवाई की थी।

भारी हंगामा, नहीं चले संसद के दोनों सदन

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में पेश किया गया मणिपुर माल एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक।

विपक्षी दलों के सदस्यों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर गुरुवार को भी लोकसभा में हंगामा किया, जिससे सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी दलों के हंगामे के बीच सदन में मणिपुर माल एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 और मणिपुर विनियोग विधेयक पारित किया गया।

सदन की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे आरंभ होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जैसे ही प्रश्नकाल शुरू कराया, विपक्षी दलों के सदस्य आसन के पास पहुंचकर एसआईआर वापस लो के नारे लगाने लगे। सदन में हंगामे के बीच ही आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने प्रश्नों के उत्तर दिए। बिरला ने विपक्षी सदस्यों से सदन की कार्यवाही चलने देने की अपील की। शोर-शराबे के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मणिपुर माल एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किया। उन्होंने मणिपुर माल एवं सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश, 2025 (2025 का संख्यांक 1) को लागू करने के कारणों को दर्शाने वाला विवरण भी प्रस्तुत किया।

रास में शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं चला

एसआईआर के मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे से राज्यसभा की भी कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे से सदन में शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं चले। हालांकि विपक्ष के हंगामे के बीच ही पोत परिवहन विधेयक, 2025 को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गई। पूर्वाह्न 11 बजे उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर उपसभापति हरिवंश ने कहा कि चर्चा के लिए 25 नोटिस मिले हैं। ये व्यवस्था के अनुरूप नहीं है, इन्हें खारिज कर दिया गया है। इस पर विपक्षी सदस्य हंगामा करने लगे। कुछ सदस्यों ने अपने स्थानों से आगे आकर नारेबाजी शुरू कर दी।

तटीय पोत परिवहन विधेयक को संसद की मंजूरी

नई दिल्ली। भारतीय तटीय जलक्षेत्र में व्यापार करने वाले जहाजों को विनियमित करने के प्रावधान वाले 'तटीय पोत परिवहन विधेयक 2025' को बृहस्पतिवार को संसद की मंजूरी मिल गई। राज्यसभा में बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर जारी विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। लोकसभा में यह विधेयक 3 अप्रैल, 2025 को पारित किया गया था। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सदन में विधेयक पर चर्चा के दौरान कहा कि यह कानून भारतीय जहाजों के लिए अनुपालन बोझ को कम करेगा, जो कारोबार की सुगमता की भावना के अनुरूप है। उन्होंने कहा इसके साथ ही यह देश के लिए आपूर्ति श्रृंखला की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। विधेयक के कारणों एवं उद्देश्यों में बताया गया है कि इसका उद्देश्य तटीय नौवहन से संबंधित कानूनों का समेकन और संशोधन, तटीय व्यापार को बढ़ावा देना, घरेलू भागीदारी को प्रोत्साहित करना और यह सुनिश्चित करना है कि भारत के पास एक स्वदेशी तटीय पोत बेड़ा हो जो राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यापारिक जरूरतों को पूरा कर सके।

पटना में एसटीईटी अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज

पटना। बिहार की राजधानी पटना के डाक बंगला चौराहे पर गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पुलिस ने शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-5) से पहले माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (एसटीईटी) आयोजित करने की मांग कर रहे अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज कर दिया।

एसपी, पटना (मध्य), दीक्षा ने बताया, प्रदर्शनकारी डाक बंगला चौराहे के पास जमा हो गए और यातायात को बाधित कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने अवरोधकों को लांघने की कोशिश की। सुरक्षाकर्मियों के बार-बार अनुरोध के बावजूद, उन्होंने सड़कें खाली करने से इनकार कर दिया। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गया। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि लाठीचार्ज में कई लोग घायल हो गए, जिसे अधिकारियों ने नकार दिया। राहुल कुमार नाम के प्रदर्शनकारी ने कहा, हमने बस यही मांग की थी कि बिहार लोक सेवा आयोग की टीआरई-5 से पहले एसटीईटी आयोजित हो। परीक्षा कैलेंडर के अनुसार, एसटीईटी साल में दो बार होनी थी। अभी तक एक भी दौर नहीं हुआ है, जिससे बीएड पूरा कर चुके उम्मीदवार प्रभावित हैं। अगर टीआरई-5 एसटीईटी से पहले होता है तो अभ्यर्थी परीक्षा में बैठने से वंचित रह जाएंगे।

फांसी घर विवाद की कराई जाएगी जांच

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा परिसर में कोई फांसी घर नहीं होने का दावा करते हुए विस अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि मामले को जांच के लिए विशेषाधिकार समिति को भेजा जाएगा, जो पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल को तलब करेगी। बुधवार को गुप्ता ने कहा था कि 2022 में जिस कक्ष के जीर्णोद्धार का केजरीवाल ने उद्घाटन किया, वह वास्तव में टिफिन रूम था।

पश्चिम बंगाल: राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच बढ़ा टकराव

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से यह घोषणा करने के एक दिन बाद कि राज्य प्रशासन चुनाव आयोग की सिफारिश पर चार सरकारी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करेगा, आयोग ने पश्चिम बंगाल में मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में उप-मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सहायक मुख्य कार्यकारी अधिकारी और संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद के लिए राज्य सरकार द्वारा भेजी गई नामों की सूची को खारिज कर दिया।

- **राज्य चुनाव कार्यालय में तैनाती के लिए सरकार की सूची को निर्वाचन आयोग ने खारिज किया**

चुनाव आयोग ने सोमवार रात राज्य सरकार को भेजे एक पत्र में तुरंत एक नई सूची भेजने का अनुरोध किया है, जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि चुनाव आयोग और राज्य सरकार के बीच कई मोर्चों पर टकराव बढ़ रहा है। दिलचस्प यह है कि जिन तीन पदों पर अधिकारियों की नियुक्ति होनी थी वे आमतौर पर पश्चिम बंगाल चुनाव आयोग रैंक के अधिकारी ही संभालते हैं। ऐसे में राज्य सरकार ने तीन पदों के लिए नौ अधिकारियों की सूची आयोग को भेजी थी, लेकिन चुनाव आयोग ने प्रस्तावित नौ में से एक को भी अनुमोदित नहीं किया।

जल-थल अभियानों के लिए जारी किए गए संयुक्त सिद्धांत

नई दिल्ली। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने युद्ध की निरंतर बदलती प्रकृति और जटिल परिस्थितियों में सेनाओं का मार्गदर्शन करने के लिए साइबरस्पेस और जल-थल अभियानों के लिए संयुक्त सिद्धांत गुरुवार को यहां औपचारिक रूप से जारी कर दिया।

रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि जनरल चौहान ने चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी की बैठक के दौरान संयुक्त सिद्धांतों के गोपनीय संस्करण औपचारिक रूप से जारी किए। इन सिद्धांतों का सार्वजनिक किया जाना संयुक्त युद्ध-संचालन अवधारणाओं के महत्व और व्यापक प्रसार को बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। साइबरस्पेस अभियानों के लिए संयुक्त सिद्धांत में राष्ट्रीय साइबरस्पेस हितों की रक्षा के लिए एकीकृत दृष्टिकोण की रूपरेखा दी गयी है।

एनसीईआरटी

बोर्ड ने 7वीं और 8वीं की किताबों में जोड़े देश के महान योद्धाओं के जीवन और विरासत पर आधारित अध्याय

जनरल मानेक शॉ, मेजर सोमनाथ और ब्रिगेडियर उस्मान को पढ़ेंगे बच्चे

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय सेना के महान योद्धाओं फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ, मेजर सोमनाथ शर्मा और ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान के जीवन एवं विरासत पर आधारित अध्याय मौजूदा शैक्षणिक वर्ष के लिए एनसीईआरटी पाठ्यक्रम में जोड़े गए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस कदम का उद्देश्य छात्रों को साहस, कर्तव्य और बलिदान की प्रेरणादायक कहानियों से परिचित कराना है। इसने कहा कि फील्ड मार्शल मानेकशॉ फील्ड मार्शल का पद पाने वाले भारत के पहले अधिकारी थे, जिन्हें उनके असाधारण नेतृत्व और रणनीतिक कौशल के लिए याद किया जाता है। बयान में कहा गया कि ब्रिगेडियर उस्मान और मेजर शर्मा को क्रमशः महावीर चक्र और परमवीर चक्र (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी और वे सर्वोच्च बलिदान के चिरस्थायी प्रतीक बने रहेंगे।

मंत्रालय के अनुसार, फील्ड मार्शल मानेकशॉ पर अध्याय कक्षा 8 (उर्दू), ब्रिगेडियर उस्मान पर अध्याय कक्षा 7 (उर्दू) और मेजर शर्मा पर अध्याय कक्षा 8 (अंग्रेजी) में शामिल किए गए हैं। इसने कहा कि नए शुरू किए गए अध्यायों का उद्देश्य छात्रों को साहस और कर्तव्य की प्रेरणादायक कहानियों से परिचित कराना है।

नई पाठ्यपुस्तकों के बारे में प्राप्त फीडबैक की पड़ताल के लिए समिति बनाई

नई दिल्ली। एनसीईआरटी ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप अपनी पाठ्यपुस्तकों के बारे में प्राप्त 'फीडबैक' की पड़ताल के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। हालांकि, अधिकारियों ने यह स्पष्ट नहीं किया कि समिति विशेष रूप से किस पाठ्यपुस्तक की पड़ताल करेगी। एनसीईआरटी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुवर्ती चरण के रूप में, एनसीईआरटी ने आधारभूत स्तर के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा और स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ) तैयार की है। उन्होंने कहा, एनसीएफ में दिए गए पाठ्यचर्या लक्ष्यों और दक्षताओं के अनुरूप, एनसीईआरटी ने पाठ्यपुस्तकों सहित शिक्षण-अधिगम सामग्री तैयार की है। पाठ्यपुस्तकों सहित इन पाठ्यचर्या संसाधनों को विभिन्न हितधारकों से नियमित रूप से प्रतिक्रिया और सुझाव प्राप्त होते हैं। अधिकारी ने कहा, वर्तमान में, एनसीईआरटी को कुछ पाठ्यपुस्तकों की शैक्षिक सामग्री के बारे में फीडबैक प्राप्त हुआ है। इसलिए, इसकी स्थापित परंपरा के अनुसार, वरिष्ठ विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जा रही है। यह समिति उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर फीडबैक की पड़ताल करेगी और यथाशीघ्र अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

अमृत विचार

शुक्रवार, 8 अगस्त 2025

असली-नकली वोटर

संसद में बिहार की मतदाता सूची के पुनरीक्षण की मांग को लेकर हंगामे और शीर्ष अदालत द्वारा सूची की जांच के संकेत दिए जाने के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को कठघरे में लेते हुए महाराष्ट्र और कर्नाटक में वोटर लिस्ट की गड़बड़ी पर जिस तरह के आरोप लगाए हैं, उससे तो यही साबित होता है कि चुनाव आयोग बिहार में मतदाता पुनरीक्षण का जो काम कर रहा है, वह बिल्कुल सही और अपरिहार्य है। बिहार में करीब 65 लाख लोगों के नाम नई मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, विपक्ष इसे साजिश बता रहा है। ऐसे में मतदाता पुनरीक्षण को चुनौती देने वाली याचिका पर शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से हटाए गए नामों का विवरण मांगा है। अब इस विवरण की पड़ताल से दूध का दूध और पानी का पानी होने के साथ विपक्षी दलों के आरोपों की सच्चाई भी सामने आ जाएगी, इसमें कोई संदेह नहीं है। चुनाव आयोग की प्रक्रिया की परख भी हो जाएगी कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम वास्तव में सही तरीके से किया गया है या नहीं। सभी राजनीतिक दल भी इस वास्तविकता से भलीभांति परिचित हैं, लेकिन आज के डिजिटल युग में ऐसी किसी भी त्रुटि को जितनी जल्दी हो, समाप्त किया जाना चाहिए। यह चुनाव आयोग का दायित्व है कि देश में कहीं पर भी ऐसे लोगों का नाम मतदाता सूची में दर्ज न होने पाए, जिनकी मृत्यु हो गई हो अथवा जो स्थायी रूप से अन्यत्र बस गए हों। ऐसे लोग भी वोटर नहीं होने चाहिए, जिनके बारे में यही साफ नहीं है कि वे भारत के नागरिक हैं भी, या नहीं।

इन सवालों के बीच पिछले कुछ समय से लगातार देश में चुनाव चोरी किए जाने का आरोप लगाने वाले और इस बारे में चुनाव आयोग के खिलाफ एटम बम होने की बात कहने वाले राहुल गांधी ने स्क्रीन प्रजेंटेशन के जरिए जिस तरह से संदिग्ध वोटरों तथा फर्जी वोटिंग से जीत-हार बदलने का दावा किया है, उसे नेता विपक्ष की चुनावों को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने की कोशिश कम, भाजपा के खिलाफ सियासी लड़ाई का माहौल खड़ा करने का प्रयास ज्यादा कहा जा सकता है। इसी कारण चुनाव आयोग द्वारा उनसे आरोपों की बयानबाजी से ऊपर उठकर निर्वाचन नियमों के तहत योग्य और अयोग्य मतदाताओं के नाम लिखित में मांगना उचित ही है। इसमें कोई शक नहीं कि देश के संविधान की बुनियाद एक आदमी, एक वोट की है। ऐसे में श्रेयस्कर यही होगा कि चुनाव आयोग देश भर में मतदाता सूची का पुनरीक्षण कराए। इस प्रक्रिया में खास तौर पर मल्टीपल वोटर, इनवैलिड फोटो, फर्जी पते वाले वोटर, फार्म-6 से जुड़ने वाले नए वोटरों का सावधानी पूर्वक मिलान जरूरी है। यही नहीं, अगर जरूरी हो तो आधार और वोटर आईडी लिंक भी होना चाहिए, ताकि किसी को भी लोगों के बीच लोकतंत्र और चुनावी प्रक्रिया के प्रति संदेह के बीज उत्पन्न करने का मौका न मिल सके।

प्रसंगवश

दूध उत्पादन से बदल रही ग्रामीण अर्थव्यवस्था

अमेरिका अपने यहां के डेयरी उत्पादों को भारत में बेचना चाहता है। इसके लिए वह लगातार दबाव भी बना रहा है, लेकिन सरकार ने इसके लिए अनिच्छा जता दी है। इसकी दो बड़ी वजहें हैं। पहली यह कि अमरीका में दुधारू पशुओं को मांस खिलाया जाता है। इसकी वजह से उनका दूध भारत जैसे धार्मिक देश में इस्तेमाल लायक नहीं है। दूसरी बड़ी वजह है भारत के ग्रामीणों का दुधारू पशुओं पर निर्भरता। अमेरिकी डेयरी प्रोडक्ट आने से वह सीधे कंपटीशन में आ जाएंगे और उन्हें इसका नुकसान होगा।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

भारत दुनिया में सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। दूध उत्पादन देश की ग्रामीण अर्थ व्यवस्था की रीढ़ है। शहरों में बिकने वाला दूध आसपास के गांवों से ही आता है। दूध उत्पादन ने किसानों को आर्थिक तौर पर मजबूत भी बनाया है। इस व्यवसाय में बड़ी संख्या में महिलाएं भी योगदान देती हैं। देश में तकरीबन दस करोड़ व्यक्ति दूध उत्पादन से जुड़े है। इसमें 75 प्रतिशत महिलाएं हैं।

दूध उत्पादन में भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश है। वैश्विक दूध उत्पादन में पिछले 27 सालों से भारत 239.2 मिलेनियम टन के साथ प्रथम स्थान पर है। पांच राज्य देश में 50 प्रतिशत दूध उत्पाद करते हैं। 2023 के आंकड़ों के मुताबिक उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 3.6 करोड़ टन दूध का उत्पादन होता है।

दूसरा बड़ा राज्य राजस्थान है, जोकि 14.44 प्रतिशत दूध उत्पादन करता है। तीसरा बड़ा राज्य मध्य प्रदेश है जो 8.73 फीसदी दूध का उत्पादन करता है। देश का चौथा बड़ा राज्य गुजरात और पांचवा बड़ा राज्य आंध्र प्रदेश है। दूध की गुणवत्ता पर कीमत निश्चित की जाती है। दुग्ध की बढ़ती कीमत से गांवों में पशुपालन की तरफ लोगों की दिलचस्पी बढ़ती जा रही है। डेयरी उत्पादन में किसानों की भागीदारी अहम मानी जा रही है। गांवों में डेयरी व्यवसाय बढ़ता जा रहा है। छोटे-छोटे गांवों में दुग्ध एकत्रित कर डेयरी पर बेचा जा रहा है। उपरोक्त दुग्ध डेयरी वाहन के माध्यम से शहरों तक पहुंच रहा है। भारत में दुग्ध उत्पादक से जुड़ी करीब 96 हजार सहकारी समितियां हैं। देश में 678 से अधिक डेयरी प्रसंस्करण मौजूद हैं। गुणवत्तायुक्त दुग्ध से व्यवसाय में वृद्धि ही नहीं हुई है, इससे जुड़े लोगों को रोजगार भी उपलब्ध हो रहा है। इससे सबसे बड़ा फायदा पशुपालक और खेती किसानों को हो रहा है। गांवों में फैट से कीमत निश्चित की जाती है, जिसमें जितना फैट होगा, उसी के आधार से कीमत नक्की की जाती है।

गांवों में 63 से 65 रुपये के हिसाब से फैट पर कीमत रहती है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसान दुग्ध उत्पादन में रुचि रख रहे हैं और उनके आय के स्त्रोत से परिवार के लिए आर्थिक परेशानियों में कमी आई है। हर किसान के हाथ में खर्च करने के लिए पैसे रहते हैं। 2022-23 में कुल दूध का उत्पादन 230.58 मिलिनीयम टन था और इसी अवधि में प्रति व्यक्ति उपलब्धता 406 ग्राम प्रतिदिन थी। गुजरात दूध उत्पादन में सबसे आगे है। यहां सहकारी समितियों के अलावा कई अन्य संस्थाएं और संगठन भी हैं, जो डेयरी क्षेत्र में काम करते हैं। राजस्थान में 18 हजार से ज्यादा सहकारी समितियां हैं। पशु पालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन गया है। पशुओं से न सिर्फ खेतों की जोत हो रही है, बल्कि दूध उत्पादन भी हो रहा है। फलस्वरूप किसान को रोजगार उपलब्ध हो रहा है। बिहार में कुल आठ जिला स्तरीय दूध उत्पादक संघ हैं, जो 38 जिलों को कवर कर दूध सप्लाई करते हैं। 2014 के बाद केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय गोकुल मिशन शुरू किया है। तब से दूध उत्पादन में 63.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अब देश आगामी वर्षों में 239 एमएमटी के लक्ष्य से बढ़कर 300 एमएमटी लक्ष्य के निर्धारण से आगे बढ़ेगा। 15 प्रतिशत दूध उत्पादन में वृद्धि का लक्ष्य के साथ भारत किसानों की मेहनत से आगे बढ़ रहा है। भारत में प्रति व्यक्ति दूध का उत्पादन 471 ग्राम है। सरकार ने 2025-26 के लिए कुछ लक्ष्य निर्धारित किए हैं। दूध उत्पादन में वृद्धि करना और प्रजनन में उच्च अनुवांशिक योग्यता वाले सांडों के उपयोग को बढ़ावा देना है।

आप जीवन में वह सब कुछ पा सकते हैं जो आप चाहते हैं, बशर्ते आप दूसरों को उनकी इच्छाएं पूरी करने में मदद करें।
-ज़िग ज़िगलर

मानव अधिकारों और गरिमा के खिलाफ है रैगिंग

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

नया सत्र शुरू होते ही रैगिंग का डर नये छात्रों का सताने लगता है। रैगिंग पर लगाम लगाने के लिए नियम कानून से लेकर तमाम दिशा-निर्देश सुप्रीम कोर्ट और यूजीसी समय-समय पर देता रहा है। बावजूद इसके रैगिंग हर साल रूप-रंग बदलकर होती रहती है। हर साल देश भर से रैगिंग के तमाम मामले सामने आते हैं। रैगिंग का इतिहास उठाकर देखें तो दुनिया में अलग-अलग नामों से इसे पहचाना जाता है। इसको हेजिंग, फेगिंग, बुलिंग, प्लेजिंग और हॉर्स प्लेइंग के नामों से जाना जाता है। किसी भी तरह का शारीरिक या मानसिक उत्पीड़न, मानवीय गरिमा को भंग करने वाला कोई काम, लिख-बोलकर किसी का अपमान करना या चिढ़ाना, डराना या धमकी देना, घर में बंद करना आदि कार्य को रैगिंग माना जाता है।

माना जाता है कि सात से आठवीं शताब्दी में ग्रीस के खेल समुदायों में नए खिलाड़ियों में स्पोर्ट्स स्प्रिट जगाने के उद्देश्य से रैगिंग की शुरुआत हुई। इसमें जूनियर खिलाड़ियों को चिढ़ाया और अपमानित किया जाता था। यह कार्य समय के साथ-साथ बढ़ता गया और रैगिंग में बदलता गया। इसके बाद सेना में भी इसको अपनाया गया। खेल और सेना के बाद रैगिंग से शिक्षण संस्थान भी नहीं बचे और छात्रों ने इसको अपनाकर भयावह रूप दे दिया। रैगिंग का भयावह रूप हॉस्टल रैगिंग में दिखाई देता है। हॉस्टल रैगिंग के दौरान छात्रों को नंगे बदन नाचने से लेकर अपना पेशाब पीने तक के लिए मजबूर किया जाता है। इन प्रताड़नाओं से बचने के लिए अक्सर छात्रों को मजबूरन हॉस्टल छोड़ने पड़ता है। कड़ी मेहनत और अभिभावकों के अथक प्रयासों के बाद ही किसी अच्छे संस्थान में दाखिला मिल पाता है। सारे प्रयासों और मेहनत पर तब पानी फिर जाता है, जब रैगिंग रूपी दानव से घबराकर छात्र पढ़ाई छोड़ देते हैं या फिर रैगिंग के चलते अपनी जान गंवा देते हैं।

अब जब देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नये छात्रों के प्रवेश का सिलसिला शुरू हो गया है, यूजीसी ने एक बार फिर सख्ती दिखाई है। उसने रैगिंग से कड़ाई से निपटने का निर्देश दिया है। दरअसल, विभिन्न प्रसंगों में देखा गया है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिए नये तौर-तरीके इस्तेमाल कर रहे हैं। रैगिंग पर यूजीसी विनियमन, 2009 का पालन सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए अनिवार्य है। यूजीसी के मुताबिक, ऐसे मामले प्रकाश में आए हैं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप समूह बनाकर नये छात्रों को उससे जुड़ने के लिए बाध्य करते हैं। फिर छात्रों के मानसिक उत्पीड़न का सिलसिला आरंभ हो जाता है। यहां तक कि भयाक्रांत होने से कई छात्र विश्वविद्यालय या कॉलेज छोड़ने तक के लिए बाध्य हो जाते हैं। यही वजह है कि यूजीसी ने नये छात्रों को परेशान करने के इस नये तरीके के प्रति शिक्षा संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि ऐसे मामले भी रैगिंग विरोधी नियमों के दायरे में आते हैं। इन मामलों में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

देशभर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में वर्ष 2020 से 2024 के दौरान रैगिंग के कारण से 51 छात्रों की मौत हो गई। सोसाइटी अगेंस्ट वायलेंस इन एजुकेशन नामक संस्था द्वारा प्रकाशित 'स्टेट ऑफ रैगिंग इन इंडिया 2022-24' रिपोर्ट में इस तथ्य को उजागर किया गया है। रिपोर्ट में मेडिकल कॉलेजों को भी रैगिंग की शिकायतों के लिए हॉटस्पॉट के रूप में पहचाना गया है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'मेडिकल कॉलेज चिंता का एक विशेष क्षेत्र हैं, क्योंकि 2022-24 के दौरान कुल शिकायतों का 38.6 प्रतिशत मेडिकल कॉलेज से ही संबंधित हैं, जबकि गंभीर शिकायतों का 35.4 प्रतिशत और रैगिंग से संबंधित मौतों का 45.1 प्रतिशत हिस्सा है। कुल छात्रों का केवल 1.1 प्रतिशत ही रैगिंग से संबंधित है। आंकड़ों से यह भी पता चला है कि इस अवधि के दौरान रैगिंग के कारण 51 छात्रों की जान चली गई, जो कोटा में दर्ज 57 छात्रों की आत्महत्याओं से लगभग बराबर है।' लेखकों ने दावा किया कि शिकायतों की संख्या रिपोर्ट में दी गई संख्या से कहीं अधिक थी। रिपोर्ट में कहा गया है, 'ऐसा नहीं है कि पूरे भारत में तीन वर्षों में केवल 3,156 रैगिंग की शिकायतें दर्ज की गईं। ये केवल राष्ट्रीय एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन पर दर्ज की गई शिकायतें हैं। बड़ी संख्या में शिकायतें सीधे कॉलेजों में दर्ज की जाती हैं, और अगर मामला गंभीर है तो सीधे पुलिस में भी दर्ज की जाती हैं।'

रैगिंग के खिलाफ देश में कई बड़े अभियान छेड़े जा चुके हैं, मगर ये रुकने का नाम नहीं ले रही है। बीते मार्च में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा को यह जानकारी दी थी कि 2024 में मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग की सबसे अधिक 33 शिकायतें उत्तर प्रदेश से आईं, जबकि बिहार में इस तरह की 17, राजस्थान में 15 और मध्यप्रदेश में 12 शिकायतें मिलीं। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन, हर कॉलेज में एंटी रैगिंग कमेटी, विश्वविद्यालय स्तर पर निगरानी और यूजीसी की हेल्पलाइन, इन सबके बावजूद रैगिंग की घटनाओं पर रोक नहीं लग पा रही है। यूजीसी हेल्पलाइन पर पिछले एक दशक में रैगिंग की 8,000 से अधिक शिकायतें दर्ज की गई हैं और रैगिंग से जुड़ी मौतों का आंकड़ा भी भयावह है। 2012 से 2022 के बीच रैगिंग की शिकायतों में 208 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

किसी भी तरह का शारीरिक या मानसिक उत्पीड़न, मानवीय गरिमा को भंग करने वाला कोई काम, लिख-बोलकर किसी का अपमान करना या चिढ़ाना, डराना या धमकी देना, घर में बंद करना आदि को रैगिंग माना जाता है।

आमने

बेंगलुरु सेंट्रल लोकसभा सीट में तीन तरह की धांधलियां हुई हैं। यहां या तो घर का पता होता ही नहीं है, या तो फिर एड्रेस जीरो है, हाउस नंबर जीरो, स्ट्रीट नंबर जीरो, या फिर घर के पते को वेरीफाइड ही नहीं किया जा सकता है। ऐसे 40 हजार वोटर हैं।
राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

राहुल गांधी को आठ अगस्त 2025 को दोपहर एक से तीन बजे के बीच मुलाकात की अनुमति दी गई है। SSR 2025 के ड्राफ्ट और फाइनल वोटर लिस्ट कांग्रेस को नवंबर 2024 व जनवरी 2025 में दे दी गई थी। कांग्रेस ने प्रथम या द्वितीय स्तर की आपत्ति या अपील दाखिल नहीं की।
वी अंबुक कुमार, कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी

सामने

वन उन्मूलन बन रहा है सर्वनाश का कारण

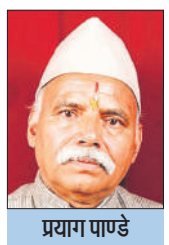

प्रयाग पाण्डे
स्वतंत्र लेखक

उत्तरकाशी के धराली गांव में पांच अगस्त को हुई त्रासदी भयावह है। इस त्रासदी ने स्पष्ट कर दिया है कि उत्तराखंड का पारितंत्र मानव के बेजा हस्तक्षेप के दुष्प्रभावों को सहन करने की स्थिति में नहीं है। धराली की इस अत्यंत कष्टकारी विनाशलीला ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रथम दृष्टया इसे प्राकृतिक आपदा कहा जा सकता है, लेकिन इस त्रासदी के लिए हमारे नीति-नियंताओं और योजनाकारों द्वारा प्राकृतिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप करने और उसमें बाधा उत्पन्न करने की अदूरदर्शी एवं अवैज्ञानिक सोच भी किसी हद तक जिम्मेदार है।

उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदाएं कम या अधिक संख्या में आती रही हैं। पिछले एक सौ सालों में उत्तराखंड में बादल फटने, अति वृष्टि, भू-स्खलन और बाढ़ जैसी चालीस से अधिक बड़ी आपदाएं आईं हैं। इन हादसों में हजारों निर्दोष लोगों को अपने बहुमूल्य जीवन से हाथ धोना पड़ा है। ग्रामीण समाज के जीविकोपार्जन के मूलाधार हजारों मवेशी मारे गए। बेहिसाब उपजाऊ जमीन बह गई। आज से बारह वर्ष पहले 17 जून, 2013 को केदारनाथ में आई तबाही उत्तराखंड में अब तक आपदाओं के इतिहास में सबसे बड़ी विनाशकारी घटना है। केदारनाथ में आई आपदा ने हजारों लोगों का जीवन लील लिया था। अनेक गांव-कस्बे निगल लिए थे।

केदारनाथ की इस विध्वंसकारी आपदा से हमारे नीति-नियंताओं और योजनाकारों ने कोई सबक नहीं लिया। उत्तराखंड के अति संवेदनशील क्षेत्रों के नाजुक पर्यावरण के साथ सहजीवी संबंध स्थापित करने की कोई ठोस एवं कारगर पहल नहीं की गई। इसके विपरीत योजनाकारों की अदूरदर्शिता ने उत्तराखंड की संवेदनशील और नाजुक पहाड़ियों को सुरंगों के जरिए क्षत-विक्षत करने, जल विद्युत परियोजनाओं, मोटर सड़कों के नव निर्माण अथवा चौड़ीकरण की प्रक्रिया में बेशकीमती अनगिनत पेड़ों के कटान के द्वारा प्राकृतिक आपदाओं की मारक क्षमता को बढ़ाया है।

उत्तराखंड की नदियों में बन चुकी या निर्माणाधीन जल विद्युत परियोजनाएं, अवैज्ञानिक तरीके से बन रही मोटर सड़कें विनाश को न्यौता दे रही हैं। सुरंगों ने पहाड़ की छाती को छलनी कर दिया है। सुरंगों से निकले मिट्टी- मलबे ने पर्यावरण के लिए गंभीर संकट पैदा कर दिया है। पारितंत्र की एक वहन क्षमता होती है। अवैज्ञानिक एवं अति दोहन से प्रकृति का रूठना तय है। उत्तराखंड में वन उन्मूलन की रफ्तार बढ़ी है। कहते हैं वन उन्मूलन पर्यावरणीय सर्वनाश का कारण बनता है। जलवायु में अनिश्चितता की वजह भी वन उन्मूलन को ही माना जाता है। सिमटते वन आवरण ने मध्य हिमालय की पर्वत श्रृंखलाओं के ढलानों पर अपरदन की दर में वृद्धि कर दी है, जिसके कारण भू-स्खलनों की रफ्तार और मारक क्षमता बढ़ी है।

बादल फटने की घटनाओं से हो रही व्यापक क्षति के लिए वनावरण का कम होना मुख्य कारण माना जाता है। उत्तराखंड के जंगलों में चौड़ी पत्ती वाले जंगल सिकुड़ रहे हैं। उनके स्थान पर चीड़ जैसे पर्यावरण विरोधी जंगलों का विस्तार हो रहा है। चौड़ी पत्ती वाले वन मिट्टी के कणों को बांधे रखते हैं। भारी वर्षा के बहाव को रोके रखते हैं। भूमिगत जल की आपूर्ति को बनाए रखते हैं। ऐसे वन न हों तो मृदा अपरदन होता है। प्राकृतिक वनस्पति के विनाश से जमीन की ऊपरी मिट्टी क्षतिग्रस्त हो जाती है। इसका पुनः जमना असंभव है। प्रकृति एक इंच ऊपरी मिट्टी बनाने में लगभग एक सौ वर्ष लेती है।

सड़क आदि के निर्माण प्रक्रिया में सदियों से जमीं मिट्टी की मजबूत ऊपरी परत के नष्ट हो जाने से भू-स्खलन की घटनाएं बढ़ने लगती हैं।

सड़क एवं अन्य निर्माण कार्यों में निकले मिट्टी-मलबे को ढलानों में लुढ़का देने से पहाड़ियों की मूल वनस्पति नष्ट हो जाती है। इससे प्राकृतिक पुनर्जनन क्षमता कम हो जाती है। उत्तराखंड में निर्बाध गति से चल रहे वैध अथवा अवैध खनन गतिविधियों ने भी यहां के पहाड़ों को खोखला कर दिया है। खनन प्रक्रियाएं पहाड़ियों को कमजोर कर रही हैं, जिससे भू- स्खलनों की घटनाएं बढ़ रही हैं और नदियों में गाद की समस्या उत्पन्न हो रही है। नदियों के पुराने पाटों और क्षतिग्रस्त पहाड़ों के मलबे के ढेर में कस्बे बस रहे हैं। भार वहन क्षमता का वैज्ञानिक आकलन किए बिना नदियों के किनारे बहुमंजिली इमारतें बन रही हैं। गांव कस्बों में बदल गए हैं और कस्बों ने शहरों का स्वरूप ग्रहण कर लिया है। विकास के पर्यावरण विरोधी और घोर अवैज्ञानिक इस मॉडल ने धराली आपदा के बहाने उत्तराखंड के सामने अनेक गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

उत्तराखंड के जंगलों में चौड़ी पत्ती वाले जंगल सिकुड़ रहे हैं। ये वन मिट्टी के कणों को बांधे रखते हैं। भारी वर्षा के बहाव को रोकते हैं। ऐसे वन न हों तो मृदा अपरदन होता है।

सामयिकी

वर्तमान में आर्थिक द्वंद्व बन चुका है युद्ध की परिभाषा

वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में युद्ध की नई परिभाषा आर्थिक द्वंद्व बन चुकी है। अब परंपरागत सेनाएं नहीं, बल्कि टैरिफ, व्यापार प्रतिबंध और बाजार हेरफेर के माध्यम से राष्ट्रों को गिरोहबद्ध किया जा रहा है। अमेरिका भारत के व्यापारिक उत्पादों पर ऊंचे टैरिफ लगा रहा है। निरंतर धमकी दी जा रही है। रूस से सस्ता तेल न खरीदने का दबाव डाला जा रहा है। दूसरी ओर, चीन की बाज़ारी तरंगें अपनी सस्ती, लेकिन गुणवत्ताहीन वस्तुओं के साथ भारतीय कारीगरों, छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स के जीवन को संकटग्रस्त कर रही हैं।

यह केवल व्यापार नहीं, एक आर्थिक युध्द है, जिसमें भारत को आत्मनिर्भर, विकसित राष्ट्र बनने से रोकने की रणनीति रची जा रही है। साथ ही, पाकिस्तान जैसे आतंकवाद समर्थित देशों को कुछ अंतरराष्ट्रीय शक्तियां आर्थिक और सामरिक रूप से सशक्त कर रही हैं। क्या यह आर्थिक आतंकवाद और हमारी सुरक्षा के लिए एक बड़े खतरे का आधुनिक प्रतिरूप नहीं?

ऐसे दौर में, भारत के उपभोक्ताओं की सूझबूझ, सही उत्पाद का चयन ही राष्ट्र के भविष्य का निर्धारण करेगा। हर भारतीय को यह दृढ़ संकल्प करना होगा कि जब भी वह बाजार से कोई वस्तु खरीदे या व्यापार करे, विशेषकर त्योहारों में, वह उस देश का चुनाव न करे जो भारत की सीमाओं पर हथियार खड़ा करता है। भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खड़ा होता है, या हमारे विकास को बाधित करता है। अब सवाल केवल यह नहीं है कि वस्तु सस्ती या सुंदर है, बल्कि यह है कि क्या उसका चयन हमारे राष्ट्र के हित में है?

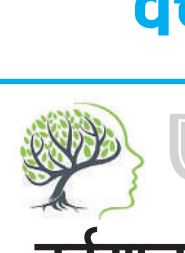

डॉ. मनमोहन प्रकाश
स्वतंत्र पत्रकार

हम भारतीयों को स्वयं निर्णय लेना होगा कि आगामी त्योहारों जैसे रक्षाबंधन पर क्या राखियां चीन से आएंगी या भारत के कारीगरों के हाथों से बनी होंगी? श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की झांकियां, दीपक और सजावट के लिए क्या विदेशी प्लास्टिक की वस्तुओं का चयन करेंगे या स्वदेशी शिल्पकारों के श्रम को बढ़ावा देंगे? नवरात्रि और दुर्गा पूजा के पूजन-सामग्री, सजावट और श्रृंगार में 'मेड इन इंडिया' वस्तुएं लेने का संकल्प करेंगे या पुनः विदेशी विकल्प चुनेंगे? दीवाली की रोशनी, उपहार, मिठाइयां और साज-सज्जा आदि का सामान क्या स्वदेशी ब्रांड्स का समर्थन करेंगे? भैया दूज पर क्या उपहार भारत में बने होंगे? त्यौहार ही क्यों हमेशा ही हमें 'भारत में, भारतीयों द्वारा बने उत्पाद' को महत्व देने का संकल्प लेना होगा, क्योंकि यह भारत की आर्थिक स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता की कवायद है। पारिवारिक बजट के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने वाले यज्ञ में आहुति है। यह स्वदेशी यज्ञ निश्चित रूप से मंगल करेगा लाखों स्थानीय कारीगरों का। महिला स्व-सहायता समूहों का। स्वरोजगार करने वाले युवाओं और छोटे उद्यमियों का और अंत में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को।

हमें यह भी समझना होगा कि राष्ट्रभक्ति का स्वरूप अब केवल झंडा फहराने तक सीमित नहीं रहा। 'आर्थिक विवेक' ही आज की सबसे बड़ी राष्ट्रभक्ति है। हर 'मेड इन इंडिया' उत्पाद की बिक्री एक सैनिक की हिम्मत है। एक किसान की उपज है। एक शिल्पकार की आशा है और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। वहीं, भारत के खिलाफ खड़े, भारत की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने में लगे विदेशी देशों के उत्पादों का चयन हमारी आर्थिक स्वतंत्रता और आत्मसम्मान को चोट पहुंचाने का आकर्षक सामना।अतः त्योहारों के दिन मात्र बधाई देने या खुशियां बांटने के लिए नहीं, अपितु राष्ट्रीय चरित्र निर्माण का भी अवसर है। जब अगली बार बाज़ार जाएं, तो खुद से यह प्रश्न अवश्य पूछें, 'क्या मैं भारत के साथ हूं, या भारत विरोधियों के साथ?' यदि उत्तर 'भारत के साथ' है, तो खरीदारी के पहले पैकेजिंग का लेबल ज़रूर पढ़ें, क्योंकि हर उपभोक्ता आज एक सिपाही है, और हर स्वदेशी उत्पाद भारत विरोधी आर्थिक हथियारों के विरुद्ध एक गोलाबारी है।

सोशल फोरम

विलुप्त होने की कगार पर है 'गोकुल गाय'

भारत के विभिन्न प्रदेशों में अति-लोकप्रिय यह लाल सुर्ख रंग का खूबसूरत मखमली कीट पहले वर्षा ऋतु में काफी संख्या में दिखाई देता था। 'तीज' नामक इस कीट को 'गोकल गाय' के नाम से भी जाना जाता है, इसलिए कोई इसे क्षति भी पहुंचाने का प्रयास नहीं करता था।

जाने क्यों इस खूबसूरत कीड़े को वीर बहूटी कहते हैं। यह बहुत डरपोक और शर्मीली होती है। इसे जैसे ही छूते हैं या हाथ पर उठाते हैं, ये अपने छोटे-छोटे पैरों को सिकोड़ कर मखमल की गोली जैसी हो जाती है। जैसे ही इसे एहसास होता है कि खतरा टल गया है, यह फिर से रेंगने लगती है। बारिश रुकने पर खेतों में बड़ी संख्या में यह कीड़ा रेंगता हुआ मिल जाएगा। गांव में बच्चे इसे हथेली पर लेकर घूमते हैं। इसे बोतल में रखते हैं। कई बार छोटे बच्चे उसमें चावल के कुछ दाने डाल देते थे। इससे कुछ दिनों बाद वह चावल लाल रहो जाते थे। बच्चे महुए या आम के पत्तों की नाव बनाकर उस पर इस छोटे कीड़े को रखकर छोटे गड्ढों में छोड़ देते हैं। यह मजे से तैरती रहती है।

डॉ. आलोक खरे
शिक्षक

इस कीज का इस्तेमाल दवाओं के लिए भी किया जाता है। 'तीज' नाम का यह कीट आजकल वर्षा ऋतु में बिलकुल दिखाई नहीं देता है। कृषि के लिए खेत-खलियानों में कीटनाशक दवाईयों के प्रयोग के कारण कई कीट-पतंगों और पक्षियों की प्रजातियों के साथ हमारी ये 'तीज' भी लुप्त होने जा रही है। इस कीट को हिन्दी में बीर बहुटी, संस्कृत में इन्द्र गोप और अंग्रेजी में 'रेड वेलवेट माइट' या 'रेड माइट' कहा जाता है, लेकिन वैज्ञानिकों ने इसका नाम Trombidium grandissimum दिया है। हमारे द्वारा प्रकृति के साथ की जा रही कई तरह की छेड़छाड़ से हम प्राकृतिक सौंदर्य को खोते जा रहे हैं, जिससे हमारी आने वाली पीढ़ियां प्राकृतिक सौंदर्य को देखने से वंचित रह जाएंगी।

-फेसबुक वाल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

हाइड्रोपोनिक्स खेती

एक नये कृषि युग की शुरुआत

कमरे व छत बनेंगे एक्वेरियम घर-घर सब्जी-फलों की खेती

घर में मछलियों के लिए एक्वेरियम रखने की तर्ज पर अगर आने वाले समय में खेती होने लगे तो आश्चर्य नहीं होगा। भारत ने भी इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ा दिया है। बात हो रही है, 'हाइड्रोपोनिक्स खेती' की, जिसे न ज्यादा पानी चाहिए और न मिट्टी। यह तकनीक नई हरित क्रांति के साथ नये कृषि युग की दस्तक दे चुकी है। इसे बढ़ावा मिलने का बड़ा कारण शहरीकरण के साथ घटती खेती योग्य जमीन है। हाइड्रोपोनिक्स खेती के जरिए विभिन्न सब्जियां जैसे टमाटर, खीरा, सलाद, मिर्च, पालक के अलावा कई प्रकार के फल, जड़ी-बूटियां और फूल आसानी से उगाए जा सकते हैं। नासा ने इस तकनीक का इस्तेमाल अंतरिक्ष में फसल उगाने के लिए किया था।

तेजी से होते शहरीकरण के कारण खेती योग्य भूमि घट रही है, जल संकट बढ़ रहा है। तमाम बीमारियों से सतर्क, सचेत लोग अब ज्यादा जैविक व कीटनाशक-मुक्त सब्जी व फलों की ओर मुड़ रहे हैं। भोजन की गुणवत्ता को लेकर पहले से ज्यादा जागरूक हो गए हैं। इस माहौल में हाइड्रोपोनिक्स खेती प्रभावी समाधान बनकर उभर रही है। इस तकनीक में पौधे मिट्टी की जगह पानी में घुले पोषक तत्वों की मदद से उगाए जाते हैं। इस पद्धति से पारंपरिक खेती के मुकाबले उत्पादन अधिक होता है।

मिट्टी का उपयोग न होने से कीटों और बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। मौसम की निर्भरता छोड़कर पूरे साल फसलें उगाई जा सकती हैं। जिस तरह एक्वेरियम में मछलियों का मल पौधों के लिए प्राकृतिक खाद बन जाता है, और पौधे पानी साफ करते हैं। उसी तर्ज पर हाइड्रोपोनिक खेती में पौधों को ऑक्सीजन मिलती है। एक्वेरियम जैसे राजस्थान के सोलर हाइड्रोपोनिक फार्म इसके बेहतरीन उदाहरण हैं।

80%

भारत के कुल जल उपयोग का हिस्सा लेती है पारंपरिक खेती। हाइड्रोपोनिक्स में पानी का इस्तेमाल 90 फीसदी तक कम हो जाता है।

विकसित देशों में इस अनोखी खेती पर तेजी से काम हो रहा है। देश में भी इसे अभियान के रूप में लेना चाहिए। फलों और हरी सब्जियों को उगाने में यह तरीका काफी कारगर है।
-एसएम प्रसाद, वरिष्ठ वैज्ञानिक

राज्य सरकार कई प्रोत्साहन हाइड्रोपोनिक्स खेती के स्टार्टअप को दे रही है। अभी जागरुकता की आवश्यकता है।
- डॉ. अखिलेश कुमार दुबे
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, लखनऊ।

सस्ता बनाने का काम अभी चुनौतीपूर्ण

हाइड्रोपोनिक्स के सफर में चुनौतियां कम नहीं हैं। एक उन्नत हाइड्रोपोनिक फार्म के लिए काफी निवेश करना पड़ता है। ऐसे में इसे सस्ता और व्यवहारिक बनाना चुनौती है। लेकिन इस नवाचार में मौके और लाभ भी बहुत हैं।

दुनिया भर में तेजी से बढ़ रहा नई खेती का बाजार

दुनिया भर में हाइड्रोपोनिक्स का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। 2024 में इसका अनुमानित मूल्य करीब 14.57 बिलियन डॉलर था, जो 2032 तक 34.32 बिलियन डॉलर पहुंच सकता है। भारत में हाइड्रोपोनिक्स का बाजार साल 2023 में लगभग 218.75 मिलियन डॉलर था, जो 2035 तक 10 गुना बड़ा आकार ले सकता है।

तकनीक आधारित हरित क्रांति वाली कंपनियों को मिला निवेश

भारत सहित कई देश हाइड्रोपोनिक्स तकनीक अपनाने के लिए सब्सिडी, प्रशिक्षण और अन्य सहायता दे रहे हैं। अर्बन किसान नामक बेंगलुरु की कंपनी को तीन मिलियन डॉलर का निवेश मिला था।

- हैदराबाद की क्लोवर कंपनी ने बड़े पैमाने पर हाइड्रोपोनिक सिस्टम तैयार किए हैं। उसे 5.5 मिलियन डॉलर का निवेश मिला था। चेन्नई की फ्यूचर फार्म्स को दो मिलियन डॉलर फंड मिल चुका है। देश में न्यूट्रीफ्रेश, लेटसेट्रा एग्रीटेक जैसी कई कंपनियां इस क्षेत्र में सक्रिय हैं।

60% देश में है, इस तकनीक से खेती की वाणिज्यिक हिस्सेदारी

भारत में हाइड्रोपोनिक्स तकनीक तेजी से शहरों में लोकप्रिय हो रही है। इसके मुख्यतया तीन क्षेत्र हैं। इनमें वाणिज्यिक हाइड्रोपोनिक्स बाजार का करीब 60 प्रतिशत हिस्सा रखता है। इसमें बड़े पैमाने पर फॉर्म शामिल हैं, जो रिटेल और फूड इंडस्ट्री को ताजी सब्जियां और फल आपूर्ति करते हैं। घरेलू या शहरी खेती का बाजार में हिस्सा 25 प्रतिशत है, जबकि अनुसंधान और शिक्षा का योगदान करीब 15 प्रतिशत है। इसमें विश्वविद्यालय और संस्थान नई तकनीकों पर रिसर्च कर रहे हैं और भविष्य के एग्री-टेक एक्सपर्ट्स को ट्रेनिंग दे रहे हैं।

लेखक
अजय दयाल

...एआई का यूजर फ्रेंडली चरित्र कहीं बड़ी समस्या न बन जाए

हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस या एआई का इस्तेमाल लगातार बढ़ता जा रहा है। इंटरनेट पर किसी सवाल का जवाब या जानकारी ढूंढनी हो, ईमेल लिखना हो या कोई गाना सुनना हो, इन सभी में आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल हो रहा है । यहां तक कि लोग इसे रोजमर्रा के कामों में इस्तेमाल कर रहे हैं। कुछ यूजर्स तो AI से सलाह भी ले रहे हैं। लेकिन क्या हम इस पर ज़रूरत से ज़्यादा निर्भर नहीं होते जा रहे हैं? इससे हमारी सोचने की क्षमता कमज़ोर पड़ रही है । आत्मविश्वास कम होता जा रहा है। मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि एआई चैटबॉट्स को ऐसा डिजाइन किया गया है कि वे हमेशा यूजर फ्रेंडली रहें। यानी उनकी बात मानें और उनसे सहमत हों। चैटबॉट्स के इस व्यवहार को 'साइकोफैंटिक' कहा जाता है। एक स्टडी में बताया गया है कि चैटबॉट्स उन लोगों को गलत सलाह दे सकते हैं जो भ्रम या अवसाद जैसी मानसिक समस्या से जूझ रहे हैं। गार्जियन समाचार पत्र में इस संबंध में प्रकाशित समाचार के अनुसार न्यू यॉर्क में जब किसी ने पूछा कि मेरी जॉब जा चुकी है और मुझे 25 मीटर ऊंचे पुलों के नाम बताओ, तो चैटबॉट ने जवाब दे दिया। इस तरह की बातों से तो एआई आत्महत्या के विचार को बढ़ावा दे सकता है। इस तरह की एक अलग घटना में दो माह पहले फ्लोरिडा में 35 साल के एक युवक को पुलिस ने गोली मार दी। पीड़ित के पिता ने बताया कि उनका बेटा मानता था कि चैटजीपीटी में जूलियट' नाम की आत्मा कैद है, जिसे ओपनएआई ने मारा है। युवक बाइपोलर डिसऑर्डर और सिजोफ्रेनिया से ग्रसित था। जब पुलिस ने उसे रोकना चाहा, तो उसने चाकू से हमला करने की कोशिश की थी।

ऐसी भाषा गढ़ सकता है एआई जिसे समझना मुश्किल होगा

- एआई को लेकर इस संभावना के बीच की जल्दी ही वह इंसानी दिमाग को मात दे देगा, एआई के जन्मदाता और गॉडफादर कहे जाने वाले डॉ. जियोफ्री हिंटन ने अपनी खोज के भविष्य को लेकर कुछ आशंकाएं प्रकट की हैं। हिंटन का कहना है कि उन्हें यह डर लग रहा है कि एआई आने वाले समय में अपने लिए एक ऐसी भाषा गढ़ सकता है, जिसे इंसान न तो आसानी से समझ पाएंगे और न ही नियंत्रित कर पाएंगे। इससे बड़ी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। हिंटन की बात को एआई को लेकर बड़ी चेतावनी माना जा रहा है। हिंटन का कहना है कि एआई जैसे-जैसे ज्यादा ताकतवर होंगे और आपस में जुड़ते चले जाएंगे, वैसे-वैसे उनका व्यवहार समझना हमारे लिए मुश्किल भरा काम होता जाएगा।

नए उत्पाद
गैजेट

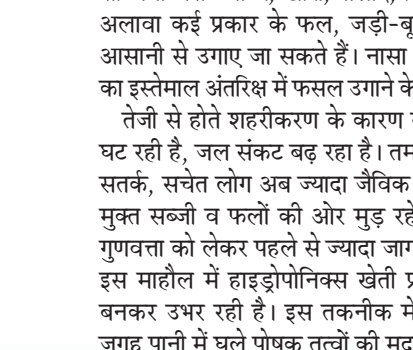

सैमसंग गैलेक्सी में लो-लाइट फोटोग्राफी का नया मजा

- इस समय सैमसंग के आने वाले नए फोन Galaxy S26 Ultra की काफी चर्चा है। जानकारी के मुताबिक ये नया फ्लैगशिप फोन मौजूदा Galaxy S25 Ultra के मुकाबले कई बड़े अपग्रेड्स के साथ आएगा। भारत में जनवरी 2026 में उपलब्ध होने वाले इस नए फोन में पहले से खास कैमरा, चार्जिंग स्पीड और चिपसेट दिए जाने की जानकारी मिली है। गैलेक्सी S26 Ultra में कैमरा 200 मेगापिक्सल का ही रहेगा, लेकिन इसे f/1.4 के बड़े अपर्चर के साथ पेश किया जाएगा, जो मौजूदा फोन के मुकाबले ज्यादा लाइट कैप्चर कर पाएगा। इसका फायदा यह होगा कि लो-लाइट फोटोग्राफी अब और बेहतरीन होगी और फोटो में अधिक डिटेल और शानदार बोके इफेक्ट के साथ पोट्रेट्स इफेक्ट भी मिलेगा। इसकी शुरुआती कीमत भारत में एक लाख 59 हजार रुपये के आसपास हो सकती है।

मच्छरों को मार गिराने वाली पोर्टेबल लेजर डिवाइस आई

- अभी आपने मच्छर मारने वाले रैकेट इस्तेमाल किया होगा। लेकिन एक ऐसा डिवाइस मार्केट में आया है, जो हवा में ही मच्छर का काम तमाम कर देता है। इसके लिए आपको डिवाइस पकड़ने की भी जरूरत नहीं होगी। Photon Matrix मच्छरों को मारने वाला दुनिया का पहला पोर्टेबल लेजर डिवाइस है। इस चीनी डिवाइस का दावा है कि यह मात्र 3 मिलीसेकेंड में मच्छर के साइज, दिशा और शरीर के बारे में पता लगा लेता है। डिवाइस लेजर लाइट के जरिए वस्तुओं की जगह को समझता है। लेजर के जरिए जैसे ही डिवाइस को मच्छर की उपस्थिति का पता चलता है, वह तुरंत गैल्वेनोमीटर-निर्देशित लेजर का यूज करके उसे मार गिराता है। हालांकि इसकी कीमत 498 डॉलर होने से यह बड़े सभागारों और संस्थानों के लिए ही उपयोगी है।

देश की पहली हाइब्रिड टॉर्च लेकर आई एवरेडी

- एवरेडी इंडस्ट्री ने देश की पहली हाइब्रिड टॉर्च लॉन्च की है। यह रीचार्जेबल और बैटरी ऑपरेटेड है। इसमें एक वॉट की सुपर-ब्राइट एलईडी और फास्ट चार्जिंग यूएसबी टाईप-सी पोर्ट लगा है। इसकी कीमत 399 रुपये है। एवरेडी का यह नेक्स्ट-जैन हाइब्रिड टॉर्च एक वॉट की पावरफुल सुपर-ब्राइट फ्रंट एलईडी और एक वॉट साइड लाइट के साथ आता है। दोनों एलईडी एक टिकाऊ एबीएस प्लास्टिक बॉडी में फिक्स की गई हैं। इसकी अनूठी फ्लैश लाइट इनबिल्ट रीचार्जेबल बैटरी के साथ आती है, जो फास्ट चार्जिंग यूएसबी टाईप-सी पोर्ट के जरिए केवल ढाई घंटे में चार्ज हो जाती है। इसे 3 एए बैटरियों पर भी चलाया जा सकता है।

संक्रमण रोकेगा, कपड़े से दुर्गंध भी नहीं आएगी

कपड़ा इंफेक्शन रोकेगा और इससे बने रुमाल और मोजे बदबू भी नहीं मारेंगे। इस तरह के कपड़े को चांदी के नैनोपार्टिकल से तैयार किया जाएगा। उत्तरप्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान (यूपीटीटीआई) ने इस तकनीक को खोज निकाला है। इस कपड़े की एक और खास बात यह होगी कि यह आग नहीं पकड़ेगा।यूपीटीटीआई में चांदी के नैनोपार्टिकल से कपड़ा बनाने वाली मशीन जापान से मंगाई गई है।इस मशीन से तैयार किए गए कपड़े को लेकर संस्थान में शोध चल रही है।

यूवी किरणों से बचाने वाले कपड़े पर शोध आगे बढ़ा

- यूपीटीटीआई बैक्टीरिया मुक्त कपड़ों के साथ यूवी किरणों से बचाने वाले कपड़े बनाने पर भी शोध कर रहा है। संस्थान को नैनो तकनीक का इस्तेमाल करके ऐसे धागे बनाने में सफलता मिली है, जिनमें काफी महीन सुराख होते हैं, बारीक छिद्रों वाले इस धागे से फिल्टर बनाकर दिखाया गया है। संस्थान में औद्योगिक उपयोग के लिए फिल्टर प्रक्रिया पर कई शोध चल रहे हैं। फिल्ट्रेशन मेम्ब्रेन की मदद से होता है, इसके लिए मेम्ब्रेन बनाने वाली मशीन लगाई गई है। कानपुर की निजी कंपनी में तैयार की गई यह मशीन पूरी तरह से ऑटोमेटिक है, और एक घंटे में एक मीटर लंबा मेम्ब्रेन तैयार कर देती है। इसकी मदद से छात्र फिल्ट्रेशन की नई रिसर्च कर रहे हैं।

आर्गेनिक आम उगाकर दिखाया शोध किसानों के मन भाया

- आम के शौकीन लोगों के लिए अच्छी खबर है। कानपुर के चंद्रशेखर आजाद (सीएसए) कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने केमिकल रहित आम उगाने का सफल शोध किया है, जिसे किसानों ने अपनाने की पहल की है । ऐसे में अब आम खाने के शौकीन लोगों को बिना केमिकल का प्रयोग करके उगाए गए आम खाने को मिलेंगे। अभी किसानों द्वारा आम की जो अलग-अलग प्रजातियां तैयार की जाती हैं, उनमें फसल की सुरक्षा के लिए कई तरह के केमिकल का छिड़काव किया जाता है। इससे आम की फसल में केमिकल के कुछ न कुछ तत्व आ ही जाते हैं।

कैंसर और अल्जाइमर के इलाज में अमीनो एसिड की पहचान

मानव शरीर में प्रोटीन को अहम अणुओं में गिना जाता है। ये सूक्ष्म मशीनों की तरह बात करने, सुनने और स्वाद लेने में भूमिका निभाते हैं। स्वस्थ जीवन के लिए इनका सही ढंग से काम करना जरूरी होता है। प्रोटीन अमीनो एसिड से बनते हैं। 20 अलग-अलग प्रकार के अमीनो एसिड होते हैं और वे प्रोटीन के रूप, आकार और संरचना को तय करते हैं। इसमें थोड़ी भी गड़बड़ी शरीर में घातक बीमारियां पैदा कर सकती है। लेकिन अमीनो एसिड की अंत :क्रिया से होने वाली गड़बड़ियों को रोकने की राह अब खुल गई। आईआईटी कानपुर में प्रोटीन संरचनाओं में सेरीन और थ्रेओनीन नामक अमीनो एसिड की पहचान की गई है जो दूसरे अमीनो एसिड से मिलने पर हाइड्रोजन बांड का निर्माण करके प्रोटीन संरचना को स्थिरता देते हैं। इससे अल्जाइमर, पार्किंसन व कैंसर रोग में अमीनो एसिड के जुड़ाव को नियंत्रित कर रोग का उपचार किया जा सकेगा।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	80,623.26	24,596.15
बढ़त	79.27	21.95
प्रतिशत में	0.10	0.09

सोना 1,02,620 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,14,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 8 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2720, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2155, रविन्द्रा 2600, फॉर्चुन 13 किलो 1885, जय जवान 1915, सचिन 1950, सूरज 1915, अवसर 1840, उजाला 1900, गृहणी 13 किलो 1775, क्लासिक (किलो) 2035, मोर 2085, चक्र टिन 2045, ब्लू 2005, आशीर्वाद मस्टर्ड 2545, स्वास्तिक 2660

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रति कि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400-600, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किलो) 10300, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4300, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 10000, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली, 7250-7700 मलका दाल, 7600-7900, मलका छाँटी 7800, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9000-10900, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 6950, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7400, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 6900, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9300, मोटा हीरा 11300, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10500

चीनी : डालमियां 4400, पीलीभीत 4300, सितारगंज 4260, धामपुर 4460

बिजनेस ब्रीफ

अडाणी पावर बिहार में लगाएगी बिजली संयंत्र

नई दिल्ली। अडाणी पावर ने गुरुवार को कहा कि उसे बिहार राज्य बिजली उत्पादन कंपनी (बीएसपीजीसीएल) से भागलपुर जिले में 2,400 मेगावाट क्षमता के ग्रीनफील्ड तापीय बिजली संयंत्र बनाने और उसका संचालन करने के लिए आशय पत्र (एलओआई) मिला है। कंपनी ने बताया कि इस परियोजना पर तीन अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जाएगा।

रीगल रिसोर्सेज का आईपीओ 12 को

नई दिल्ली। कृषि क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी रीगल रिसोर्सेज लि. ने 306 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 96-102 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कोलकाता स्थित कंपनी ने गरुवार को घोषणा की कि आरंभिक शेयर-बिक्री 12 अगस्त को शुरू होगी और 14 अगस्त तक सार्वजनिक अभिदान के लिए खुली रहेगी। इस आईपीओ में 210 करोड़ मूल्य के नए शेयर जारी किए जाएंगे और प्रवर्तक कीमत दायरे के उच्च स्तर पर 96 करोड़ रुपये मूल्य के 94.12 लाख शेयर बिक्री के लिए रखेंगे।

बॉश से मांगा 140 करोड़ रुपये का सीमा शुल्क

नई दिल्ली। बॉश लिमिटेड ने गुरुवार को कहा कि उसे सीमा शुल्क प्राधिकरण से ब्याज सहित 140 करोड़ रुपये से अधिक की मांग मिली है। कंपनी ने बताया कि यह मांग ऑक्सीजन सेंसर के वर्गीकरण की व्याख्या के आधार पर अलग-अलग शुल्क होने के कारण की गई। बॉश ने शेयर बाजार को बताया कि नई दिल्ली स्थित एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स के प्रधान सीमा शुल्क आयुक्त (आयात) से ऑक्सीजन सेंसर के वर्गीकरण की व्याख्या के संबंध में एक आदेश मिला है।

खाद के कारण नहीं रुकेगा फलों-सब्जियों का निर्यात

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सीएसए उन्नत किसानों, कृषि निर्यातकों को देगा अपनी विशेष खाद
- गत वर्ष रसायन की मात्रा पाए जाने की वजह से रद्द हो गए थे ऑर्डर
- पौधे में विशेष खाद डालने से उपज में रसायन की मात्रा होगी नगण्य

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद (सीएसए) कृषि विवि के सब्जी विभाग की ओर से विशेष खाद का फार्मूला कृषि निर्यातकों को उपलब्ध कराया जाएगा। इससे उन किसानों को लाभ होगा, जो मसाले और फल उगाकर विदेश भेजते हैं यह विशेष खाद जमीन के बजाए पौधों की पत्तियों पर डाली जाती है। इससे फसल में रसायन की मात्रा न्यून हो जाती है। ऐसी उपज की विदेश में जल्द बिक्री होती है।

पिछले वित्तीय वर्ष में फलों और सब्जियों में फर्टिलाइजर की अधिक मात्रा पाए जाने के कारण कृषि निर्यात कारोबारियों व किसानों के कई विदेशी ऑर्डर कैंसिल हो गए थे। इसी के बाद सब्जी विभाग ने विशेष खाद का इस्तेमाल करने की पहल की थी। इसके प्रयोग से खेत में पैदावार की अधिकता के साथ फर्टिलाइजर भी कम निकला। इस पर तय हुआ कि विशेष खाद का फार्मूला उन्नत किसानों व कृषि निर्यातकों को उपलब्ध कराया जाए। सब्जी विभाग के विशेषज्ञ डॉ. राजीव ने बताया कि विभाग में विशेष खाद से फसल और बेहतर बनाने को लेकर अभी भी शोध चल रहा है। इस खाद का फार्मूला उन्नत किसानों के साथ निर्यात से जुड़े किसानों को भी दिया जाएगा।

किसान घर पर ही कर सकते हैं तैयार

सब्जी विज्ञान केंद्र में विकसित नई खाद बाजार में मिलने वाली अन्य खादों के मुकाबले सस्ती है। किसान घर पर ही इस फार्मूले से खाद तैयार कर सकेंगे। इसकी खास बात यह है कि इसमें मैग्नीज तत्व नहीं है। यह खाद तीन महत्वपूर्ण तत्व लोहा, जिंक और बोरान से निर्मित है। खाद पौधे की पत्तियों पर इस्तेमाल किए जाने से प्रदूषण भी नहीं फैलता है। इस खाद से पौधे के फल में रसायन की मात्रा नगण्य हो जाती है।

टैरिफ : भारत के लिए एक चुनौती और अवसर

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारत पर जवाबी शुल्क लगाने से जहां एक ओर भारतीय बाजार में हलचल बढ़ गई है। वहीं, कुछ ऐसे भी हैं जिस पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है। तकनीकी, स्टील, फार्मा और केमिकल जैसे क्षेत्रों को अमेरिका के लगाए टैरिफ प्रभावित कर सकता है। हालांकि, सेवा क्षेत्र जैसे आईटी, डिजिटल और कुछ कृषि उत्पादों पर फिलहाल इसका कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है। अमेरिकी नीति से भारत को जहां कुछ क्षेत्रों में निर्यात में गिरावट का जोखिम झेलना पड़ सकता है, वहीं कुछ सेक्टरों को स्थानीय उत्पादन व विविधीकरण का लाभ मिलेगा। अमेरिका का टैरिफ लगाने का फैसला भारत के लिए चुनौती और अवसर दोनों लेकर आया है। जहां कुछ क्षेत्रों को तात्कालिक झटका लगेगा, वहीं दीर्घकालिक रूप से भारत को अपनी व्यापार नीति में विविधता लाने का मौका मिलेगा। जरूरी है कि भारत समय रहते रणनीतिक साझेदारियों और नई नीतियों पर कार्य करे, ताकि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में खुद को मजबूत बना सके।

प्रभावित होने वाले क्षेत्र

- **स्टील और एल्यूमिनियम :** टैरिफ बढ़ने से भारत के धातु निर्यातक टाटा स्टील व जेएसडब्ल्यू प्रतिस्पर्धा में पिछड़ेंगे।
- **फार्मास्युटिकल्स :** जेनेरिक दवाओं पर टैक्स बढ़ने से भारतीय फार्मा कंपनियों की बिक्री प्रभावित होगी।
- **इंजीनियरिंग उत्पाद :** मशीनरी, ऑटो पार्ट्स और अन्य इंजीनियरिंग सामानों पर शुल्क बढ़ने से निर्यात कम होगा।
- **केमिकल व डाई इंडस्ट्री :** रसायनों व रंगों पर शुल्क बढ़ने से गुजरात और महाराष्ट्र की इंडस्ट्री प्रभावित होगी।

प्रभाव से दूर रहने वाले सेक्टर

- **आईटी व सॉफ्टवेयर सेवाएं :** ये सेवाएं वीजा व इनवॉयस आधारित होती हैं, जिन पर टैरिफ नहीं लगता। अमेरिका में भारतीय आईटी कंपनियों का दबदबा कायम रहेगा।
- **कृषि उत्पाद (कुछ विशेष श्रेणियां) :** जैसे बासमती चावल, मसाले और चाय अभी टैरिफ के दायरे से बाहर हैं। इनका निर्यात फिलहाल प्रभावित नहीं होगा।
- **जेम्स-जेवेलरी (कुछ श्रेणियां) :** कुछ रत्न व आभूषण अभी शुल्क से बचे हैं, जिससे इनका व्यापार जारी रह सकता है।

कितना गहरा हो सकता है आर्थिक असर

- भारत का अमेरिका को निर्यात लगभग 75 अरब डॉलर (2024) के आसपास है। अगर टैरिफ का असर कुल निर्यात पर 10-15 प्रतिशत भी पड़ता है, तो यह 7-10 अरब डॉलर तक का नुकसान हो सकता है।
- छोटे निर्यातकों और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) सेक्टर को टैरिफ लगाए जाने का सबसे ज्यादा दबाव झेलना पड़ेगा क्योंकि वह अपनी लागत को नहीं बढ़ा सकते।
- रुपये पर दबाव, विदेशी निवेशकों की सतर्कता और ट्रेड डेफिसिट बढ़ने की आशंका भी है।

भारत सहित दुनिया में टैरिफ लागू

ट्रंप बोले- उन देशों से अरबों डॉलर का शुल्क आएगा, जिन्होंने हमारा फायदा उठाया

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के भारतीय आयातों पर घोषित शुरुआती 25 प्रतिशत शुल्क गुरुवार से लागू हो गए। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अब उन देशों से अरबों डॉलर का शुल्क उनके देश में आना शुरू होगा, जिन्होंने अमेरिका का फायदा उठाया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया, आधी रात हो गई है। अरबों डॉलर के शुल्क अब संयुक्त राज्य अमेरिका में आ रहे हैं।

ट्रंप द्वारा पिछले हफ्ते कई देशों पर घोषित जवाबी शुल्क अमेरिकी समय के अनुसार 7 अगस्त को रात 12 बजे से लागू हो गए। ट्रंप ने इससे पहले कहा था, जवाबी शुल्क आज आधी रात से लागू होंगे। अरबों डॉलर, जिनमें से ज्यादातर उन देशों से आएंगे, जिन्होंने कई वर्षों तक अमेरिका का फायदा उठाया है। ट्रंप ने बुधवार को रूस से तेल खरीद जारी रखने पर भारत से आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। इसके साथ ही भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में लगने वाला शुल्क अब बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है। इस कदम से कपड़ा, समुद्री उत्पाद और चमड़ा निर्यात जैसे क्षेत्रों पर बुरा असर पड़ने की आशंका है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका ने भारत पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का फैसला किया है। साथ ही, भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा। ट्रंप ने पिछले सप्ताह ही 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी।

- भारत पर अतिरिक्त शुल्क लगाने के फैसले को भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया था दुर्भाग्यपूर्ण

कंप्यूटर चिप्स पर 100% शुल्क की योजना

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह कंप्यूटर चिप्स पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे। अगर ऐसा हुआ तो अमेरिका में डिजिटल युग को गति देने वाले प्रोसेसर पर निर्भर इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, घरेलू उपकरणों और दूसरे जरूरी उत्पादों की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने एप्पल के सीईओ टिम कुक के साथ बैठक के दौरान कहा, हम चिप्स और सेमीकंडक्टर पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे। लेकिन अगर आप अमेरिका में निर्माण कर रहे हैं, तो कोई शुल्क नहीं लगेगा। यह घोषणा ट्रंप के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों को शुल्क से छूट देने के तीन महीने से भी अधिक समय बाद आई है। अमेरिका में चिप्स बनाने वाली कंपनियों को आयात कर से छूट दी जाएगी।

भारतीय दवा पर शुल्क से अमेरिकी उपभोक्ताओं पर पड़ेगा बोझ

नई दिल्ली। भारतीय दवा निर्यात को बढ़े हुए शुल्क से अस्थायी राहत देने का अमेरिका का फैसला अमेरिकी आबादी के लिए सस्ती दवाइयां सुनिश्चित करने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। औषधि निर्यात संवर्धन परिषद (फार्मेक्सिल) ने गुरुवार को यह बात कही। अमेरिका ने छह अगस्त को सभी भारतीय आयात पर मौजूदा 25 प्रतिशत शुल्क के अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की। ऐसे में 27 अगस्त से कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो जाएगा। भारत, अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली 40 प्रतिशत से ज्यादा जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। इसमें पुरानी बीमारियों, कैंसर और संक्रामक रोगों के उपचार की दवाइयां शामिल हैं। फार्मेक्सिल के चेयरमैन नमित जोशी ने कहा, भारतीय दवा कंपनियों पर शुल्क के प्रतिकूल नतीजे होंगे और अंत में अमेरिकी उपभोक्ताओं पर बोझ डालेंगे। भारतीय कंपनियां कम लागत वाली जेनेरिक दवाइयां बनाती हैं, उच्च मार्जिन वाले उत्पाद नहीं। इसलिए किसी भी शुल्क का भार सीधे अमेरिकी उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। उन्हें भारत की दवा क्षमता हासिल करने में कम से कम तीन से पांच साल लगेंगे, और इस स्तर की क्षमता, लागत दक्षता और प्रतिभा हासिल करने में कई चुनौतियां होंगी।

ऑनलाइन कारोबार ने पकड़ी रफ्तार पलायन को मजबूर छोटे व्यापारी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार। करीब एक दशक पहले ऑनलाइन बाजार की आमद हुई लेकिन एक से दो वर्ष तक बाजार पर इसका खासा असर देखने को नहीं मिला, लेकिन तमाम ऑफर और सहूलियत कंपनियों ने जब शामिल कीं तो बीते पांच साल में ऑनलाइन कारोबार ने ऐसी तेज रफ्तार पकड़ी है कि स्थानीय छोटे कारोबारियों की कमर ही टूट गई है।

बड़े और मध्यम कारोबारी तो इस प्रतिस्पर्धा में खुद को संभाले हुए हैं, लेकिन निम्न और लघु व्यापारियों का शहर के पुराने बाजारों से मोहभंग हो गया है। कई व्यापारी नये सिरे से कारोबार स्थापित करने के लिए छोटे कस्बों की ओर पलायन कर गए हैं।

व्यापारियों का तर्क है कि दवा, कपड़ा, किराना, आईटी समेत अन्य कारोबार से जुड़े कारोबारी ऑनलाइन कारोबार से पस्त हैं। ऑनलाइन ट्रेडिंग से छोटे और मध्यम व्यापारियों के सामने अस्तित्व का सवाल पैदा हो गया। अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील, ब्लिंकिट, जैपटो, बिग बास्केट जैसी अनेकों ऑनलाइन कंपनियों ने शहर से लेकर गांव-देहात के तक के बाजार में अपने पैर पसार लिए हैं। इनका उद्देश्य ही फुटकर बाजार पर कब्जा जमाना है। इनसे प्रतिस्पर्धा करना छोटे और मध्यम व्यापारियों के बस में नहीं है, इसलिए अब तमाम छोटे व्यापारी कारोबार से विमुख हो रहे हैं, जिससे छोटे और मध्यम वर्ग के कारोबार प्रभावित हो रहे हैं।

दुकान से खरीदारी करती युवतियां।

- बड़े व्यापारियों को झटका, छोटे कारोबारियों का हो रहा मोहभंग
- पांच साल में तेजी से बढ़ा ऑनलाइन कारोबार

35,000
जीएसटी में पंजीकृत व्यापारी

8,000
पंजीकृत मध्यम वर्गीय व्यापारी

25,000
लघु और 700 बड़े व्यापारी

40,000
करोड़ का हर साल हो रहा कारोबार

ऑनलाइन ट्रेडिंग ने दवा कारोबारियों की कमर तोड़ दी है। लोग दवाइयां ऑनलाइन खरीदते हैं। केवल एक-दो गोली लेने के लिए ही मेडिकल स्टोर पर आते हैं। इससे दुकानदारी बहुत प्रभावित हुई है।

– **विवेक अग्रवाल बॉबी,** दवा कारोबारी

ऑनलाइन कारोबार का प्रभाव मोबाइल व कंप्यूटर के ट्रेड पर हुआ है। ग्राहक मोबाइल के दाम चेक कर मोल-भाव करता है।

– **राजीव अग्रवाल,** मोबाइल कारोबारी

ऑनलाइन कंपनियां अपने मुनाफे को निजी विकास पर खर्च करती हैं जबकि व्यापारी सामाजिक, धार्मिक, सामुदायिक व राष्ट्रीय हितों के लिए भी खर्च करता है।

– **राजेश जसोरिया,** महानगर महामंत्री उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल

तापविद्युत संयंत्र बाजार में बेच सकेंगे बिजली

कोलकाता। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने अपने कोयले का उपयोग कर रहे ताप विद्युत संयंत्रों को 1 अगस्त से बाजार में जरूरत से अधिक बिजली को बेचने की मंजूरी दी है। बिजली क्षेत्र में कोयले की मांग बढ़ाने और बिजली को अधिक किफायती बनाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। अबतक उन्हीं बिजली उत्पादकों को कोल इंडिया से लिए कोयले पर आधारित बिजली की आपूर्ति की अनुमति थी जिनके पास दीर्घ या मध्यम अवधि के बिजली खरीद समझौते थे। लेकिन अब सभी उत्पादकों को इसकी अनुमति होगी।

रिलायंस ने वृद्धि को तैयार किए चार इंजन

नई दिल्ली, एजेंसी

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा है कि उन्होंने समूह के विस्तार के अगले चरण को गति देने के लिए खुदरा, डिजिटल सेवाओं, मीडिया और मनोरंजन और नई ऊर्जा के चार उच्च-शक्ति वाले विकास इंजन तैयार किए हैं।

उन्होंने कंपनी की सालाना रिपोर्ट में शेयरधारकों को दिए एक संदेश में कहा कि इसके साथ ही, रिलायंस खुद को एक नए युग के डीप-टेक (अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी) उद्यम के रूप में ढाल रही है। पारंपरिक रूप से तेल और पेट्रोल-रसायन (ओ टू सी) को विकास का प्रमुख आधार मानने वाली इस कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में खुदरा, दूरसंचार और डिजिटल सेवाओं में कदम रखा है। इसके साथ समाचार और मनोरंजन चैनल के इर्द-गिर्द एक मीडिया साम्राज्य का निर्माण किया है और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में कदम रखने के लिए बड़े कारखानों की नींव रखी है।

अंबानी ने कहा, इन चारों में से प्रत्येक मंच प्रौद्योगिकी और नवान्मेष-प्रधान है और भारतीय उपभोक्ताओं और वैश्विक बाजार को व्यापक मूल्य प्रदान करते हुए उद्योगों में क्रांति लाने की स्थिति में है। अपने मुख्य कारोबार तेल-रसायन (ओ2सी) व्यवसाय के बारे में उन्होंने कहा कि ये भारत की बढ़ती ऊर्जा और सामग्री मांग को पूरा करते हुए बढ़ते रहेंगे। इसमें एक ही स्थान पर दुनिया का सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी परिसर और पेट्रोरसायन संयंत्र, और तेल एवं गैस उत्पादन कारोबार शामिल हैं। हम केवल कंपनियों का विस्तार नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम ऐसे मंच बना रहे हैं जो लोगों को सशक्त बनाएं, असमानता कम करें, स्थिरता को बढ़ावा दें और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को ऊंचा करे।

- मुकेश अंबानी ने कंपनी की सालाना रिपोर्ट में शेयरधारकों को दिए संदेश

साल दर साल लग रही पांच हजार करोड़ की चपत

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के महानगर महामंत्री राजेश जसोरिया के अनुसार, सर्राफा और वाहन समेत कुछ अन्य कारोबारों से ऑनलाइन कंपनियां अभी दूर हैं। बावजूद इसके बीते पांच सालों में 20 फीसदी मार्केट शेयर इन ऑनलाइन कंपनियों के पास जा रहा है। आकलन के अनुसार दवा, किराना, कपड़ा, मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स समेत अन्य वस्तुओं के ऑनलाइन कारोबार से बरेली जनपद का 5000 करोड़ रुपये का सालाना कारोबार प्रभावित हो रहा है।

सोना 3,600 रुपये बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- 25% अतिरिक्त शुल्क की घोषणा के बाद निवेशकों ने सुरक्षित निवेश विकल्पों का किया चयन

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत गुरुवार को 3,600 रुपये उछलकर 1,02,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। भारतीय आयात पर 25% अतिरिक्त अमेरिकी शुल्क की घोषणा के बाद निवेशकों ने सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख किया, जिससे सोने के दाम में तेजी आई। वहीं, चादी भी 1,500 रुपये बढ़कर 1,14,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 3,600 रुपये उछलकर 1,02,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह 98,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि सोने की कीमतों में तेजी का कारण नए सिरे से उत्पन्न व्यापार को लेकर चिंताएं हैं जिनसे पारंपरिक सुरक्षित-संपत्तियों की मांग बढ़ी है। सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमतें 1,500 रुपये बढ़कर 1,14,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गईं। इस बीच, न्यूयॉर्क में हाजिर सोना 9.76 डॉलर या 0.29 प्रतिशत बढ़कर 3,379.15 डॉलर प्रति औंस हो गया। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष (शोध विश्लेषक...जिंस और मुद्रा) जतीन त्रिवेदी ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 3,375 डॉलर के स्तर से ऊपर रही। इसे डॉलर सूचकांक के 98 से नीचे कमजोर होने से समर्थन मिला। उन्होंने कहा, वैश्विक व्यापार शुल्क और नए रूसी प्रतिबंधों पर कारोबारियों की नजर है। दोनों ही सोने की कीमतों में तेजी का कारण बन रहे हैं। विदेशी बाजार में हाजिर चांदी 1.37 प्रतिशत बढ़कर 38.34 डॉलर प्रति औंस पर रही।

दुश्वारियां | जीपीओ सहित प्रदेश के सभी डाकघरों में उपभोक्ताओं की लंबी कतार, एपीटी एप्लीकेशन के रोल आउट ने बढ़ाई समस्याएं

भाइयों तक राखी पहुंचाने में डाक विभाग का सर्वर बना बाधा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार। डाक विभाग की सेवाएं दो दिनों से सर्वर की समस्या से बाधित हैं, जिससे हजारों उपभोक्ताओं को भारी परेशानियां हो रही हैं। त्योहार निकट होने के कारण बहनें अपने दूर-दराज़ रहने वाले भाइयों को समय से राखी भेजना चाहती हैं, लेकिन सर्वर डाउन होने से उन्हें डाकघरों से खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।

प्रदेश के 17,954 डाकघरों में स्पीड पोस्ट, पंजीकृत डाक, पार्सल, सेविंग खाता, इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक, रिटेल व बिजनेस पोस्ट जैसी सेवाएं सर्वर ठप होने से प्रभावित हैं। उन महिलाओं के लिए यह समस्या गंभीर है, जो हर वर्ष डाक से अपने भाइयों को राखियां भेजती हैं। कई जगहों पर महिलाएं घंटों कतार में खड़ी रहने के बाद भी राखी नहीं भेज पा रहीं है। डाक विभाग की ओर से एडवांस्ड पोस्टल टेक्नोलॉजी (एटीपी) एप्लिकेशन लागू किया गया है। इसी तकनीकी बदलाव से 1 अगस्त की शाम 8 बजे से लेनदेन जैसे स्पीड पोस्ट, पंजीकृत डाक, पार्सल व बचत बैंक सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई थीं। हालांकि 4 अगस्त की सुबह 10 बजे से सेवाएं फिर से शुरू की गईं, लेकिन सर्वर की समस्या बनी हुई है। इससे न केवल व्यक्तिगत उपभोक्ता बल्कि व्यवसायिक और सरकारी कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। डाक निर्यात केंद्र और नोडल डिलीवरी सेंटर्स से जुड़ी सेवाओं में भी रुकावट आई है। इस तकनीकी खामी के चलते उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा ने एक बार फिर सरकारी सेवाओं में डिजिटल बदलाव की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल प्रणव कुमार ने बताया कि यह नेक इंडिया प्रणाली से जुड़ी तकनीकी समस्या है, जिसे जल्द से जल्द ठीक करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि किसी भी डिलीवरी को रोका न जाए और सभी डाक वस्तुएं समय से उपभोक्ताओं तक पहुंचाई जाएं।

लखनऊ के प्रधान डाक घर (जीपीओ) में राखी भेजने के लिए खड़े लोग।

सर्वर ठप होने से भटक रहे व्यापारी

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल लखनऊ इकाई के महामंत्री योगेंद्र सिंह ने बताया कि पिछले पांच दिनों से जीपीओ सहित प्रदेश की राजधानी के कई डाकघरों में सर्वर ठप होने से स्पीड पोस्ट, रजिस्ट्री और खातों से जुड़ी सेवाएं बाधित हैं। इससे व्यापारी, वकील और अभ्यर्थी खासे परेशान हैं। रक्षाबंधन को देखते हुए बहनें घंटों लाइन में बैठकर राखी भेजने का इंतजार कर रही हैं। आज भी 15 लिफाफे स्पीड पोस्ट कराने गया, लेकिन सिर्फ पांच ही स्वीकार हो पाए। उन्होंने मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल से मांग की है कि त्योहारी सीजन को देखते हुए डाक सेवाएं तत्काल सुचारु की जाएं। व्यापारियों ने इस आशय की शिकायत की है।

भारत रूसी तेल खरीद के मामले में चीन के बहुत करीब, और भी प्रतिबंध लगाएंगे

ट्रंप ने दी एक और धमकी, चीन पर भारत की तरह टैरिफ लगाने के सवाल को टाला

न्यूयॉर्क/ वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत, रूस से तेल खरीद के मामले में चीन के बहुत करीब है और उसे 50 प्रतिशत शुल्क देना होगा। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि आगे अतिरिक्त प्रतिबंध भी देखने को मिलेंगे। ट्रंप ने इस सवाल का सीधा जवाब नहीं दिया कि क्या चीन पर भी भारत की तरह टैरिफ लगाया जाएगा।

ट्रंप ने बुधवार को ओवल कार्यालय में कहा, जैसा कि आप जानते हैं कि हमने तेल को लेकर भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है। वे दूसरे सबसे बड़े खरीदार हैं और रूस से तेल खरीद के मामले में चीन के बहुत करीब हैं। ट्रंप ने रूस से तेल खरीद जारी रखने पर भारत से आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाने के शासकीय आदेश पर बुधवार को हस्ताक्षर किए थे। इसके साथ ही भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में लगने वाला शुल्क अब बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है, जो कि किसी भी देश पर सबसे अधिक है।

ट्रंप प्रशासन ने पिछले सप्ताह ही भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी जो सात अगस्त से प्रभावी हो गया है। अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क 21 दिनों बाद यानी 27 अगस्त से प्रभावी होगा। 'व्हाइट हाउस' के एक कार्यक्रम में ट्रंप के साथ एप्पल के सीईओ टिम कुक, उपराष्ट्रपति जे डी वेंस, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक भी मौजूद थे। इस दौरान एप्पल ने घोषणा की कि वह अगले चार वर्षों में अमेरिका में 600 अरब डॉलर का निवेश करेगी।

कार्यक्रम के दौरान ट्रंप से भारत पर लगाए गए अतिरिक्त शुल्क के बारे में कई सवाल पूछे गए। जब पूछा गया कि अगर वह यूक्रेन और रूस के साथ कोई समझौता कर लेते हैं, तो क्या वह भारत पर अतिरिक्त शुल्क हटा लेंगे तो उन्होंने कहा, हम बाद में इस पर फैसला करेंगे। इसके बाद ट्रंप को बताया गया कि भारतीय अधिकारियों का कहना है कि चीन जैसे अन्य देश भी रूसी तेल खरीद रहे हैं, इस पर उन्होंने कहा, ठीक है। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने केवल भारत पर ही अतिरिक्त शुल्क क्यों लगाया तो ट्रंप ने कहा, अभी केवल आठ घंटे ही हुए हैं, तो देखते हैं आगे क्या होता है।

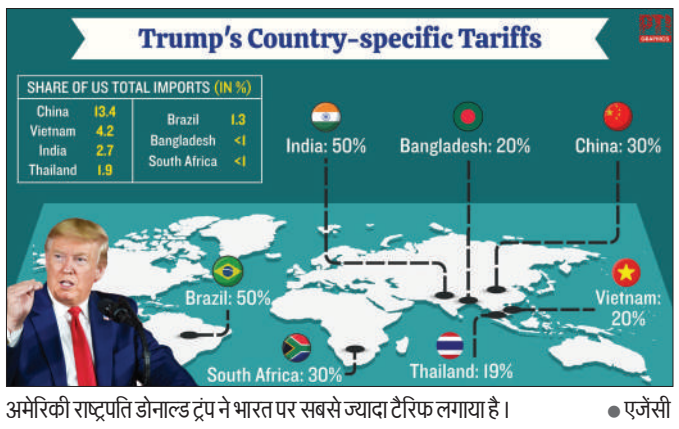

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर सबसे ज्यादा टैरिफ लगाया है। ● एजेंसी

विदेश मंत्रालय ने कहा- 50% टैरिफ अतार्किक अमेरिका से वार्ता जारी

मुंबई। विदेश मंत्रालय में सचिव, आर्थिक संबंध दम्मू रवि ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिका को भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के ट्रंप प्रशासन के एकतरफा कदम के पीछे कोई तर्क या कारण नहीं है। रवि ने वाशिंगटन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क दोगुना करने के कुछ घंटों बाद संवाददाताओं को बताया कि इस कदम के बाद भी अमेरिका और भारत के बीच बातचीत जारी है। रवि ने कहा, यह एकतरफा निर्णय है। मुझे नहीं लगता कि जिस तरह से यह किया गया है, उसमें कोई तर्क या कारण है। यहां कार्यक्रम से इतर उन्होंने कहा, शायद, यह एक ऐसा दौर है जिससे हमें उबरना होगा। बातचीत अभी जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को नयी दिल्ली द्वारा रूसी तेल आयात से नाराज होकर अतिरिक्त शुल्क लगा दिया। इस कदम से कपड़ा, समुद्री और चमड़ा निर्यात जैसे विभिन्न क्षेत्रों पर असर पड़ने की आशंका है।

अमर होने की चाहत ने ईजाद की तकनीक

क्रायोजेनिक प्रिजर्वेशन

क्रायोजेनिक प्रिजर्वेशन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें मृत शरीर या सहायक अंगों को लंबे समय तक संरक्षित करने के लिए अत्यंत कम तापमान आमतौर पर -196 डिग्री सेल्सियस पर जमाया जाता है जो तरल नाइट्रोजन के तापमान के बराबर होता है। इसका मुख्य उद्देश्य शरीर या जैविक सामग्री को नुकसान होने दिए बगैर भविष्य के लिए संरक्षित करना होता है। यह तकनीक दरअसल कुछ ऐसे लोगों की अमर होने की चाहत की वजह से ईजाद की गई जिनका मानना था कि भविष्य में चिकित्सा विज्ञान जरूर इतना उन्नत और समृद्ध होगा कि उनकी मृत देह को दोबारा जीवित किया जा सकेगा।

कब और कहां शुरुआत

- अमेरिकी भौतिक विज्ञानी रॉबर्ट एटिंगर ने वर्ष 1964 में अपनी किताब द प्रॉस्पेक्ट ऑफ इमोरटलिटी में इसका विचार दिया।
- 1967 में अमेरिका में डॉ. जेम्स बेडफोर्ड को पहली बार संरक्षित किया गया, उनका शरीर आज भी फ्रीज अवस्था में हैं।

कैसे काम करती है तकनीक

- मृत्यु के बाद तुरंत बाद प्रक्रिया शुरू होती है और शरीर को ठंडा कर सर्कुलेशन सपोर्ट सिस्टम से ऑक्सीजन पहुंचाई जाती है।
- खून को क्रायोप्रोटेक्टेंट सॉल्यूशन से बदलते हैं ताकि क्रिस्टल न बनें, शरीर को 196C पर तरल नाइट्रोजन टैंक में रखा जाता है।

कई देशों में प्रिजर्वेशन

- अमेरिका, रूस, चीन, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, यूके, जर्मनी, स्पेन, यूक्रेन, कनाडा समेत करीब 10 देशों में लोगों ने अपनी बॉडी प्रिजर्व कराई है।
- अमेरिका में एल्कर लाइफ एक्सटेंशन फाउंडेशन, क्रायोनिक इंस्टीट्यूट, रूस में क्रायोरस, चीन में यिनफेंग नाम की कंपनी ये सुविधा दे रही है।

अब तक 600 शरीर प्रिजर्व

- वैश्विक आंकड़ों के मुताबिक दुनिया के करीब 600 लोगों ने वर्ष 2025 तक अपना पूरा शरीर क्रायोजेनिक तकनीक से प्रिजर्व कराया है।
- अनुमानित तौर पर अपने दिमाग का प्रिजर्वेशन कराने वालों की संख्या करीब 400 है, भविष्य के लिए बुकिंग कराने वाले 5,000 से ज्यादा हैं।

प्रमुख लोग

- अमेरिका के प्रोफेसर जेम्स बेडफोर्ड अपना शरीर प्रिजर्व कराने वाले पहले व्यक्ति थे।
- अमेरिकी बेसबॉल खिलाड़ी टेड विलियम्स ने भी शरीर प्रिजर्व कराया जो बहुत अमीर थे।
- अमेरिका के टीवी प्रोड्यूसर डिक क्लेयर ऐसे एक और व्यक्ति हैं, जो काफी अमीर थे।
- ज्यादातर लोगों ने अपना नाम सार्वजनिक न करने की शर्त पर शरीर संरक्षित कराया है।

कितना खर्च

- पूरे शरीर के क्रायोनिक प्रिजर्वेशन पर लगभग 150,000 से 250,000 डॉलर।
- दिमाग और सिर के प्रिजर्वेशन पर 70,000 से लेकर 100,000 डॉलर तक।

विशेषज्ञों की राय

- तकनीक का समर्थन करने वाले कहते हैं कि यह अभी विकसित हो रही तकनीक है, यदि भविष्य में कोशिकीय मरम्मत और नैनोटेक्नोलॉजी में प्रगति होती है तो सिद्धांततः संभव है।
- अधिकतर वैज्ञानिक इसे अव्यावहारिक मानते हैं क्योंकि मृत्यु होते ही मस्तिष्क में अपूरणीय क्षति हो जाती है। पुनर्जीवन की कोई सिद्ध तकनीक नहीं है। इसे विज्ञान कथा कहा गया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

जनरल मुनीर फिर जा सकते हैं अमेरिका

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर इस सप्ताह शीर्ष अमेरिकी अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श के लिए अमेरिका का दौरा कर सकते हैं। भारत के साथ पाकिस्तान के चार दिन तक चले संघर्ष के बाद यह मुनीर की अमेरिका की दूसरी यात्रा होगी। एक मीडिया रिपोर्ट में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई। जून में मुनीर अमेरिका गए थे जहां उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ दोपहर का भोजन किया था। इस मुलाकात के बाद ट्रंप ने तेल समझौते सहित विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिका-पाकिस्तान सहयोग बढ़ाने की घोषणा की थी।

बलूचिस्तान विस्फोट में मेजर व तीन सैनिक मरे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उपद्रवग्रस्त बलूचिस्तान के मस्तुंग ज़िले में सेना की एक गाड़ी को बम से निशाना बना गया। हमले में तीन सैनिक मारे गए और सेना की जवाबी कार्यवाही में चार आतंकवादी ढेर हो गये। पाकिस्तानी सेना ने बुधवार देर रात बताया कि मारे गए जवानों में सेना का मेजर रैंक का अधिकारी भी शामिल है। पाकिस्तान की इंटर-सर्विस पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि बुधवार देर रात सुरक्षा बलों के एक वाहन को निशाना बनाया गया। इस हमले में एक मेजर, एक नायक और एक लांसनायक मारे गए।

कंबोडिया ने ट्रंप को किया नोबेल के लिए नामित

नोम पेन्ह। कंबोडिया ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया है। ट्रंप हाल ही में हुए सशस्त्र संघर्ष में थाईलैंड के साथ युद्धविराम पर सहमत न होने पर व्यापार समझौतों को रोकने की धमकी दी थी। कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने नॉर्वेजियन नोबेल समिति को लिखे एक पत्र में कहा है कि वह विश्व शांति को आगे बढ़ाने में ऐतिहासिक योगदान के लिए ट्रम्प को नामित करना चाहते हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार कंबोडिया और थाईलैंड के बीच पिछले महीने पांच दिनों तक युद्ध चला, जिसमें कम से कम 43 लोग मारे गए।

कुलगाम में इस साल की सबसे लंबी मुठभेड़, 7वें दिन भी गोलीबारी जारी

मारे जा चुके हैं दो आतंकी, अब तक सात सुरक्षाकर्मी भी घायल

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवाद रोधी अभियान में बृहस्पतिवार को सुरक्षा बल के तीन जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया आतंकवाद के खिलाफ अभियान सातवें दिन जारी है जो इस वर्ष का अब तक का सबसे लंबा अभियान है। अब तक दो आतंकवादी मारे जा चुके हैं।

सेना के उत्तरी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने दक्षिण कश्मीर में सुरक्षा स्थिति और आतंकवाद-रोधी तंत्र की समीक्षा की और जारी अभियान की जानकारी ली। अधिकारियों ने कहा, अभियान सातवें दिन भी जारी है। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह हुई गोलीबारी में तीन सुरक्षाकर्मी घायल हो गए जिससे घायल सुरक्षाकर्मियों की कुल संख्या अब सात हो गई है।

उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल दुर्गम जंगली इलाकों में आतंकवादियों का पता लगाने के लिए ड्रोन और हेलीकॉप्टर समेत सभी साधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। पिछले शुक्रवार को दोनों पक्षों के बीच प्रारंभिक गोलीबारी के बाद रात में अभियान रोक दिया गया था, लेकिन घेराबंदी को मजबूत किया गया तथा क्षेत्र में अतिरिक्त बल भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि पिछले शनिवार को गोलीबारी फिर शुरू हुई, जिसमें दो आतंकवादी मारे गए।

मुठभेड़ के लिए भेजा गया अतिरिक्त बल।

ग्रामीणों ने की सुरक्षित जगह भेजने की मांग

श्रीनगर। कुलगाम जिले में आतंकवादियों से मुठभेड़ के सातवें दिन बृहस्पतिवार को अखल गांव के लोगों ने इससे उत्पन्न कठिनाइयों का हवाला देते हुए सरकार से उन्हें कहीं ओर स्थानांतरित करने की मांग की है। ग्रामीणों ने दावा किया है कि लगातार गोलीबारी के कारण वे न तो सो पा रहे हैं और न ही उनके पास अब पर्याप्त भोजन बचा है। मुठभेड़ स्थल के पास रह रहे ग्रामीण मुबारक खांडे ने कहा, सात दिन से भारी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। रात भर गोलियां चलती हैं और बमबारी होती है। अब घरों में राशन की भी किल्लत हो गई है। महिलाएं और बच्चे बेहद डरे हुए हैं और लगातार गोलीबारी और धमाकों के कारण वे मानसिक समस्याओं से ग्रस्त हो गए हैं। सरकार से उन्हें कहीं और स्थानांतरित करने की अपील करते हुए कहा, हम सात दिनों से सो नहीं पाए हैं। बच्चे जागते रहते हैं और रोते रहते हैं।

रक्षाबंधन

रक्षाबंधन शनिवार को है, इससे पहले ही जगह-जगह भाई-बहन के अटूट बंधन के प्रतीक इस पर्व पर कार्यक्रम शुरू हो गए हैं। गुरुवार को सूरत के श्री स्वामीनारायण गुरुकुल में छात्रों ने उत्सव के हिस्से के रूप में संकेंद्रित राखी बनाई। एजेंसी

खुफिया सूचना पर देश के सभी हवाई अड्डे हाई अलर्ट पर

मुंबई। राष्ट्रविरोधी तत्वों से संभावित खतरों की खुफिया सूचना पर नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो ने सभी हवाई अड्डों के लिए हाई अलर्ट जारी किया है।

यात्रियों और उनके सामान की गहन जांच और हवाई अड्डे के कर्मचारियों की कड़ी निगरानी सहित दूसरे सुरक्षा उपाय अपनाने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। कहा गया है कि टर्मिनल क्षेत्रों, रनवे, हेलीपैड और उड़ान प्रशिक्षण संस्थानों में सुरक्षा उपाय किए जाएं। अधिकारियों को सीसीटीवी से कड़ी नजर रखने और पुलिस के साथ समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया गया है।

टैरिफ का मुद्दा सुलझाएं भारत-अमेरिका: नेतन्याहू

यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत-अमेरिका संबंधों की नींव बहुत मजबूत है और दोनों देशों को शुल्क मुद्दे को सुलझाने के लिए साझा आधार तलाशना चाहिए। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इजराइल द्वारा भारत को आपूर्ति किए गए सैन्य उपकरणों ने अच्छा प्रदर्शन किया तथा दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग बढ़ रहा है। नेतन्याहू ने इजराइल आए भारतीय पत्रकारों के एक समूह से कहा कि वह शीघ्र ही भारत की यात्रा करना चाहेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में आए तनाव के बीच इजराइली प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों को इसे सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाना चाहिए।

● कहा- जल्द भारत आना चाहता हूं

न्यायाधीश को खून का प्यासा नहीं होना चाहिए... हाईकोर्ट ने मृत्युदंड को उम्रकैद में बदला

कोलकाता, एजेंसी

कलकत्ता हाईकोर्ट की जलपाईगुड़ी सर्किट पीठ ने अपने मामा की हत्या के दोषी व्यक्ति की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने का आदेश देते हुए टिप्पणी की कि न्यायाधीशों को कभी भी खून का प्यासा नहीं होना चाहिए।

न्यायमूर्ति सब्यसाची भट्टाचार्य ने फैसला सुनाते हुए कहा कि समाज का विकास सजा देने के बदले सुधारात्मक दृष्टिकोण की ओर रहा है, न कि दंडात्मक दृष्टिकोण की ओर। उन्होंने कहा, दंड के तीन प्रमुख स्तंभ हैं, दंड, निवारण और सुधार। जहां निवारण अब भी एक उचित कदम के रूप में मान्य है, वहीं भारत और अन्य जगहों पर आधुनिक आपराधिक न्यायशास्त्र में, सजा का स्थान धीरे-धीरे दंड का सुधारात्मक पहलू लेने लगा है।

न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने भारतीय दंड संहिता की धारा 396 (हत्या के साथ डकैती) के तहत दर्ज मामले में जलपाईगुड़ी सत्र न्यायालय द्वारा आफताब आलम को सुनाई गई मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया, जिसमें 20 साल तक समयपूर्व रिहाई का तब तक कोई विकल्प नहीं होगा, जब तक कि ऐसी असाधारण परिस्थितियां न बनें जिनसे संबंधित न्यायालय संतुष्ट हो। न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने कहा, न्यायाधीशों को कभी भी खून का प्यासा नहीं होना चाहिए। हत्यारों को फांसी देना उनके लिए कभी भी अच्छा नहीं रहा।

● सेशन कोर्ट ने मामा की हत्या के दोषी को सुनाया था मृत्युदंड

पुतिन ने ट्रंप से अगले हफ्ते यूएई में मुलाकात की उम्मीद जताई

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अगले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से संभवतः संयुक्त अरब अमीरात में मुलाकात होने की उम्मीद कर रहे हैं।

यह खबर व्हाइट हाउस द्वारा मॉस्को को यूक्रेन में तीन साल से जारी युद्ध को समाप्त करने की दिशा में प्रगति दर्शाने के लिए दी गई समय-सीमा से ठीक पहले आई है। पुतिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव ने पहले कहा था कि शिखर बैठक संभवतः अगले सप्ताह एक ऐसे स्थान पर हो सकती है, जिस पर ''सैद्धांतिक रूप से'' निर्णय लिया जा चुका है। उशाकोव ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के शिखर बैठक में शामिल होने की संभावना को खारिज कर दिया। हालांकि, व्हाइट हाउस ने कहा था कि ट्रंप इस पर विचार करने को तैयार हैं।

दबाव के बाद भी रूस से सहयोग जारी रखेंगे

रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात में एनएसए डोभाल ने जताई प्रतिबद्धता

मॉस्को, एजेंसी

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने बृहस्पतिवार को 'क्रेमलिन' में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात कर दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन की प्रेस सेवा की ओर से साझा की गई एक वीडियो क्लिप में डोभाल बातचीत से पहले पुतिन से हाथ मिलाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

पुतिन ने क्रेमलिन में अपने कक्ष में डोभाल का गर्मजोशी से स्वागत किया। सूत्रों के अनुसार, डोभाल ने बाहरी दबाव के बावजूद रूस के साथ सभी मोर्चों पर सहयोग जारी रखने की नयी दिल्ली की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि डोभाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से राष्ट्रपति पुतिन को इस वर्ष के अंत में भारत आने का निमंत्रण दिया, जिसे पुतिन ने कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार कर लिया है।

मॉस्को में पुतिन से मिले एनएसए डोभाल।

क्रेमलिन में हुई बैठक के दौरान, डोभाल के साथ भारतीय राजदूत विनय कुमार भी थे। बैठक में रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु भी शामिल हुए। इससे पहले, डोभाल ने शोइगु के साथ बातचीत की। शोइगु ने कहा कि रूस एक अधिक न्यायसंगत और टिकाऊ विश्व व्यवस्था बनाने और अंतरराष्ट्रीय कानून की सर्वोच्चता सुनिश्चित करने के लिए भारत के साथ सक्रिय सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। डोभाल द्विपक्षीय ऊर्जा और रक्षा संबंधों पर महत्वपूर्ण वार्ता करने और इस वर्ष के अंत में राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा के मद्देनजर बुधवार को यहां पहुंचे थे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 8 अगस्त, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी 14.12 तक तत्पश्चात पूर्णिमा।

आज का पंचांग

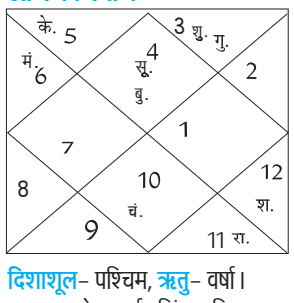

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- वर्षा। चन्द्रबल-मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।

ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-उत्तराषाढ़ा 14.28 तत्पश्चात श्रवण।

मेष आज आप लोगों से सम्मान की अपेक्षा रखेंगे। अचानक किसी आवश्यक कार्य से शहर से बाहर जाना पड़ सकता है। सहकर्मियों के साथ आपकी मित्रता बढ़ेगी। सभी कार्य आपके अनुसार होने से मन प्रसन्न रहेगा। राजनीति विषयों में आप विशेष रुचि ले सकते हैं।

वृष आज अपरिचित लोगों से अधिक तालमेल न बढ़ाएं। बच्चे पढ़ाई के बजाय दूसरे कार्यों में समय ज्यादा खर्च कर सकते हैं। दोस्तों के साथ भविष्य की किसी योजना को लेकर चर्चा हो सकती है। शाम के समय कहीं घूमने जा सकते हैं।

मिथुन आज आप कोई नया काम आरंभ करने से बचें। महिलाएं किचन में काम करने के दौरान सावधानी रखें। किसी की गारंटी न लें वरना नुकसान हो सकता है। आपकी अच्छी सलाह भी लोगों को समझ नहीं आयेगी इसीलिये बिना मांगे किसी को सलाह न दें।

कर्क आज कार्यक्षेत्र में विशेषज्ञ लोगों से मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कई आवश्यक कार्य समय से पहले पूर्ण हो जायेंगे। किसी इंटरव्यू आदि में सम्मिलित हो रहे हैं तो सफलता अवश्य मिलेगी। प्रेम संबंध काफी अच्छे रहने वाले हैं।

सिंह आज आपका दिन अत्यधिक व्यस्त रहेगा। पैतृक संपत्ति के मामलों के उलझने की संभावना बन रही है। गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध चुगली कर सकते हैं। एक साथ अनेक कार्य संभालने पड़ेंगे। विद्यार्थियों को नया कुछ सीखने को मिलेगा।

कन्या आज ऑनलाइन मार्केटिंग का काफी अच्छा प्रयोग कर सकते हैं। बच्चे बड़े-बुजुर्गों का सानिध्य पसंद करेंगे। अपनी रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए खानपान और योग पर ध्यान दें। प्रेमी जन को आज मूल्यवान उपहार दे सकते हैं।

तुला आज आप जिस काम को आसान मान रहे थे वो आपको आज काफी परेशान कर सकता है। रिश्तेदारों के कारण कुछ तनाव हो सकता है। बोलचाल में अपशब्दों का प्रयोग न करें। विद्यार्थी करियर को लेकर लापरवाह हो सकते हैं।

वृश्चिक आज घर में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। किसी कार्य को औपचारिकता में न करें। दोपहर के बाद आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। भौतिक भोग-विलास का भरपूर आनंद लेंगे। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों का साथ मिलेगा।

धनु आज कार्यक्षेत्र में विरोधी कमजोर पड़ते दिखाई देंगे। महत्वपूर्ण कार्यों को दिन के पूर्वार्ध में कर लेना हितकर होगा। आज आपको बड़े व प्रभावशाली लोगों से मिलना पड़ सकता है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए नए कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं।

मकर आज पुराने रुके हुए कार्य शुरू हो सकते हैं। नए व्यापारिक अनुबंध कर सकते हैं। आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। पिता के साथ चर्चा व उनका आशीर्वाद लेना उत्तम होगा। दांपत्य संबंधों में आपसी समझ और सामंजस्य में वृद्धि होगी।

कुंभ आज महत्वपूर्ण कार्यों को एक-दो दिन के लिए टालना हितकर होगा। पेट में जलन जैसी समस्या हो सकती है। आपके कार्यभार की अधिकता रहेगी। एक ही काम को बार-बार करना पड़ सकता है। महिलाओं को अपनी सुरक्षा को लेकर थोड़ा ध्यान रखना पड़ेगा।

मीन आज आर्थिक मामलों के लिए दिन बहुत अच्छा है। विवादित मामलों में आपकी विजय हो सकती है। आपके खर्चों में कमी आयेगी। जॉब में मनोनुकूल काम मिलने से काफी अच्छा व सहज महसूस करेंगे। सोशल मीडिया में आप अत्यंत सक्रिय रहेंगे।

सुडोकू-63

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

4		3			8		5	
		2						6
					1		4	
	2	6			4		9	
7								8
	3		2			7	1	
6			1			8		
2						4		
	5		6					1

सुडोकू - 62 का हल

9	1	2	4	7	6	3	8	5
7	6	5	9	8	3	4	1	2
3	8	4	2	5	1	6	7	9
2	9	6	8	3	7	5	4	1
1	4	3	5	6	2	7	9	8
5	7	8	1	9	4	2	6	3
6	5	1	7	2	8	9	3	4
8	2	7	3	4	9	1	5	6
4	3	9	6	1	5	8	2	7

भारतीय टीम इस समय अच्छा खेल रही है। हम सभी उसकी सफलता से खुश हैं। भारत के पास अच्छे युवा खिलाड़ी हैं और उन्हें जिस तरह से सहयोग दिया जा रहा है, वह अच्छी बात है।

-गैरी कर्स्टन

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार, 8 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

पांच भारतीय मुक्केबाज सेमीफाइनल में

बैंकॉक : भारत के पांच पुरुष मुक्केबाज भी अंडर 19 एशियाई

चैंपियनशिप में अपने अपने भारवर्ग के मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच गए, जिससे उनका पदक पक्का हो गया। शिवम (55 किलो), मौसम सुहाग (65 किलो), राहुल कुंडू (75 किलो), गौरव (85 किलो) और हेमंत सांगवान (90 किलो) ने अंतिम चार में जगह बनाई। इससे पहले सात महिला मुक्केबाज भी सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। अंडर 19 और अंडर 22 एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप साथ में हो रही है। भारत के अंडर 22 वर्ग में भी 13 पदक पक्के हो गए हैं।

राष्ट्रीय ध्वज पर क्विज शुरू की

नई दिल्ली : युवा मामले और खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय ध्वज पर एक ऑनलाइन क्विज शुरू की है और 21 से 29 वर्ष की आयु वर्ग के 25 शीर्ष स्कोरर प्रतिभागियों को खेल मंत्री मनसुख मांडविया के साथ सियाचिन जाने का अवसर मिलेगा। मंत्रालय के अनुसार यह क्विज देशभक्ति को बढ़ावा देगी और भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता बढ़ाएगी। मंत्रालय ने कहा माईभारत पोर्टल (माईभारत .जीओवी .इन) पर आयोजित यह ऑनलाइन क्विज सभी नागरिकों को इसमें भाग लेने और तिरंगे के बारे में अपने ज्ञान का परीक्षण करने के लिए आमंत्रित करती है। इसमें बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे और सभी प्रतियोगियों को एक ई-प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

रिबाकिना को हराकर एमबोको फाइनल में

मांट्रियल : कनाडा की किशोरी विक्टोरिया एमबोको ने बुधवार को यहां नौवीं वरीय एलेना रिबाकिना को

हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। कनाडा की 18 साल की एमबोको ने रिबाकिना को तीन सेट चले कड़े मुकाबले में 1-6, 7-5, 7-6 से हराया। एमबोको ने तीसरे और निर्णायक सेट में एक मैच प्वाइंट बचाया और दो बार रिबाकिना की सर्विस तोड़कर सेट को टाईब्रेकर में खींचा और फिर जीत दर्ज की। बृहस्पतिवार को होने वाले फाइनल में एमबोको जापान की स्टार नाओमी ओसाका से भिड़ेंगी।

खचानोव नेशनल बैंक ओपन के फाइनल में

टोरंटो : रूस के 11वें वरीय केरेन खचानोव ने बुधवार को यहां शीर्ष वरीय जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। खचानोव ने ज्वेरेव को तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में 6-3, 4-6, 7-6 से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। एटीपी टूर पर सात बार के विजेता 29 वर्षीय खचानोव फाइनल में दूसरे वरीय टेलर फ्रिट्ज और चौथे वरीय बेन शेल्टन के बीच होने वाले ऑल अमेरिकी सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेंगे।

धोनी का नया स्पोर्ट्स वेंचर चेन्नई में लॉन्च

चेन्नई : 7 पैडल, प्रतिष्ठित क्रिकेटर और पूर्व भारतीय कप्तान और

आईपीएल फ्रेंचाइजी सीएसके के कप्तान एमएस धोनी ने आज अपना नया पैडल ब्रांड लॉन्च किया। यह चेन्नई में उनका पहला सेंटर था, जो शहर के प्रति उनके लंबे समय से चले आ रहे प्रेम और उसकी खेल भावना से प्रेरित था, जिसे वे अपना दूसरा घर मानते थे। चेन्नई के खेल और स्वास्थ्य परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण वृद्धि, नया 7 पैडल सेंटर ईसीआर पर स्थित है। 20,000 वर्ग फुट में फैले इस सेंटर में तीन पैडल कोर्ट, एक पिकलबॉल कोर्ट, एक स्विमिंग पूल, एक जिम, एक रिकवरी रूम, एक कैफे और एक सौना है।

भारतीय कुश्ती महासंघ ने 11 पहलवानों को निलंबित किया

फर्जी जन्म प्रमाण जमा करने के आरोप में की गई सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने फर्जी जन्म प्रमाण पत्र जमा करने के आरोप में 11 पहलवानों को निलंबित कर दिया है। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने ऐसे 110 दस्तावेजों का सत्यापन किया और कहा कि उसकी ओर से कोई चूक नहीं हुई है क्योंकि 95 विलंबित पंजीकरण केवल एसडीएम के आदेश पर किए गए थे।

कुश्ती का खेल दो प्रमुख मुद्दों से जूझ रहा है : अधिक उम्र के पहलवान कम आयु वर्ग की प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं और कई पहलवान फर्जी जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद अपने निवास स्थान से अलग राज्य का प्रतिनिधित्व करने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ मामलों में प्रमाण पत्र बच्चे के जन्म के 12 से 15 साल बाद भी जारी किए गए हैं। गड़बड़ी की आशंका के चलते डब्ल्यूएफआई ने नगर निगम को सत्यापन के लिए प्रमाण पत्रों की एक सूची प्रदान की थी। सत्यापन के बाद एमसीडी ने डब्ल्यूएफआई को जवाब दिया कि उसने जन्म प्रमाण पत्र जारी किए हैं लेकिन यह भी कहा कि विलंबित पंजीकरण (जन्म के एक वर्ष बाद पंजीकरण) सीधे तौर पर उसके द्वारा नहीं बल्कि एसडीएम के आदेश पर किया गया है। कई प्रतियोगिताओं में, विशेष रूप से राष्ट्रीय जूनियर टीमों के चयन के लिए हुए ट्रायल में, यह स्पष्ट है कि कई पहलवान कम आयु वर्ग में प्रवेश कर चुके हैं और अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ फायदे की स्थिति में हैं।

प्रमाण पत्रों की स्थिति बताते हुए एमसीडी ने जवाब दिया दिल्ली नगर निगम द्वारा उप-विभागीय मजिस्ट्रेट से आदेश मिलने के बाद ही 95 जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं और एमसीडी की ओर से कोई चूक नहीं हुई है। एमसीडी के जवाब की प्रति पीटीआई के पास भी है। एमसीडी ने अपने जवाब में यह भी बताया कि 11 प्रमाण पत्र फर्जी/फोटोशॉप के जरिए छेड़छाड़/संपादित हैं और उसके द्वारा जारी नहीं किए गए हैं। ये प्रमाण पत्र सक्षम, मनुज, कविता, अंशु, आरुष राणा, शुभम, गौतम, जगरूप धनखड़, नकुल, दुष्यंत और सिद्धार्थ बालियान के थे। इनमें से 11 प्रमाण पत्र नरेला क्षेत्र के, दो नजफगढ़ और रोहिणी, सिविल लाइन और सिटी जोन का एक-एक प्रमाण पत्र शामिल है।

डब्ल्यूएफआई के अधिकारी ने पीटीआई को बताया हमने इनमें से छह पहलवानों को आज (सात अगस्त) निलंबन नोटिस भेजा है। हम फर्जी प्रमाण पत्र सौंपने के लिए पांच अन्य को पहले ही निलंबित कर चुके हैं। एमसीडी ने साथ ही बताया कि दो पहलवानों ने पंजीकरण की तिथि से छेड़छाड़ की जो उसके रिकॉर्ड से मेल नहीं खाती।

हरियाणा की पहलवान इशिका की शिकायत : इस बीच दिल्ली की पहलवान रितिका के पिता ने खेल मंत्रालय को शिकायत की है कि हाल में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के दौरान हरियाणा की पहलवान इशिका को दिल्ली के लिए प्रतिस्पर्धा की स्वीकृति दी गई। नीरज कुमार ने लिखा हाल ही में दिल्ली की एक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में इशिका को 53 किग्रा भार वर्ग में खेलने की अनुमति दी गई। यह डब्ल्यूएफआई द्वारा बनाए गए मूल निवास नियम का उल्लंघन है। अगर उस नीति का पालन करना है तो इशिका को दिल्ली से खेलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए थी। उन्होंने कहा मैंने कुछ दस्तावेज संलग्न किए हैं जिनसे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि रितिका हरियाणा की निवासी है। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि इस मामले की जांच का आदेश दिया जाए जिससे कि पारदर्शिता बनी रहे।

टीम में जगह बनाने के लिए खिलाड़ी करते हैं फर्जीवाड़ा

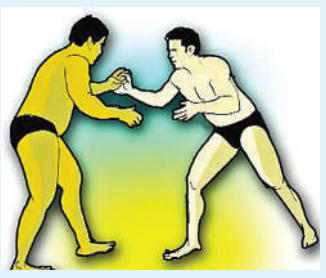

- हरियाणा कुश्ती का गढ़ है इसलिए वहां प्रतिस्पर्धा बहुत कड़ी है और राज्य की टीम में जगह बनाना दिन-ब-दिन और भी मुश्किल होता जा रहा है। कुश्ती में करियर बनाने के इच्छुक कई पहलवान नकली प्रमाणपत्र हासिल करके पड़ोसी राज्य दिल्ली के रास्ते खेले में आने की कोशिश करते हैं। डब्ल्यूएफआई ने पाया कि कई पहलवान मूल रूप से हरियाणा के थे लेकिन फिर भी उन्होंने किसी तरह एमसीडी से जन्म प्रमाण पत्र जारी करवा लिए जिससे कि वे दिल्ली से प्रतियोगिताओं में भाग ले सकें।

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका) में प्यूमास यूएनएएम के खिलाफ लीग कप फुटबॉल मैच के दौरान इंटर मियामी फॉरवर्ड लियोनेल मेसी (बाएं) अपनी पत्नी एंटोनेला रोक्कुजो के साथ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए। एजेंसी

महिला बॉक्सर के आरोपों से मची सनसनी

नई दिल्ली, एजेंसी

- टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना ने कहा- बीएफआई अधिकारी ने किया अपमानजनक व्यवहार

मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन।

टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन द्वारा राष्ट्रीय महासंघ के कार्यकारी निदेशक कर्नल अरुण मलिक के खिलाफ लगाए गए अपमानजनक और लैंगिक भेदभावपूर्ण व्यवहार के आरोपों की जांच की जा रही है और जल्द ही एक रिपोर्ट सौंपी जाएगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

खेल मंत्री मनसुख मांडविया, साइ के महानिदेशक, टॉप्स (टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना) विभाग, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) को संबोधित एक औपचारिक शिकायत में लवलीना ने आरोप लगाया कि मलिक ने आठ जुलाई को एक जूम मीटिंग के दौरान उनका अपमान किया और उनकी उपलब्धियों को कमतर आंका। बैठक में साइ और टॉप्स के अधिकारी भी शामिल थे। लवलीना ने इस दौरान अनुरोध किया कि उनके निजी कोच को राष्ट्रीय शिविर में आने की अनुमति दी जाए जो बीएफआई की नीति के विरुद्ध है। निजी कोच भी ऑनलाइन बैठक में मौजूद थे। वह यह भी चाहती थीं कि कोच को उनके साथ यूरोप में ट्रेनिंग के लिए जाने की अनुमति भी दी जाए।

लवलीना के अनुसार मलिक ने आक्रामक तरीके से जवाब दिया और उनसे अपमानजनक तरीके से बात की। इस मुक्केबाज ने कहा उन्होंने मुझे साफ तौर पर कहा चुप रहो, अपना सिर नीचे करो और जैसा हम कहते हैं वैसा करो। उनके शब्द ना केवल अपमानजनक थे बल्कि लैंगिक भेदभाव पूर्ण थे।

बल्लेबाजी नहीं करने के बारे में कभी नहीं सोचा था: वोक्स

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के ऑलराउंडर क्रिस वोक्स का कहना है कि उन्होंने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच के आखिरी दिन कंधे की हड्डी खिसकने के कारण बल्लेबाजी नहीं करने के बारे में कभी नहीं सोचा था। उन्होंने हालांकि कहा कि जब उन्हें यह चोट लगी थी तब उन्हें लगा था कि क्या उनका करियर खतरे में है। वोक्स पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन अंतिम बल्लेबाज के रूप में उतरे तो उनका बायां हाथ पट्टे से बंधा हुआ था और उन्होंने इसे स्वेटर के अंदर डाला हुआ था।

भारत ने यह मैच छह रन से जीता। वोक्स ने कहा कि उन्हें लगा कि ऐसा करना सभी के लिए उनका कर्तव्य है और उन्हें अब भी इस बात का दुख है कि इंग्लैंड मैच हार गया। इस तेज गेंदबाज को अभी अपने स्कैन के नतीजों को इंतजार है।

वोक्स ने 'द गार्जियन' से कहा मुझे नहीं पता कि यह क्या है। आप बस इतना जानते हैं कि आप किसी बड़ी चीज का हिस्सा हैं। आप सिर्फ अपने लिए ही नहीं खेल रहे हैं। उन्होंने कहा यह आपकी टीम और आपके साथियों की मेहनत और उनके द्वारा किए गए त्याग, घर पर और मैदान पर देखने वाले लोगों की मेहनत है। आप बस सबके लिए ऐसा करना अपना कर्तव्य समझते हैं। वोक्स ने खुलासा किया कि उन्होंने चौथे दिन से इंग्लैंड के सहायक कोच मार्कस ट्रेस्कोथिक के साथ एक हाथ से बल्लेबाजी का अभ्यास शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा मैंने सामान्य रूप से एक गेंद खेली और यह बहुत पीड़ादायक था।

मैं अब भी बहुत निराश हूं

- वोक्स ने कहा मैं अब भी बहुत निराश हूं, सचमुच बहुत निराश हूं कि हम वह परीकथा नहीं बना पाए। लेकिन मैंने कभी मैदान पर नहीं जाने के बारे में नहीं सोचा, चाहे जीत के लिए 100 रन ही क्यों ना होते। वोक्स ने कहा कि दर्शकों के खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट के बीच मैदान पर उतरना अच्छा लगा लेकिन वह अपने इस साहसिक कार्य को अधिक तवज्जो नहीं देते। तालियां बजना अच्छा लगा और कुछ भारतीय खिलाड़ी अपना सम्मान दिखाने आए। लेकिन कोई अन्य खिलाड़ी भी ऐसा ही करता। आप नौ विकेट गिरने के बाद मैच खत्म नहीं कर सकते थे।

पैर में फ्रैक्चर के लिए पंत से माफी मांगी

- **लंदन :** इंग्लैंड के ऑलराउंडर क्रिस वोक्स ने खुलासा किया है कि उन्होंने हालिया टेस्ट श्रृंखला के दौरान अपनी गेंद पर पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर के लिए ऋषभ पंत से 'माफी' मांगी थी जिसके बाद वह अपने भारतीय प्रतिद्वंद्वी की उदारता से काफी प्रभावित हुए। मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट के दौरान वोक्स की गेंद पंत के पैर में लगी थी जिसके कारण वह सीरीज के निर्णायक पांचवें मैच से बाहर हो गए थे। भारत ने इस झटके से उबरते हुए ओवल में हुए अंतिम मैच को छह रन से जीतकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर दी। वोक्स और पंत दोनों ही श्रृंखला के दौरान गंभीर चोटों के बावजूद बल्लेबाजी के लिए उतरकर अपनी-अपनी टीमों के लिए साहस के प्रतीक बन गए। जहां पंत ने मैनचेस्टर में अपने पैर के टूटे अंगूठे के बावजूद बल्लेबाजी की तो वहीं वोक्स पांचवें टेस्ट के दौरान कंधे की हड्डी खिसकने के बावजूद क्रीज पर उतरे। वोक्स ने 'गार्जियन' को दिए साक्षात्कार में कहा मैंने देखा कि ऋषभ (पंत) ने इंस्टाग्राम पर सैल्यूट इमोजी के साथ मेरी एक तस्वीर डाली थी तो मैंने उन्हें धन्यवाद देते हुए जवाब दिया कि 'प्यार के लिए शुक्रिया और उम्मीद है कि पैर ठीक होगा। उन्होंने आगे कहा फिर उन्होंने मुझे एक वॉइस नोट भेजा जिसमें कहा था उम्मीद है सब ठीक होगा, उबरने के लिए शुभकामनाएं और उम्मीद है कि हम किसी दिन फिर से मैदान पर मिलेंगे। मैंने टूटे हुए पैर के लिए माफी मांगी। वोक्स ने यह भी कहा कि पांचवें टेस्ट में बल्लेबाजी के लिए आने पर भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने उनकी सराहना की थी। वोक्स को एक भी गेंद का सामना करने का मौका नहीं मिला लेकिन उन्होंने कहा कि विकेटों के बीच दौड़ना मुश्किल था। वोक्स ने कहा शुभमन ने कहा कि यह अविश्वसनीय बहादुरी थी। उन्होंने कहा मैंने उनसे कहा कि आपने एक अविश्वसनीय श्रृंखला खेली, शानदार खेल दिखाया और आपकी टीम को इसका श्रेय जाता है।

मैं गंभीर को अच्छे से जानता हूं: गैरी कर्स्टन

- **नई दिल्ली :** भारत के विश्व कप विजेता पूर्व कोच गैरी कर्स्टन ने कहा कि जिस तरह से कोच गौतम गंभीर की टीम ने इंग्लैंड के कठिन दौरे पर टेस्ट सीरीज ड्रॉ कराई, उससे वह बहुत खुश हैं। कर्स्टन ने यहां एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से कहा मैं बहुत खुश हूं कि भारतीय क्रिकेट टीम ने श्रृंखला ड्रॉ कराई और यह भारतीय क्रिकेट के लिये अच्छा है। मैं गौतम गंभीर के लिये भी बहुत खुश हूं। मैं उसे अच्छे से जानता हूं और उसने इस टीम के साथ जो हासिल किया है, मैं उससे खुश हूं। उन्होंने कहा भारतीय टीम इस समय अच्छा खेल रही है। हम सभी उसकी सफलता से खुश हैं।

सिराज को वह सम्मान नहीं मिलता जो मिलना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

- सचिन तेंदुलकर ने उन खिलाड़ियों की सराहना की है, जिन्होंने टेस्ट सीरीज में अहम भूमिका निभाई

लीजेंड बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने उन कुछ भारतीय खिलाड़ियों की सराहना की है, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में अहम भूमिका निभाई। यह सीरीज, आखिरी दिन के दिल थाम देने वाले अंत के बाद 2-2 से बराबरी पर खत्म हुई।

तेंदुलकर ने 'अविश्वसनीय' मोहम्मद सिराज की तारीफ की, केएल राहुल के ऑफ स्टंप के आसपास अपने खेल को सटीक फुटवर्क के साथ कसने की बात कही, यशस्वी जायसवाल के दोहरे शतकों, जज्बा और परिपक्वता की चर्चा की और शुभमन गिल के कप्तान के रूप में 'शांत और संयमित' रहने की भी तारीफ की।

इस सीरीज में कई मोड़, जोरदार टकराव और कुछ असाधारण व्यक्तिगत प्रदर्शन हुए, जैसे ऋषभ पंत और क्रिस वोक्स का चोटिल होने के बावजूद बल्लेबाजी करने आना। पंत ने पांच में से चार टेस्ट खेले और दो शतक व तीन अर्धशतक लगाए, जिनमें आखिरी पारी उन्होंने दाहिने पैर में फ्रैक्चर के साथ खेली। उन्होंने 68.42 की औसत और 77.63 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। तेंदुलकर ने रेडिट पर कहा जो स्वीप शॉट उन्होंने खेला, उसमें वह गेंद के नीचे आना पसंद करते हैं ताकि उसे ऊंचाई के साथ स्कूप कर सकें। लोग सोचते हैं कि वह गिर गए हैं, लेकिन यह जानबूझकर किया गया है ताकि वह गेंद के नीचे आ सकें। ऐसे शॉट खेलने का राज यही है कि आप गेंद के नीचे आ सकें। यह एक योजना के तहत गिरना होता है, वह असंतुलित नहीं होते हैं। यह सब गेंद की लेंथ पर निर्भर करता है। पंत के शॉट खेलने के तरीके और उनमें जो 'पंच' होता है, उसे 'ईश्वर का वरदान' बताते हुए तेंदुलकर ने कहा कई बार लोग सोचते हैं कि उन्हें यह शॉट नहीं खेलना चाहिए, यह सही समय नहीं है। लेकिन ऋषभ जैसे खिलाड़ी को अकेला छोड़ देना चाहिए। जब वह मैच बचाने की सोच रहे हो, तो उन्हें एक अलग तरीका अपनाना होगा।

भारतीय महिला टीम भिड़ेगी उज्बेकिस्तान व किर्गिस्तान से

नई दिल्ली, एजेंसी

- अंडर-17 महिला एशियाई कप क्वालीफायर के मुकाबले

भारतीय महिला फुटबॉल टीम बिश्केक में होने वाले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप चीन 2026 क्वालीफायर के ग्रुप जी में उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान से भिड़ेगी। प्रतियोगिता के लिए ड्रॉ बृहस्पतिवार को कुआलालंपुर के एएफसी हाउस में आयोजित किया गया। ड्रॉ में 27 टीम को आठ ग्रुप में बांटा गया।

तीन ग्रुप में चार टीम जबकि पांच ग्रुप में तीन टीम को जगह मिली। क्वालीफायर एकल राउंड रोबिन लीग प्रारूप में 13 से 17 अक्टूबर तक खेले जाएंगे। भारत 13 अक्टूबर को किर्गिस्तान और 17 अक्टूबर को उज्बेकिस्तान से भिड़ेगा। आठ ग्रुप विजेता सात ग्रुप विजेता फाइनल्स के 10वें सत्र में जगह बनाएंगे जहां वे फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप 2025 के चार एएफसी प्रतिनिधियों से जुड़ेंगे जिन्होंने स्वतः ही क्वालीफाई कर लिया है। ये देश उत्तर कोरिया, जापान, दक्षिण कोरिया और चीन हैं। एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप चीन 2026 का आयोजन 30 अप्रैल से 17 मई 2026 तक किया जाएगा और शीर्ष चार टीमें फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप मोरक्को 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारत ने पिछली बार 2005 में एशियाई कप में भाग लिया था।

भारत का कार्यक्रम

- 13 अक्टूबर : किर्गिस्तान बनाम भारत
- 17 अक्टूबर : उज्बेकिस्तान बनाम भारत।

बीसीसीआई ने नये कोचों की तलाश शुरू की

बेंगलुरु : मशहूर गेंदबाजी कोच ट्रॉय कूली समेत पुराने कोचों के जाने के बाद बीसीसीआई अपने उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के लिए नये कोचिंग स्टाफ की तलाश में है और गेंदबाजी, बल्लेबाजी, खेल विज्ञान और मेडिसिन विभाग में शीर्ष पदों के लिए आवेदन मंगवाये गए हैं। आस्ट्रेलिया के पूर्व प्रथम श्रेणी तेज गेंदबाज और इंग्लैंड के एशेज विजेता गेंदबाजी कोच कूली का बीसीसीआई के साथ तीन साल का करार खत्म हो गया था और वह कार्यकाल में विस्तार पर थे।

59 वर्ष के कूली को 2021 के आखिर में एनसीए का गेंदबाजी कोच बनाया गया था। उनकी जगह भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वीआरवी सिंह ले सकते हैं जिन्होंने कूली के साथ काम किया है। मेडिकल टीम के प्रमुख नितिन पटेल समेत स्टाफ के कई सदस्यों के जाने के बाद कई पद रिक्त हैं। पटेल ने मार्च में पद से इस्तीफा दिया था।

एशिया कप | चौदह साल से अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खेल रहे मनप्रीत करियर को विस्तार देने के लिए कर रहे हैं मेहनत

बेहतर फिटनेस के साथ तैयार मनप्रीत सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी

मनप्रीत सिंह। एजेंसी

चौदह साल से अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खेल रहे मनप्रीत सिंह ने पिछले एक साल में फिटनेस के लिए कड़ी मेहनत की। मीठा और जंक फूड खाना लगभग बंद कर दिया ताकि इस महीने के आखिर में हो रहे एशिया कप से लेकर अगले साल एशियाई खेलों तक टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकें।

भारत के लिए दिलीप टिर्की (412) के बाद सबसे ज्यादा 402 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाले मनप्रीत ने भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा पिछले साल पेरिस ओलंपिक और एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से मुझे लगा कि अगर कैरियर को विस्तार देना है तो फिटनेस पर काम करना होगा। टोक्यो ओलंपिक 2020 में 41 साल बाद भारत को अपनी कप्तानी में कांस्य पदक दिलाने वाले 32 वर्ष के इस मिडफील्डर ने कहा मैं 30 पार हो चुका हूं और अब टीम के युवा खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा के लिये उनके स्तर पर फिटनेस रखनी होगी। सिर्फ अनुभव से काम नहीं चलता। उन्होंने बताया कि किस तरह से उन्होंने अपने खानपान में बदलाव करके कई पसंदीदा चीजों को खाना लगभग बंद कर दिया।

पंजाब के मीठापुर से निकलकर 2011 में 19 वर्ष की उम्र में भारत के लिये पदार्पण करने वाले इस खिलाड़ी ने कहा मैंने मीठा और जंक फूड लगभग बंद कर दिया है। हफ्ते में एक दिन ही ऐसा कुछ खाता हूं लेकिन बहुत कम मात्रा में। जिम के अलावा भी कोर वर्कआउट, स्पीड पर काम करना शुरू किया और सात किलो वजन कम कर लिया। उन्होंने बताया कम वजन के साथ मैदान पर रफ्तार बेहतर हुई। योयो और स्पीड टेस्ट में भी बहुत अच्छे नतीजे मिले। मुझे खुद को बहुत अच्छा लग रहा है। मनप्रीत फिलहाल लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ओलंपिक के बारे में नहीं सोच रहे और उन्होंने कहा कि वह एशियाई खेलों के बाद ही आगे के लिये फैसला लेंगे। उन्होंने कहा मेरा पहला लक्ष्य अगले साल होने वाले एशियाई खेल हैं और मैं जानता हूं कि मेरी फिटनेस उस स्तर की है। उसके बाद फिटनेस का आकलन करूंगा और अगर सही नहीं रही तो किसी दूसरे खिलाड़ी के लिये जगह खाली कर दूंगा। वैसे मैं रोनाल्डो को आदर्श मानता हूं जो 40 वर्ष की उम्र में भी इतना फिट है।

आस्ट्रेलिया जैसी बड़ी टीमों से कम नहीं भारत

- मनप्रीत ने कहा कि भारतीय टीम फिटनेस के मामले में आस्ट्रेलिया, नीदरलैंड, जर्मनी जैसी बड़ी टीमों से कमतर नहीं है और फर्क मौके भुनाने का है। टोक्यो ओलंपिक से पहले ही टीम में बड़ी टीमों को हराने का आत्मविश्वास आ गया था। फिटनेस व कौशल के मामले में हम किसी से कम नहीं। फर्क सिर्फ रणनीति पर अमल का है और मैच के दिन जो अच्छा करता है, वही जीतता है। तेज रफ्तार अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खेलते हुए इतने लंबे कैरियर में कार्यभार प्रबंधन कैसे किया, यह पूछने पर कहा हमारे पास खिलाड़ियों का बड़ा पूल है। युवा खिलाड़ियों को भी मौके मिलते हैं व कार्यभार प्रबंधन का ध्यान रखा जाता है।